CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

# शाह टाइम्स

अधिकतम : 18°C
न्यूनतम : 06°C

मुजफ्फरनगर, गुरुवार 5 फरवरी 2026 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 27 अंक 20 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 2 विक्रमी सम्वत् 2082 16 शाबान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

बांदा जेल से गैंगस्टर की रिहाई ने मचाया हड़कंप

पेज 2

इंडिया बनाम पाकिस्तान मैच जरूर होना चाहिए: ब्रेट ली

खेल टाइम्स

क्या विद्यालयों को बंद करने से भारत बनेगा विश्वगुरु

सम्पादकीय

अमेरिका ने अरब सागर में ईरानी ड्रोन को मार गिराया

पेज 12

# सुप्रीम कोर्ट एडीएजी बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में देरी पर सख्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) की कंपनियों से जुड़े 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले की जांच में अकारण देरी को लेकर ईडी को कड़ी फटकार लगाई है।

इसके साथ ही कई बैंकों की शिकायतों के बावजूद केवल एक ही एफआईआर दर्ज करने पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की भी आलोचना की है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि वर्ष 2025 में एसबीआईकी शिकायत पर दर्ज एकमात्र एफआईआर के दायरे को अन्य बैंकों की बाद की शिकायतों तक बढ़ाना प्रक्रियात्मक कानून के अनुरूप प्रतीत नहीं होता। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अलग-अलग बैंकों की शिकायतें अलग लेन-देन से जुड़ी हैं और इसलिए प्रत्येक के लिए अलग

■ ईडी और सीबीआई को सुप्रीम फटकार

एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। पीठ ने सीबीआई को इस पहलू की समीक्षा करने और कथित धोखाधड़ी में बैंक अधिकारियों की संभावित मिलीभगत की भी जांच करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि ईडी और सीबीआई दोनों पहले ही समय ले चुके हैं, इसलिए हम अपेक्षा करते हैं कि दोनों एजेंसियां अब त्वरित कार्रवाई करें। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि ईडी वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित कर कानूनी दायरे में रहते हुए जांच को उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाए।

## नीट-पीजी कटऑफ कम करने के फैसले पर केंद्र सरकार से मांगा जवाब

**नई दिल्ली।** नीट-पीजी 2025-26 की कट-ऑफ घटाने के खिलाफ जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एनबीईएमएस से जवाब मांगा है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र से जवाब मांगा। मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार, 6 फरवरी ,2026 को होगी। योग्यता कट-ऑफ प्रतिशत घटाने के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी।

यह जनहित याचिका सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन, न्यूरोसर्जन सौरव कुमार, यूनाइटेड डाक्टर्स फ्रंट के अध्यक्ष डा. लक्ष्य मित्तल और वर्ल्ड मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य डा. आकाश सोनी द्वारा दायर की गई। याचिका में कहा गया था कि विवादित नोटिस के माध्यम से कट-ऑफ को असामान्य रूप से बेहद कम, यहां तक कि शून्य और नकारात्मक स्तर तक घटा दिया गया है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा के लिए योग्यता मानकों में कमी मनमानी है और संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन करती है।

# विपक्षी सांसदों का हंगामा, पीएम मोदी की स्पीच टली

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ लोकसभा आज तक स्थगित
■ शाम पांच बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने वाले थे प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली।** विपक्षी सांसदों के लगातार हंगामे के चलते बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही 4 बार स्थगित हुई, जिसके बाद शाम 5 बजे सदन को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

हंगामे के कारण पीएम नरेंद्र मोदी का बुधवार शाम 5 बजे होने वाले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर संबोधन भी टल गया। संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के ऑफिस में विपक्ष और बीजेपी सांसदों के बीच भी बहस हुई है। ऑफिस का जो वीडियो सामने आया है इसमें विपक्ष की महिला सांसद केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू से कुछ कहती नजर आ रही हैं। विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। सुबह सदन सिर्फ 5 मिनट चला और 12 बजे तक स्थगित हुआ। इसके बाद 12 बजे हंगामा होने पर दोपहर 2 बजे तक और 2 बजे दोबारा शुरू होकर 8 मिनट में ही रुक गया। शाम 5 बजे फिर शुरू होने के बाद भी हंगामे के चलते लोकसभा को बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसदों ने चेयर की तरफ बुधवार को भी पेपर उछाले। मंगलवार को इसी हरकत पर 8 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में अमेरिका से टैरिफ डील पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि डील ऐतिहासिक है। भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है। यह डील भारत के विकास में बेहद फायदेमंद होगी। गोयल के भाषण के दौरान विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे। विपक्ष ने 'एलओपी (राहुल गांधी) को बोलने दो', नरेंद्र मोदी-सरेंडर मोदी और 'डरता है डरता है नरेंद्र मोदी डरता है' के नारे लगाए।

### पीएम मोदी डरे हुए हैं, इसीलिए संसद नहीं आए: राहुल

**नई दिल्ली।** संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रस्तावित संबोधन हंगामे के कारण नहीं हो सका। इसी मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी सच्चाई का सामना करने से डर रहे हैं, इसलिए सदन में नहीं आए। राहुल गांधी ने इसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो और बयान भी साझा किया। इस वीडियो में वो पहले ही ये बात कह चुके थे। राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि जैसा उन्होंने पहले कहा था, पीएम मोदी लोकसभा नहीं आएंगे। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री डरे हुए हैं और सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते।

# ईसी बंगाल को निशाना बना रहा: ममता बनर्जी

**एसआईआर मुद्दा** कहा: नाम मिसमैच पर दिए नोटिस वापस लिए जाएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट में दी दलील | CJI की बेंच ने कहा: असली लोग चुनावी सूची में बने रहने चाहिएं | चुनाव आयोग और बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी तलब

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) मामले पर सुनवाई की। जहां राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी वकीलों के साथ मौजूद रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग के निशाने पर है। जो काम 2 साल में होना था, उसे 3 महीने में करवाया जा रहा है।

सुनवाई के बाद सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि असली लोग चुनावी सूची में बने रहने चाहिए। ममता की याचिका पर बेंच ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी से 9 फरवरी तक जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री ने कोर्ट में पेश होकर अपनी दलीलें रखीं। मुकदमों में आमतौर पर मुख्यमंत्रियों के वकील या सलाहकार ही पेश होते हैं। ममता ने कहा कि चुनाव से पहले 2 महीने में ऐसा कुछ करने की कोशिश की जा रही है, जो 2 साल में होना था। खेतीबाड़ी के मौसम में लोगों को परेशान किया जा रहा है। 24 साल बाद इसे 3 महीने -शेष पृष्ठ दो पर

### वांगचुक की जमानत पर विचार करे केंद्र: कोर्ट

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र से पूछा कि क्या सरकार क्लाइमेट एक्टिविस्ट और साइंटिस्ट सोनम वांगचुक की तबीयत को देखते हुए उनकी हिरासत पर फिर से विचार कर सकती है? जस्टिस अरविंद कुमार और पीबी वराले की बेंच ने कहा कि वांगचुक की हेल्थ रिपोर्ट अच्छी नहीं है। कोर्ट ने केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से इस मामले में निर्देश लेने को कहा। कोर्ट ने कहा कि दलीलों और कानून के बिंदुओं के अलावा, कोर्ट के अधिकारी के तौर पर इस पर थोड़ा सोचिए।

# राहुल गांधी के जवाब में भाजपा भी लाई किताब

शाह टाइम्स ब्यूरो

**नई दिल्ली।** संसद में किताब के हवाले से बयान देने को लेकर शुरू हुआ विवाद अब बड़ा राजनीतिक टकराव बन गया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा एक कथित अप्रकाशित सैन्य पुस्तक का जिक्र करने के बाद अब भाजपा ने भी पलटवार किया है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे कई प्रकाशित और प्रतिबंधित किताबों के कवर लेकर सदन पहुंचे और कांग्रेस पर इतिहास छिपाने का आरोप लगाया। इसी मुद्दे पर सदन में हंगामा बढ़ा और कार्यवाही रोकनी पड़ी। हालांकि इसके बाद उन्होंने सभी किताबों को लेकर मीडिया से बात की। निशिकांत दुबे ने मीडिया से बातचीत में कई किताबों के नाम गिनाए। इनमें नेहरू और गांधी परिवार से जुड़ी किताबें, इमरजेंसी पर लिखी किताबें और मित्रोखिन आर्काइव का जिक्र शामिल रहा। उन्होंने दावा किया कि इन पुस्तकों में कांग्रेस शासन, आपातकाल और कथित विदेशी प्रभाव से जुड़े गंभीर आरोप दर्ज हैं। उनका कहना था कि

■ भाजपा सांसद निशिकांत दुबे बोले: नेहरू-गांधी का भी इतिहास सामने आना चाहिए

कई किताबों पर कांग्रेस सरकार के समय प्रतिबंध लगाया गया था और अब उन पर खुली चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मेरा स्पीकर साहब से यह भी अनुरोध है कि आप जो छपी हुई किताब है। उस पर ही चर्चा करा लीजिए। संसद में चर्चा हो जाएगी, तो गांधी नेहरू परिवार की जो मक्कारी है, वो सबके सामने आ जाएगी। 50 के दशक में चीन हमसे पीछे हुआ करता था, लेकिन वो कैसे आगे निकल गया। उसके पूरे इतिहास पर चर्चा होनी चाहिए। विवाद की शुरुआत तब हुई जब राहुल गांधी ने संसद में पूर्व सेना प्रमुख की एक अप्रकाशित किताब का हवाला दिया। इस पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई कि बिना प्रकाशित और बिना आधिकारिक अनुमति वाली सामग्री का जिक्र नियमों के खिलाफ है।

## यूपी पीसीएस मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित

**प्रयागराज।** उप्र लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने सम्मिलित राज्य/प्रवर (पीसीएस) अधीनस्थ सेवा परीक्षा-2024 की मुख्य (लिखित) परीक्षा का परिणाम बुधवार देर रात जारी कर दिया। मुख्य परीक्षा में 2719 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए सफल घोषित किया गया है। परिणाम आयोग की वेबसाइट https:@@uppsc-up-nic-in पर उपलब्ध हैं। पीसीएस के 947 पदों पर भर्ती के लिए मुख्य परीक्षा वर्ष 2025 में 26 जून से दो जुलाई तक लखनऊ व प्रयागराज के विभिन्न केंद्रों में आयोजित की गई थी। मुख्य परीक्षा में 13776 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। चयन में 24 प्रकार के 947 पद हैं। इनमें एक प्रकार के 60 पद ऐसे हैं, जिन पर चयन केवल लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाना है। हालांकि, इस पद का परिणाम अंतिम चयन परिणाम के साथ घोषित किया जाएगा। बाकी 887 पदों पर चयन लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर किया जाना है जिसके सापेक्ष 2719 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए सफल घोषित किया गया है। आयोग के सचिव अशोक कुमार के अनुसार, परीक्षा के संबंध में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 15 रिट याचिकाएं विचाराधीन हैं।

नई दिल्ली: संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित 'संस्मरण' की एक प्रति दिखाते हुए।

## उधमपुर में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया

**उधमपुर।** जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी गुफा में छिपे हुए थे। सेना ने गुफा को ग्रेनेड से विस्फोट कर उड़ा दिया। एनकाउंटर का वीडियो भी सामने आया है। इसके बाद एक आतंकवादी का शव गुफा के बाहर था, जबकि दूसरे आतंकी का शव गुफा के अंदर काफी गहराई में मिला। इस ऑपरेशन में जैश का टॉप कमांडर रुबानी उर्फ अबू माविया भी मारा गया। वो इलाके में कई साल से सक्रिय था।

# गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर दी जान

शाह टाइम्स ब्यूरो

**गाजियाबाद।** उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद स्थित टीला मोड़ थाना क्षेत्र के भारत सिटी अपार्टमेंट में गत रात एक हृदय विदारक घटना सामने आई है।

भारत सिटी के बी वन टॉवर के फ्लैट नंबर 907 में रहने वाली तीन सगी बहनों ने सामूहिक रूप से आत्महत्या कर ली। यह घटना बुधवार तड़के करीब दो बजे की है। घटना की सूचना मिलते ही

■ तीनों बहनें ऑनलाइन गेमिंग की थीं शिकार

पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों बच्चियों को तत्काल एम्बुलेंस के जरिये अस्पताल भिजवाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बुधवार सुबह बच्चियों के आत्महत्या की जानकारी देते हुए कहा कि मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि तीनों बहनें ऑनलाइन गेमिंग की आदी थीं और वे कोरियाई ऑनलाइन गेम खेलती थीं। सुसाइड नोट में बच्चियों ने माता-पिता से खेद व्यक्त किया है। मृतक बहनों की पहचान निशिका (16 वर्ष), प्राची (14 वर्ष) और पाखी (12 वर्ष) के रूप में हुई है। तीनों बहनों ने अपार्टमेंट के नौ मंजिल से कूदकर जान दे दी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

# राहुल ने नरवणे की किताब दिखाई ,कहा: पीएम को दूंगा

शाह टाइम्स ब्यूरो

**नई दिल्ली।** पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की जिस किताब को लेकर संसद में दो दिन से हंगामा हो रहा है। राहुल गांधी बुधवार को वही किताब लेकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा। राहुल ने किताब का वह पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री ने आर्मी चीफ से कहा था कि जो उचित समझो वह करो!।

राहुल ने कहा कि सरकार और रक्षा मंत्री कह रहे हैं कि किताब का अस्तित्व नहीं है। देखिए यह रही किताब। राहुल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि प्रधानमंत्री आज लोकसभा में आने की हिम्मत करेंगे। अगर प्रधानमंत्री आते हैं, तो मैं खुद जाकर उन्हें यह किताब सौंपूंगा, ताकि वे इसे पढ़ सकें और देश को इसके बारे में पता चल सके। राहुल गांधी, पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक लेकर पहुंचे। लोकसभा में दो दिन से पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक पर हंगामा हो रहा है। इसके चलते कई बार सदन स्थगित हो चुका है। राहुल इस किताब के अंश लोकसभा में पढ़ना चाहते हैं। स्पीकर ओम बिरला ने

■ कांग्रेस सांसद ने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह को गद्दार बताया, मंत्री ने पलटकर कहा: राहुल देश के दुश्मन

इसकी इजाजत नहीं दी है। इधर, कांग्रेस के कुछ सांसदों ने बजट सत्र के छठे दिन संसद के मकर द्वार के पास प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गांधी ने रवनीत सिंह बिट्टू को पास से गुजरते देखकर कहा कि देखो एक गद्दार आ रहा है, देखिए इसका चेहरा। राहुल गांधी ने हाथ मिलाने की पेशकश करते हुए कहा -शेष पृष्ठ दो पर

### जनता का निरादर कर रहे हैं पीएम मोदी: प्रियंका

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया जा रहा है और सरकार मनमानी कर देश की जनता का निरादर कर रही है। श्रीमती वाड्रा ने बुधवार को संसद भवन परिसर में कांग्रेस सांसदों के प्रदर्शन में शामिल होने के बाद पत्रकारों से कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार मनमर्जी से काम कर रही है। उनका कहना था कि जब सरकार चाहती है कि सदन को डिस्टर्ब करना है, तो वो वह भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे को बोलने के लिए उठा देती है।

# युमनाम खेमचंद सिंह बने मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री

**नई दिल्ली।** भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने हैं। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बुधवार शाम को लोकभवन में खेमचंद को गोपनीयता की शपथ दिलाई।

मैतेई समुदाय से आने वाले खेमचंद पूर्व सीएम बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं। नगा समुदाय से आने वाले लोसी दिखो को डिप्टी सीएम पद की शपथ दिलाई गई है। वे नगा पीपुल्स फ्रंट के विधायक हैं। उनके अलावा कुकी समुदाय से आने वालीं नेमचा किपगेन ने भी डिप्टी सीएम पद की शपथ ली है। उन्होंने दिल्ली स्थित मणिपुर भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शपथ ली। वे राज्य की पहली महिला डिप्टी सीएम हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### योगी के प्रयास से मूकबधिर खुशी के जीवन में लौटी 'खुशी'

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में कानपुर की मूकबधिर बच्ची खुशी को उसकी खोई हुई आवाज मिल गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संवेदनशील हस्तक्षेप और त्वरित निर्देशों के चलते खुशी का सफल इलाज संभव हो सका, जिससे उसके जीवन में एक नई शुरुआत हुई है। 26 नवम्बर को खुशी ने अपने परिजनों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्ची की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तत्काल बेहतर इलाज के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए थे। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद खुशी को उच्चस्तरीय चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिसके परिणामस्वरूप उसका इलाज सफल रहा। इलाज के बाद खुशी न सिर्फ सुनने और बोलने में सक्षम हुई, बल्कि उसके चेहरे पर भी खोई हुई मुस्कान लौट आई। मासूम खुशी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि थैंक्यू योगी जी।

### बराड़ के दो गुर्गे गिरफ्तार, वारदात में कार बरामद

**मोहाली।** पंजाब में मोहाली जिला प्रशासनिक परिसर के बाहर 23 जनवरी को हुए सनसनीखेज गुरविदर सिंह हत्याकांड में एस-ए-एस- नगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बी. हरमनदीप सिंह हंस ने बुधवार को कहा कि इस हत्याकांड की साजिश विदेश में बैठे कुख्यात गैंगस्टर सतिदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ ने अपने साथियों के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त वाहन भी बरामद कर लिए हैं। 23 जनवरी को गुरविदर सिंह अपनी पत्नी अमरदीप कौर के साथ मोहाली कोर्ट में पेशी के लिए पहुंचे थे।

# यूपी के अनुदेशकों ने जीती लड़ाई, अब खत्म नहीं होगी नौकरी

**नई दिल्ली, वार्ता**

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि सरकारी स्कूल में कार्यरत अनुदेशकों की नौकरी संविदा की निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद भी नहीं जाएगी। इसके अलावा कोर्ट ने सरकार को अनुदेशकों का मानदेय 17000 रुपये करने का निर्देश दिया है।

उत्तर प्रदेश के सरकारी जूनियर स्कूलों में पढ़ा रहे अनुदेशकों के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की वह अपील खारिज कर दी, जिसमें सरकार अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने के खिलाफ थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविदा की जो निर्धारित अवधि है, वह खत्म होने के बाद भी अनुदेशकों की नौकरी नहीं जाएगी। 10 साल तक काम करने के चलते यह पद ऑटोमैटिक तरीके से सृजित हो चुका है। साथ ही कोर्ट ने यूपी सरकार ने अनुदेशकों को 17 हजार रुपये देने का मानदेय देने का भी निर्देश दिया है। बता दें कि अनुदेशक साल 2013 से ही मानदेय बढ़ाने की मांग सरकार से कर रहे थे, लेकिन

सुप्रीम कोर्ट ने 17000 रुपये मानदेय देने का दिया आदेश

सरकार ऐसा करने को तैयार नहीं थी। फिर अनुदेशकों की याचिका पर हाईकोर्ट ने सरकार को मानदेय बढ़ाने का आदेश दिया, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई।

कोर्ट ने अनुदेशकों को मिलने वाले 7000 रुपये के मानदेय पर भी सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि लंबे समय तक बिना किसी संशोधन के मानदेय तय रखना अनुचित श्रम व्यवहार की श्रेणी में आता है, जो अंशकालिक शिक्षक लगातार सेवाएं दे रहे हैं, उन्हें सम्मानजनक मेहनताना दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि 2017-18 से अंशकालिक शिक्षकों का मानदेय 17,000 प्रतिमाह माना जाएगा। यह अगले संशोधन तक प्रभावी रहेगा। साथ ही इस नए मानदेय का भुगतान 1 अप्रैल 2026 से शुरू करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सरकार को 2017 से अब तक नए मानदेय के तहत बकाया श्रेणी में आने वाली राशि का भुगतान 6 महीने के अंदर करने को कहा है। बता दें कि यूपी के बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अनुदेशकों का मानदेय साल 2017 में बढ़ाने का निर्णय हुआ था, लेकिन सरकार बदलने के बाद इस फैसले को लागू नहीं किया गया। इसके बाद अनुदेशक सरकार के खिलाफ हाईकोर्ट चले गए थे। हाईकोर्ट ने अनुदेशकों के पक्ष में फैसला दिया था, तो सरकार आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चली गई थी।

## कैंसर के खिलाफ अभियान चलाए सरकार: अखिलेश

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उप्र में पुरुषों में होने वाले लगभग 54 प्रतिशत कैंसर का कारण नशा है, तो हर नशे के खिलाफ सरकार को अभियान चलाना चाहिए। ऐसे अभियानों की अगुवाई उन भरोसेमंद लोगों से कराई जानी चाहिए, जो निजी जीवन में भी किसी भी तरह के नशे से दूर रहकर ईमानदारी से सफल हुए हों और जिनके परिवार खुशहाल हों। ऐसे वास्तविक उदाहरण समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे और युवा पीढ़ी नशे से दूर रहने का संकल्प लेगी। विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में अखिलेश ने जोर देते हुए कहा कि कैंसर से लड़ने से बेहतर है उससे बचाव किया जाए।

# वैदेही आर्ट गैलरी सीता के जीवन से कराएगी परिचित

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री अयोध्या धाम में माता सीता के जीवन चरित्र पर आधारित 'वैदेही आर्ट गैलरी' की स्थापना के निर्देश दिए हैं। यह गैलरी अयोध्या में वशिष्ठ भवन परिसर में विकसित की जाएगी।

बुधवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि माता सीता भारतीय संस्कृति, मर्यादा और नैतिक मूल्यों की अनुपम प्रेरणा हैं। उनके दिव्य और तेजस्वी चरित्र से नई पीढ़ी को गहराई से परिचित कराना आज की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने 'वैदेही आर्ट गैलरी' की अवधारणा साझा करते हुए कहा कि यह केवल एक कला संग्रहालय नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव स्थल होना चाहिए। आधुनिक तकनीक के माध्यम से माता सीता के जीवन, त्याग, करुणा, गरिमा, धैर्य और शक्ति का आधुनिक दृष्टिकोण से प्रस्तुतीकरण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि गैलरी की संकल्पना, कथा-वस्तु, डिजाइन, दृश्य भाषा, कला और तकनीक-सभी आयाम इस भाव को प्रतिबिंबित करें कि एक दिव्य विरासत को नई पीढ़ी के समक्ष प्रेरणास्रोत के रूप में पुनर्प्रस्तुत किया जा रहा है।

# बांदा जेल से गैंगस्टर की रिहाई पर मचा हड़कंप

**लखनऊ/बांदा, वार्ता**

■ अधीक्षक-जेलर समेत अज्ञात पर केस, एसआईटी जांच में जुटी

उत्तर प्रदेश के बांदा जिला जेल से कुख्यात स्क्रैप माफिया व गैंगस्टर रविन्द्र सिंह (रवि काना) की संदिग्ध रिहाई ने बड़ा बवाल खड़ा कर दिया है। मामले में जेल चौकी प्रभारी की शिकायत पर कोतवाली नगर थाने में जेल अधीक्षक, जेलर और अन्य अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 260सी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह धारा आरोपी की हिरासत में जानबूझकर की गई लापरवाही से संबंधित है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की है।

मंगलवार को टीम ने बांदा मंडल जेल में करीब 5-6 घंटे तक दस्तावेज, रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज की गहन पड़ताल की। पुलिस के मुताबिक, रवि काना कई गंभीर मामलों में वांछित है, जिनमें नोएडा के सेक्टर-63 थाने में दर्ज उगाही का केस भी शामिल है। वह वर्ष 2024 से अन्य मामलों में बांदा मंडल जेल में बंद था। उगाही प्रकरण में बी-वारंट के जरिए उसे कोर्ट में तलब किया गया था। जांच अधिकारी की रिमांड अर्जी पर 29 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई, लेकिन उसी शाम उसकी रिहाई हो गई, यही बिंदु अब जांच का केंद्र बना हुआ है। घटना के बाद गौतम बुद्ध नगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने महानिदेशक कारागार और जेल अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा। इसके बाद डीजी (कारागार) पीसी मीणा ने जांच प्रयागराज रेंज के डीआईजी राजेश श्रीवास्तव को सौंपी है। इसी क्रम में बांदा जेल के जेलर विक्रम सिंह यादव को निलंबित कर दिया गया।

## अमेरिकी ट्रेड डील पर संसद में पीयूष गोयल का बयान

# देश व किसानों के हितों की रक्षा का रखा ध्यान

**नई दिल्ली, वार्ता**

भारत और अमेरिका के बीच हुए ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को भारी शोर-शराबे के बीच लोकसभा में कहा कि दोनों देशों के बीच डील को लेकर बातचीत के दौरान दोनों पक्ष अपने-अपने हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहे। भारतीय पक्ष डील करने के दौरान अपने अहम क्षेत्रों खासकर कृषि और किसानों के हितों की रक्षा करने में सफल रहा।

सांसदों के हंगामे के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की फरवरी 2025 की अमेरिका यात्रा के बाद से भारत और अमेरिका के बीच संतुलित, पारस्परिक रूप से, लाभकारी और द्विपक्षीय ट्रेड डील करने को लेकर लगातार और नियमित चर्चा करते रहे हैं। पिछले साल, दोनों पक्षों के

■ संवेदनशील मुद्दों को ट्रेड डील से बाहर रखा गया, भारतीय पक्ष अहम् क्षेत्रों की रक्षा करने में सफल रहा

बातचीत करने वालों ने अलग-अलग लेवल पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के जरूरी हितों को ध्यान में रखते हुए यह स्वाभाविक है कि दोनों पक्ष अपने-अपने जरूरी और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा करना चाहेंगे और सबसे अच्छे नतीजे भी सुनिश्चित करना चाहेंगे। आपसी बातचीत के दौरान भारतीय पक्ष अपने संवेदनशील क्षेत्रों खासकर कृषि और डेयरी के हितों की रक्षा करने में सफल रहा। एक साल की बातचीत के बाद दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार समझौते के विभिन्न क्षेत्रों को अंतिम रूप देने में सफल रहे। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि संवेदनशील मुद्दों को ट्रेड डील से अलग रखा गया है। खाद और कृषि क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है। किसानों को कोई नुकसान नहीं होगा, इस डील से भारत और अमेरिका दोनों पक्षों को फायदा होगा। 2 फरवरी 2026 को पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के कई मामलों पर टेलीफोन पर बातचीत की। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की। मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि यह टैरिफ कई प्रतिस्पर्धी देशों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से कहीं कम है। ट्रेड डील में विकसित भारत की बात करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि यह ऐतिहासिक और स्ट्रक्चरल समझौता भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने तथा विकसित भारत 2047 की दिशा में हमारी यात्रा को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच मजबूत संबंधों को भी दिखाता है।

### राहुल गांधी पर भड़के केन्द्रीय मंत्री

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इससे पहले कल मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा था। राहुल की आलोचना करते हुए गोयल ने कहा कि वह भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर देश को गुमराह कर रहे हैं। उन्हें देश के विकास की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने निराशा जताते हुए कहा कि कांग्रेस और डीएमके, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित अन्य विपक्षी पार्टियों के हंगामे के कारण उन्हें संसद में ट्रेड डील पर बयान देने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि उन्हें (राहुल गांधी) देश की प्रगति से कोई लेना-देना नहीं है। मुझे नहीं लगता कि कोई भी भारतीय नागरिक उनकी भ्रम वाली सोच से सहमत हो सकता है। क्या राहुल को लाखों-करोड़ों रुपये के निवेश से चिढ़ होती है, जिसे हम भारत में लाने की कोशिश कर रहे हैं? इससे पहले कांग्रेस नेता ने यह आरोप लगाया था कि पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के दबाव में आकर ट्रेड डील को अंतिम रूप दिया।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 83817.69
निफ्टी 25776

सोना 159035
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

## अर्थ व्यापार देश

चांदी रु. 284432
प्रति किलो

# लगातार दूसरे दिन चढ़े शेयर बाजार आईटी कंपनियों में बड़ी गिरावट

**मुंबई, वार्ता**

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी देखी गई, हालांकि आईटी सेक्टर की कंपनियों में बड़ी गिरावट रही। बीएसई का सेंसेक्स 78.56 अंक (0.09 प्रतिशत) चढ़कर 83,817.69 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 48.45 अंक यानी 0.19 प्रतिशत ऊपर 25,776 अंक पर पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 12 जनवरी के बाद का उच्चतम स्तर है। इस बीच आईटी कंपनियों में भारी दबाव रहा, जिसके कारण सुबह प्रमुख सूचकांकों में गिरावट थी और एक समय सेंसेक्स 600 अंक से अधिक टूट

गया था। अमेरिकी शेयर बाजारों में सूचीबद्ध भारतीय आईटी कंपनियों के शेयर सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

बताया जा रहा है कि एक ऐसे एआई टूल के विकास की खबर आने के बाद ये कंपनियां दबाव में आ गईं जो दस्तावेजों की समीक्षा और आंकड़ों के विश्लेषण का काम कर सकती हैं। ज्यादातर कंपनियां वर्तमान में ये काम भारतीय कंपनियों से आउटसोर्स करवाती हैं। उसी का असर आज बाजार खुलते ही दिखा। सेंसेक्स में आईटी कंपनियों में ही सबसे अधिक गिरावट रही। इंफोसिस का शेयर सात प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। टीसीएस में भी लगभग सात फीसदी की गिरावट रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टेक महिंद्रा के शेयर चार प्रतिशत से अधिक टूटे। तीस कंपनियों वाले संवेदी सूचकांक में इटरनल का शेयर पांच प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा। ट्रेंट का शेयर पांच प्रतिशत के करीब चढ़ा। एनटीपीसी, अडानी पोर्ट्स और पावरग्रिड में दो से ढाई प्रतिशत की तेजी रही। मारुति सुजुकी, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलएंडटी, टाटा स्टील, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयर एक से दो प्रतिशत तक की बढ़त में बंद हुए।

# सोना और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी

**नई दिल्ली।** एमसीएक्स में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली। शाम 4.32 बजे तक एमसीएक्स पर 2 अप्रैल की एक्सपायरी वाला सोना 5,226 (3.4 प्रतिशत) उछलकर 1,59,035 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।

सोने की आज शुरुआत 1,58,420 पर हुई थी, जो पिछले बंद भाव 1,53,809 के मुकाबले काफी ऊपर है। चांदी की बात करें, तो इसकी चमक आज और भी ज्यादा है। शाम 4.29 बजे तक 5 मार्च की एक्सपायरी वाली चांदी 16,417 (6.13 प्रतिशत) की भारी बढ़त के साथ 2,84,432 प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है। चांदी आज 2,78,015 पर खुली थी और इसने पिछले बंद भाव 2,68,015 के मुकाबले लंबी छलांग लगाई है। सोने और चांदी की कीमतों में पिछले तीन दिनों से जारी क्रैश पर आखिरकार ब्रेक लग गया है। सोना और चांदी दोनों में मजबूत खरीदारी देखने को मिल रही है, जिसकी वजह से एमसीएक्स पर सोना और चांदी दोनों के भाव एक बार फिर तेज रफ्तार पकड़ते नजर आ रहे हैं। अगर आप आज सोना-चांदी खरीदने या निवेश करने की सोच रहे हैं, तो आपको ताजा कीमतों पर नजर रखना जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आज फिर से बड़ी तेजी देखने को मिल रही है।

# चावल, गेहूं महंगा, चीनी सस्ती दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

**नई दिल्ली, वार्ता**

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के साथ गेहूं भी महंगा हुआ जबकि चीनी में नरमी रही। वहीं दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 16 रुपये बढ़कर 3,866 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं भी 16 रुपये मजबूत हुआ और 2,875 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी चार रुपये महंगा हुआ। दाल-दलहनों में घटबढ़ रही।

उड़द दाल की औसत कीमत 22 रुपये और तुअर दाल की 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 43 रुपये की गिरावट रही। मूंग दाल 22 रुपये और चना दाल 13 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का

अप्रैल वायदा सात रिंगिट चढ़कर 4,222 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा भी 0.11 प्रतिशत की तेजी में 54.55 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 46 रुपये और सूरजमुखी तेल 37 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल की कीमत 33 रुपये और वनस्पति की तीन रुपये बढ़ी। वहीं सरसों तेल में सात रुपये और सोया तेल में पांच रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव आठ रुपये प्रति क्विंटल गिर गए। चीनी भी नौ रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

## प्रथम पृष्ठ के शेष...

**ईसी बंगाल...**

में पूरा करने की जल्दबाजी क्यों है। 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। ईसीआई की प्रताड़ना के चलते बीएलओ की जान जा रही है। बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है। असम और नॉर्थ ईस्ट में ऐसा क्यों नहीं हो रहा। एसआईआर प्रक्रिया वोटर्स को शामिल करने नहीं बल्कि हटाने के लिए हो रही है। अब तक 58 लाख लोगों के नाम हटाए जा चुके हैं। भाजपा ने माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त किए, जो बीएलओ अधिकारों को दरकिनार करते हुए नाम हटा रहे हैं। ममता ने कहा कि सर बेटी शादी के बाद ससुराल जाती है, वह पति का टाइटल इस्तेमाल कर रही है, यह भी मिसमैच है। कुछ बेटियां जो ससुराल चली गईं, उनके नाम भी डिलीट कर दिए गए। इलेक्शन कमीशन ने कहा कि राज्य सरकार से बार-बार मांग करने के बाद एसआईआर के काम के लिए पर्याप्त ग्रुप बी अधिकारी नहीं दिए गए। इस कारण माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त करने पड़े। सभी नोटिस में कारण होते हैं। जिनके नाम हटे उन्हें अधिकृत एजेंटों को भी लाने की अनुमति दी गई थी। हमने राज्य सरकार को कई पत्र लिखे हैं कि हमें क्लास 2 अधिकारी दें ताकि ईआरओ को नियुक्त किया जा सके। उन्होंने उस रैंक के लगभग 80 अधिकारी दिए हैं, बाकी निचले रैंक के। इसलिए हमें माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त करने पड़े। गलती उनकी है। माइक्रो ऑब्जर्वर सही तरीके से नियुक्त किए गए हैं। राज्य सहयोग नहीं कर रहा है, तो कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है। समय की कोई समस्या नहीं है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सभी नोटिस वापस लेना अव्यावहारिक है। नाम की स्पेलिंग में गड़बड़ी होने पर चुनाव आयोग नोटिस जारी न करे। चुनाव आयोग अपने अधिकारियों को भी निर्देश दे कि वे संवेदनशील रहें। अगर राज्य सरकार ऐसे लोगों की टीम देती है, जो बांग्ला और स्थानीय बोलियां जानते हों, और वे जांच करके चुनाव आयोग को बताएं कि स्थानीय बोली के कारण गलती है, तो इससे मदद मिलेगी। स्थानीय बोली के अनुवाद को एआई की मदद लेने के कारण अगर ऐसा हो रहा है, तो हम समाधान निकालेंगे। इस वजह से असली मतदाता को बाहर नहीं किया जाना चाहिए। अपने आवेदन में ममता ने कहा है कि आर्टिकल 32 रिट में याचिकाकर्ता होने के नाते वह मामले से पूरी तरह वाकिफ हैं। वे कहती हैं कि पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी अध्यक्ष होने के नाते वह सुप्रीम कोर्ट के तौर-तरीकों को समझती हैं और स्थापित नियमों के अनुसार ही व्यवहार करेंगी।

**राहुल ने...**

कि हैलो भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, आप वापस (कांग्रेस में) आ जाओगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने हाथ नहीं मिलाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि देश के दुश्मनों से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। राहुल ने हाथ बढ़ाकर बिट्टू से हाथ मिलाना चाहा, लेकिन वे ऐसा किए बिना आगे निकल गए। नेता प्रतिपक्ष राहुल और केंद्रीय मंत्री के बीच थोड़ी देर के लिए बहस हुई। रवनीत सिंह बिट्टू 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हुए थे। इससे पहले वे तीन बार कांग्रेस सांसद रह चुके हैं। वे पहली बार 2009 में आनंदपुर साहिब से लोकसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद 2014 और 2019 में उन्होंने लुधियाना से जीत हासिल की। 2024 लोकसभा में उन्होंने लुधियाना से पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के खिलाफ चुनाव लड़ा और करीब 20 हजार वोटों से हार गए। चुनाव हारने के बावजूद उन्हें केंद्र सरकार में राज्यसभा सदस्य और मंत्री बनाया गया और रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के राज्य मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। यह पहली बार नहीं है जब रवनीत सिंह बिट्टू और राहुल गांधी के बीच बयानबाजी देखने को मिली है। सितंबर 2024 में बिट्टू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। बिट्टू ने अमेरिका में सिखों को लेकर राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि राहुल गांधी ने सिखों को बांटने की कोशिश की है। सिख किसी पार्टी से जुड़े नहीं हैं। यह चिंगारी लगाने की कोशिश है। राहुल गांधी देश के नंबर वन टेररिस्ट हैं।

# हाईकोर्ट में पांच जजों की नियुक्ति मंजूर

## सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने संविधान के अनुच्छेद 2024ए का इस्तेमाल किया

**नई दिल्ली, वार्ता**

उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने संविधान के अनुच्छेद 224ए का इस्तेमाल कर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पांच सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को दो साल के लिए तदर्थ न्यायाधीश के तौर पर फिर से नियुक्त किया है। यह कदम आपराधिक मामलों की लंबित भारी संख्या के मद्देनजर उठाया गया है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी वाले कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति मोहम्मद फैज आलम खान, मोहम्मद असलम, सैयद आफताब हुसैन रिजवी, रेणु अग्रवाल और ज्योत्सना शर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के तदर्थ न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति की मंजूरी दी। इन नियुक्तियों के साथ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 115 हो जाएगी, हालांकि यह स्वीकृत 160 न्यायाधीशों की संख्या से अब भी कम है। उम्मीद है कि इन नियुक्तियों से खासकर आपराधिक लंबित मामलों के निपटारे में मदद मिल

सकती है। संविधान में यह प्रावधान है कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से लंबित मामलों की अधिकता या रिक्तियों की स्थिति से निपटने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को तदर्थ न्यायाधीश के रूप में नियुक्त कर सकते हैं, हालांकि अनुच्छेद 224ए के तहत ऐसी नियुक्तियां बहुत कम होती हैं। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने ऐसी नियुक्तियां केवल तीन बार की हैं। 1972 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति सूरज भान, 1982 में मद्रास उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति पी. वेणुगोपाल और 2007 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति ओपी श्रीवास्तव की नियुक्ति हुई थी उच्चतम न्यायालय ने 2021 के एक निर्णय में 'निष्क्रिय' संवैधानिक प्रावधान का पुनः उपयोग किया, जिसे उच्च न्यायालयों में बड़ी तादाद में लंबित मामलों के समाधान के रूप में वर्णित किया गया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने वर्तमान प्रक्रिया तब शुरू की, जब उन्होंने देखा कि उच्च न्यायालय सर्वोच्च न्यायालय के अनुच्छेद 224ए के इस्तेमाल के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके बाद सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को तदर्थ न्यायाधीशों के लिए सिफारिशें मांगने वाले पत्र भेजे गए। अभी तक तीन उच्च न्यायालय से इस तरह की सिफारिश मिली हैं। इनमें से इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सिफारिश को मंजूरी दे दी गई है। बाकी सिफारिशों पर विचार करने के लिए कॉलेजियम के फिर से बैठने की उम्मीद है। अन्य उच्च न्यायालय अभी सुझाव भेजने की प्रक्रिया में हैं। पिछले साल दिसम्बर में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने 2021 के निर्णय को स्पष्ट किया और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों को तदर्थ न्यायाधीशों को शामिल करते समय अधिक लचीलेपन की अनुमति दी।

# पिता के जनाजे में शामिल होने आ रहे बेटे की भी मौत

## दो भाइयों को ट्रक ने कुचला, एक की हालत गंभीर, एक साथ उठे पिता-पुत्र के जनाजे

■ आखिरी बार पिता की सूरत देखने को रोता हुए आ रहा था शुऐब

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**मुज़फ्फरनगर।** पिता के जनाजे में शामिल होने जा रहे युवक की भी अचानक ही सड़क हादसे में मौत हो गई अभी परिवार घर के मुखिया के जनाजे पर मातम मना रहा था कि अचानक जवान बेटे की मौत से यहां कोहराम मच गया। इतना ही नहीं मृतक का दूसरा बेटा भी सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। एक साथ तीन-तीन घटनाओं से इस परिवार पर मुसिबतों का पहाड़ टूटकर गिर पड़ा। इस दर्दनाक हादसे के बाद आस पास के लोग ही नहीं नगर के लोगों की भी यहां भीड़ इकट्ठा हो गई और परिवार का रोना बिलखना देखकर यहां मौजूद लोग भी अपने आंसु रोक नहीं पाए इतना ही नहीं पडौसियों के घर में चुल्हे तक नहीं जले। कोहराम तो उस वक्त मच गया जब एक साथ बाप-बेटे के जनाजे निकले। बुधवार की शाम को दोनो जनाजो को सुपुर्दे खाक किया गया।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मौहल्ला सरवट इमरान कॉलौनी निवासी 60 वर्षीय हनीफ रिक्शा चलाकर परिवार का पालन पोषण करता था। हनीफ के बेटे की आस-पास के क्षेत्रों में मेहनत मजदूरी करते है। हनीफ का 26 वर्षीय बेटा शुऐब और उसका दूसरा बेटा शावेज जयपुर में फर्नीचर का काम करते थे। बताया जाता है कि बीती रात हनीफ की अचानक ही मौत हो गई जहां घर के मुखिया की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पूरी रात पूरा परिवार रोता-बिलखता रहा और हनीफ के जनाजे को सुपुर्दे खाक करने के लिए रिश्तेदार जयपुर में काम करने गए शुऐब व शावेज की इंतेजार करने लगे। उधर पिता की मौत की खबर सुनते ही दोनो बेटे जयपुर से बाइक द्वारा रवाना हुए। शायद पिता की मौत का गम शुऐब व शावेज को पूरे रास्ते रूलाता रहा। अभी दोनो बेटे पिता के जनाजे में शामिल हो भी नहीं पाए थे कि जब शुऐब और शावेज बाइक द्वारा सरधना नहर पटरी पर पहुंचे तो अचानक ही मौत बनकर आए ट्रक ने उन्हे रौंद डाला। इस समय जंगल में कोहराम पड रहा था और उधर शुऐब व शावेज अपने पिता की मौत का गम लेकर जल्द से जल्द अपने परिवार में पहुंचना चाहते थे कि अचानक उन पर भी मौत का झपट्टा लगा। अभी रिश्तेदार व पडौस के लोग हनीफ के जनाजे को सुपुर्दे खाक करने की तैयारी कर रहे थे कि जैसे ही शुऐब की मौत और शावेज की घायल होने की खबर मिली तो मानो यहां इस परिवार का सब कुछ लुट गया और परिवार की महिलाएं व बच्चे तथा रिश्तेदार पूरी तरह रोने बिलखने लगे। यह खबर सुनकर और इस परिवार की गमगीन दशा देखकर आसपास के लोग भी अपने आसु रोक नहीं पाए। शाम के समय शुऐब का शव घर पहुंचा तो मानो यहां दोनो जनाजों को लिपटकर परिवार के लोग रोने बिलखने लगे, हालांकि साहस और समझाने वाले लोगों की इस समय इस घर पर भीड इकट्ठा थी, लेकिन पिता-पुत्र की मौत सभी का दिल झगझोर रही थी। शाम के समय शुऐब व उसके पिता हनीफ का जनाजा सुपुर्दे खाक करने के लिए निकले तो पूरी गली में मातम सा छा गया।

बताया जाता है कि शुऐब तीन बच्चों का पिता था। अब उसकी मौत के बाद इस परिवार के पालन पोषण में भी परेशानी आएगी, क्योकि शुऐब का पिता हनीफ भी परिवार के पालन पोषण के लिए रिक्शा चलाकर उनकी मदद करता था।

# शहर को मिलेगा अत्याधुनिक ऑडिटोरियम

## 27 करोड़ की लागत से बनने वाले भवन का मंत्री ने किया निरीक्षण

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**मुजफ्फरनगर।** शहर को जल्द ही उसका पहला अत्याधुनिक बहुआयामी ऑडिटोरियम मिलने जा रहा है। 27 करोड़ रुपये की बड़ी लागत से बनने वाला यह ऑडिटोरियम न केवल सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा, बल्कि शहर की आधारभूत संरचना को भी नई मजबूती प्रदान करेगा। बुधवार को प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं नगर विधायक कपिल देव अग्रवाल ने मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष कविता मीणा और मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर के साथ महावीर चौक स्थित राजकीय इंटर कॉलेज (जी.आई.सी.) मैदान पर चयनित भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया। यह निरीक्षण ऑडिटोरियम के प्रस्तावित शिलान्यास से पूर्व किया गया। निरीक्षण के दौरान मंत्री कपिल

देव अग्रवाल ने अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों के साथ परियोजना की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) पर विस्तार से चर्चा की।

इस दौरान भवन की संरचना, आधुनिक सुविधाएं, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा मानक, पार्किंग, दर्शक क्षमता तथा निर्माण की समय सीमा जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गंभीर मंथन किया गया।प्रस्तावित ऑडिटोरियम की खासियत यह है कि इसमें शैक्षणिक कार्यक्रमों, सांस्कृतिक आयोजनों, सेमिनार, नाटड प्रस्तुतियों, संगीत संध्या एवं सामाजिक आयोजनों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुजफ्फरनगर: एसआईआर में मिले नोटिस का विकास भवन में जवाब देने को उमड़े लोग।

# निर्माण कार्यों की निविदा प्रक्रिया में फर्जी दस्तावेज लगाने के आरोप

■ सभासद ने की दोषी ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**मुजफ्फरनगर।** प्रदेश की सबसे बड़ी नगर पालिका का दर्जा प्राप्त मुजफ्फरनगर नगरपालिका अक्सर सुर्खियों में रही है। एक बार फिर निर्माण कार्यों और नगर में सड़कों और नालों सहित 218 निर्माण कार्यों के लिए आमंत्रित निविदाओं की जांच के दौरान ठेकेदारो की फर्मों द्वारा लगाए गए दस्तावेजों पर भाजपाई खेमे के सभासदों ने कड़ा रुख अपनाते हुए पूरी टेंडर प्रक्रिया को निरस्त कर पुनः निविदा आमंत्रित करने की मांग उठाई है। वार्ड 19 से सभासद एवं भाजपा नेता योगेश मित्तल ने अधिशासी अधिकारी डॉ. प्रज्ञा सिंह को भेजे गए पत्र में निर्माण विभाग की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। उन्होंने बताया कि 12 जनवरी तथा 27 जनवरी 2026 को कुल 218 निर्माण कार्यों जिनमें अधिकांश कार्य सड़क और नाला निर्माण से संबंधित हैं। योगेश मित्तल के अनुसार, 21 जनवरी को 113 और 27 जनवरी को 103 निर्माण कार्यों की निविदाएं निर्माण विभाग को प्राप्त हुई थीं। इनकी तकनीकी जांच में बड़ी संख्या में अनुभव प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए हैं, जो एक संगठित आपराधिक साजिश की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में दोषी ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ ही कानूनी कार्यवही होना आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सके।

मुजफ्फरनगर: बनने वाले ऑडिटोरियम का स्थलीय निरीक्षण करते मंत्री कपिल देव।

# फूड एज मूड पर कार्यवाही के बाद अफरा तफरी

## कई रेस्टोरेंट और चाट की दुकानों के बाहर देखी जा सकती है अवैध पार्किंग

■ कुछ अन्य रेस्टोरेंट स्वामियों में भी मचा हैं हड़कंप

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**मुजफ्फरनगर।** शहर के प्रसिद्ध चौक मीनाक्षी चौक पर स्थित फूड एज मूड रेस्टोरेंट के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही के बाद अन्य रेस्टोरेंट स्वामियों में भी हड़कंप मचा हुआ है इतना ही नहीं नगर व आस-पास मे चल रहे छोटे-बडे होटलों में भी अफरा-तफरी का माहौल देखा गया, हालांकि जिन रेस्टोरेंट और होटलों मे मानक के अनुसार कार्य हो रहा है और उनकी शिकायत भी कम है उन पर कोई असर नहीं पड़ा, लेकिन कई रोज से नगर के कुछ रेस्टोरेंट जहां गंभीर मसाले और तेल की शिकायतों मे घिरे तो कुछ रेस्टोरेंटों पर छापा मारकर युवक युवतियों को भी दबोचा गया है इसके बाद कुछ रेस्टोरेंट और कैफे, छोटे-छोटे होटलों पर अब पुलिस प्रशासन की निगाह है। उधर बात करे फूड एज मूड की जिला प्रशासन ने यहां एक बडी कार्यवाही की है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गजेन्द्र कुमार ने आपदा अधिनियम के तहत दस प्रमुख विभागों को स्थलीय जांच करने के आदेश देने के साथ जांच रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर मांगी है। बताते है कि यह कार्यवाही डीके फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष पप्पू की शिकायत पर शुरू हुई है। उन्होने रेस्टोरेंट पर गंभीर आरोप लगाए है। अगर उनके आरोपों पर नजर डाली जाए तो भोजन की गुणवत्ता को खराब बताया गया, खाना में पशु की चरबी का उपयोग होना बताया गया साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि खाने से करीब छह दर्जन से अधिक लोग बीमार हुए है। आरोपों की छडि यहीं खत्म नहीं हुई बासी चिकन परोसने और मिला माइन हानिकारक बर्तनों का प्रयोग होना भी बताया गया है। इसके अलावा भी कई गंभीर आरोप लगाए गए है जिसके बाद प्रशासन ने करीब दस विभाग को इसकी जांच सौंपी है, हालांकि मीनाक्षी चौक पर कभी भी नजर डाली जाए तो यह साफ हो जाएगा कि यहां पर पार्किंग तो कही नजर नहीं आएगी। सुबह दस बजे से लेकर रात के बारह बजे तक मीनाक्षी चौक के आसपास स्थित होटलों के बाहर वाहनों की दूर-दूर तक कतारे देखी जा सकती है। इसमें यातायात पुलिस भी संदेह के घेरे में आती है। वैसे तो यह भी सामने आया है कि इस रेस्टोरेंट में पहले भी शिकायत की गई थी कुल मिलाकर नगर के कुछ रेस्टोरेंट और कैफे पुलिस प्रशासन के निशाने पर है। उधर पार्किंग की बात की जाए तो शिव मूर्ति व अन्य स्थानों पर चाट, आइस क्रीम की दुकाने के बाहर भी अवैध पार्किंग नजर आ जाएगी।

# पीआरडी जवान को शिकायत करना पड़ा भारी

## ड्यूटी से हटाने का आरोप, जिलाधिकारी से मांगा न्याय

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**मुजफ्फरनगर।** क्या अपनी पीडा, अपना दुख उच्च अधिकारियो को सुनाना गुनाह है, शायद यह छोटा कर्मचारी के लिए गुनाह ही होता है। पीआरडी की महिला जवान कई दिन से अपनी परेशानी को लेकर अधिकारियों को तहरीर के माध्यम से शिकायत कर रही थी महिला पीआरडी ने अपने विभाग के कुछ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए थे जैसा कि ड्यूटी लगाने के नाम पर एक हजार रूपये की मांग करना, सच्चाई क्या है यह तो विभाग या पीआरडी की जवान जाने, लेकिन महिला पीआरडी द्वारा की गई शिकायत के बाद उसे एक बड़ा खामियाजा उठाना पडा।

बुधवार को एक बार फिर महिल पीआरडी ने अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। यह मामला डीएम के दरबार में पहुंचा तो निष्पक्ष जांच के आदेश दिए गए है। बुधवार को पीआरडी की जवान अंशु तोमर और दूसरी महिला पीआरडी की जवान ने डीएम कार्यालय पर पहुंचकर अपनी पीडा सुनाई है। महिला पीआरडी जवान अंशु तोमर कई रोज से अधिकारियों के दरबार में शिकायती पत्र लेकर अपनी पीडा सुनाते हुए विभाग के ही अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगा रही है। पीआरडी जवान का कहना है कि ग्राम विकास विभाग के वरिष्ठ सहायक और डीपीआरओ से संबंध ने बिना किसी नियम के उनकी ड्यूटी बदली। और आरोप है कि उन पर मानसिक दबाव बनाया गया।

एक हजार रूपये मांगने का भी आरोप लगाया गया है। महिला पीआरडी ने अन्य गंभीर आरोप भी लगाए थे। बुधवार को भी महिला पीआरडी ने एक बार फिर अधिकारियों को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। उधर जिलाधिकारी का कहना है कि विभाग की ही नहीं महिला को न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता है।

### टैक्टर व कार की टक्कर में कार सवार तीन घायल

**मोरना।** मोरना के निकट गांव भेड़ाहेडी में ककरौली मार्ग पर कार व ट्रैक्टर की टक्कर में कार सवार तीन लोग घायल हो गये। घायलों को भोपा सीएचसी पर भर्ती कराया गया जहां से उन्हें मुजफ्फरनगर के लिए रैफर किया। मेरठ जनपद निवासी कर्णपाल,सीमा व एक छोटी बच्ची कार में सवार होकर मंड़वाड़ी गांव से उत्तराखंड के गांव प्रहलादपुर एक वैवाहिक कार्यक्रम में जा रहे थे।

जैसे ही वह थाना क्षेत्र के गांव भेड़ाहेडी मोरना के पास पहूँचे तो कार व ट्रैक्टर की टक्कर हो गई जिसमें बच्ची सहित तीनों लोग घायल हो गये। घायलों को सीएचसी भोपा पर लाया गया। कर्णपाल को गंभीर चोटे आयी हैं। तीनों को जिला चिकित्सालय रेुर कर दिया।

# शब-ए-बारात पर रात भर इबादत में मशगूल रहे अकीदतमंद

## उलेमाओं ने दी अल्लाह के हुक्म और रसूल की सुन्नतों पर चलने की नसीहत

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**मुजफ्फरनगर।** शब ए बारात की फजीलत बयान करते हुए उलेमाओं ने इस रात के महत्व को समझाया और अल्लाह के हुक्म व रसूल की सुन्नतों पर चलने की नसीहत दी। उन्होंने बताया कि इस्लामी हिजरी साल के आठवें महीने की 14 और 15 तारीख की रात को होने वाली मासूमियत की रात को इस्लाम धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है। उन्होंने कहा कि इस रात को इबादत करने से अल्लाह की रहमत नाजिल होती है, और इस रात कई गुनाहगारों की मगफिरत होती है। इस अवसर पर, इस्लाम के पैगंबर हज़रत मुहम्मद

(सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) मदीना के जन्नत-उल-बकिया कब्रिस्तान में जाकर मरने वालों की मगफिरत के लिए दुआ करते थे। फलाह-ए-इंसानियत सोसाइटी के बैनर पर मेरठ रोड स्थित जैन इंटर कॉलेज में आयोजित जलसे में उलेमाओं ने बुरे कामों से बचने और तौबा करने की सलाह दी। जलसे का संचालन कारी शौकत अली ने किया, जबकि अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के माइनॉरिटी कमीशन के पूर्व सदस्य मुफ्ती ज़ुल्फ़िकार अली ने की। इस मौके पर मौलाना ज़हीर, मौलाना मुकर्रम, मौलाना अब्दुल खालिक, मौलाना ज़ैनुद्दीन, मौलाना फ़ौरक, मुफ़्ती ज़ाहिद, कारी इमरान ने शब-ए-बारात के मौके पर दुआ और इबादत का महत्व बताया और लोगों से इस रात को जागकर मस्जिदों में दुआ करने की अपील की। जलसे में मुहम्मद अदनान, मुहम्मद हम्माद परवेज़, रसूल और मुहम्मद अब्दुल्ला सरफ़राज़ का सहयोग रहा।

# जेई की बदसलूकी पर बिजलीघर में दिया धरना

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**छपार।** विद्युत विभाग के जेई द्वारा एससी समाज के घर में घुसकर महिला व बच्चों के साथ बदसलूकी की उसके विरोध में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के ब्लाक अध्यक्ष व मंडल उपाध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं व एससी समाज के लोगों ने बिजलीघर पर धरना दिया।

गांव दतियाना में बिजलीघर के जेई रामअवध ने एक एससी समाज के एक घर में घुसकर वहां मौजूद महिलाओं व बच्चों के साथ बदसलूकी की जिसकी सूचना भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ताओं को लगी जिससे उनमें रोष फैल गया। कार्यकर्ताओं ने ब्लाक अध्यक्ष गुलशन चौधरी व मंडल अध्यक्ष संजीव खोखर को सूचना दी उनके नेतृत्व में कार्यकर्ता व एससी समाज के लोग बिजलीघर पर धरना देकर बैठ गये उनका आरोप है कि बिजली विभाग

द्वारा लगातार ग्रामीणों का उत्पीडन किया जा रहा है। ब्लाक अध्यक्ष ने कहा कि अब उत्पीड़न बर्दाशत नहीं किया जायेगा। धरने में एससी समाज के समर्थन में एकजुटता दिखाई गई। ब्लाक अध्यक्ष ने दोषी अधिक. ारी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ओर चेतावनी दी है अगर जल्द ही समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जायेगा। पराग चौधरी आजाद समाज पार्टी के युवा नेता,अवनीत बालियान, टीनू राठी, वीरेंद्र कुमार, सुशील कुमार, राकेश कुमार, शोभित,गुल्लु कुमार, रोहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। समाचार लिखने तक कोई अधिकारी नहीं पहुंचे थे।

# हाईवे से साइन बोर्ड और विद्युत तार चोर दबोचे

■ एलटी लाइन का बंडल, साइन बोर्ड हुए बरामद

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**तितावी।** तितावी पुलिस ने ऐसे गिरोह को गिरफ्तार किया है जो हाईवे से साइन बोर्ड, विद्युत तार व ट्यूबवैलों से उपकरण चोरी करने में माहिर है। पकडे गए आरोपियों के कब्जे से एलटी लाइन का मण्डल और तीन साइन बोर्ड बरामद किए गए है। पुलिस ने बताया कि शामली बोडर की ओर से सालाखेडी जाने वाले रास्ते से दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया। थाना लाकर की गई पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम अलीम पुत्र गुलजार और अकरम पुत्र असलम निवासी शामली बताया है। पुलिस ने जानकारी दी कि आरोपी हाईवे से साइन बोर्ड और विद्युत तार चोरी करते थे। इनके विरूद्ध विभिन्न थाानो में मुकदमे दर्ज है और तितावी थाने में भी ट्यूबवैल के उपकरण चोरी करने जैसे मामले दर्ज है। यह गिरोह ग्रामीणो और सरकार को काफी समय से हानि पहुंचा रहे थे। और इनकी शिकायत ग्रामीण लगातार पुलिस से कर रहे थे। आरा. ेपी के खिलाफ भौराकलां सहित कई थानो में मामले दर्ज है। पुलिस ने लिखापढी के बाद आरोपियां को जेल भेज दिया और उनके साथियों की तलाश शुरू कर दी है। बता दे कि काफी समय से तितावी व अन्य थाना क्षेत्रों मे जंगल चोर सक्रिय है जो ट्रांसफार्मर का सामान चोरी कर किसानों को नुकसान पहुंचा रहे है।

# किन्नर हत्याकांड में शबनम की बेल मंजूर

■ आठ माह पहले किन्नर मुस्कान की हुई थी हत्या

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**बुढ़ाना।** लगभग आठ महीने पहले एक मकान के बंटवारे को लेकर हुई किन्नर मुस्कान उर्फ सुक्की उर्फ इरशाद सैफी की हत्या में नामजद होने के बाद जेल में बंद शबनम पत्नि शमशेर की जमानत इलाहाबाद हाईकोर्ट से बुधवार के दिन मंजूर हो गयी है। बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के गांव मंदवाडा निवासी इरशाद सैफी लगभग 7 वर्ष पूर्व किन्नर बन गया था और उसने अपना नाम मुस्कान बेगम उर्फ छोटी रख लिया था। उसी दौरान वह शामली जिले के थानाभवन कस्बे में बधाई मांगने का काम अन्य किन्नरों संग करने लगा था। जब वह बीती 4 जून की देर रात अपने घर मंदवाडा गांव में आया तो जिस मकान में यह किन्नर रहा करता था उसमें उसके अन्य बडे भाई साजिद, अहसान शमशेर उसका हिस्सा हड़पने की नीयत से उसके हिस्से मे चिनाई का काम चलाए हुए थे। अगले दिन बीते 5 जून की सुबह करीब साढ़े 5 बजे इसी बात को लेकर किन्नर और उसके तीनों भाईयों के बीच तनाव हुआ। जिसमें किन्नर के तीनों बड़े भाइयों ने अपनी दो पत्नियों की मदद से किन्नर को पकड़कर ईंटों के प्रहार से उसकी हत्या कर दी थी। इस मामले में मृतक किन्नर के सगे बड़े 3 भाई अहसान, शमशेर, साजिद पुत्र नूरहसन के अलावा शमशेर की पत्नि शबनम व अहसान की पत्नि जीनत को बुढ़ाना पुलिस ने जेल भेज दिया था। इस केस में नामजद दोनों महिलाओं के जेल चले जाने के बाद उनके 04 मासूम बच्चे रात दिन बिना मां के रो बिलख रहे थे तब अभियुक्ता शबनम, जीनत के अधिवक्ता फिरोज राणा ने न्यायालय से चारों मासूम रोते बिलखते बच्चों को जेल में ही दोनों मांओं की कस्टडी दिलवा दी थी क्योंकि मांओं के जेल चले जाने के बाद से ही कोई भी दोनों अभियुक्ताओं के बच्चों की सुध नहीं ले रहा था। बीते दिन शबनम की जब मुजफ्फरनगर जिला कारागार में प्रसव के दौरान तबियत खराब हुई तो उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर शबनम ने जिला हस्पताल में पुलिस अभिरक्षा में एक बच्चे को जन्म दिया।

उधर इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार के दिन फिर इस किन्नर हत्याकांड में बहस हुई। जिसमे शबनम के अधिवक्ता अनिल कुमार पांडेय की दलील सुनने के बाद माननीय न्यायालय ने शबनम की जमानत मंजूर कर ली।

मुजफ्फरनगर: बुधवार की सवेरे धुंध-कोहरे में लिपटा रहा जनजीवन।

# रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिलने से सनसनी

**विशाल खारी मेरठ निवासी के रूप में हुई मृतक की पहचान**

**शाहटाइम्स सवांददाता**

**खतौली।** बुधवार को जानसठ रोड स्थित रेलवे फाटक के पास उस समय सनसनी फैल गई, जब रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर कोतवाली पुलिस और जीआरपी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद युवक की शिनाख्त विशाल खारी पुत्र रोहित खारी, निवासी शास्त्री नगर, मेरठ के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक युवक घटना से पहले रेलवे फाटक के आसपास संदिग्ध हालात में घूमता हुआ देखा गया था। प्रथम खष्टया युवक के किसी ट्रेन की चपेट में आने से मौत होने की संभावना जताई जा रही है। पहचान होने के बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के चलते कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

## एनएच पर दर्दनाक हादसा: बाइक की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की गई जान, गांव में शोक की लहर

**खतौली।** खतौली थाना क्षेत्र के गांव रूकनपुर निवासी एक ई-रिक्शा चालक युवक की सड़क दुर्घटना में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद से मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है और पूरे गांव में शोक का माहौल है।

गांव रूकनपुर निवासी राहुल पुत्र नरेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 जनवरी की शाम उसके ताऊ का बेटा सुनील कुमार पुत्र संतरपाल बैटरी रिक्शा से घर लौट रहा था। जैसे ही वह नेशनल हाईवे पर भंगेला कट के पास पहुंचा, तभी तेज रफ्तार से आ रही एक बाइक ने लापरवाहीपूर्वक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुनील सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। परिजन तुरंत घायल सुनील को अस्पताल ले गए, जहां हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद उसका इलाज देहरादून स्थित हिमालय जॉलीग्रांट अस्पताल में कराया जा रहा था। परिजनों के अनुसार, 24 जनवरी की रात सुनील को बेहतर इलाज के लिए मेरठ ले जाया जा रहा था, लेकिन दौराला टोल प्लाजा के पास रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद शव को गांव लाकर पुलिस को सूचना दी गई और पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई गई। बताया गया कि सुनील ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी अचानक मौत से परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर फरार बाइक सवार की तलाश शुरू कर दी है।

# भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिवक्ताओं का आंदोलन चौथे दिन भी रहा जारी

**शाहटाइम्स सवांददाता**

**खतौली।** तहसील खतौली में फैले भ्रष्टाचार के विरोध में बार एसोसिएशन खतौली द्वारा शुरू किया गया आंदोलन गुरुवार को चौथे दिन भी पूरी ताकत के साथ जारी रहा। चार दिनों से लगातार चल रहे इस आंदोलन के बावजूद तहसील प्रशासन की चुप्पी ने अधिवक्ताओं के आक्रोश को और बढ़ा दिया है।

बुधवार को अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में पैदल मार्च निक. ालते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इस दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन कुमार उपाध्याय ने कहा कि बार-बार विरोध प्रदर्शन के बाद भी प्रशासन का कोई ठोस कदम न उठाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे साफ जाहिर होता है कि अधिकारी मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। बार एसोसिएशन के महासचिव प्रदीप कुमार एडवोकेट ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब तक एसडीएम कोर्ट और तहसीलदार कोर्ट में तैनात पेसकारों के पटल नहीं बदले जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने जानसठ तहसील बार एसोसिएशन का आभार जताते हुए बताया कि उनके समर्थन में आज और कल हड़ताल का निर्णय लिया गया है। पूर्व महासचिव सचिन आर्य ने कहा कि चार दिनों से तहसीलदार व उप जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन हो रहा है, लेकिन अब तक कोई भी जिम्मेदार अधिकारी अधिवक्ताओं से वार्ता के लिए नहीं पहुंचा।

इससे यह संकेत मिलता है कि प्रशासन भ्रष्टाचार समाप्त करने के प्रति गंभीर नहीं है। प्रदर्शन में पूर्व अध्यक्ष जगदीश आर्य, सरदार जितेंद्र सिंह, जितेंद्र त्यागी, पूर्व महासचिव दिमाग सिंह, लाल सिंह, नवाब सिंह सहित सत्य प्रकाश सैनी, राजवीर सिंह, शाकिर अहमद, मोहम्मद अरशद, कुंवर सुलेमान खान, सत्यम कुमार, गंगा शरण गौतम, रोशनी सैनी, शकुंतला देवी, रवि कुमार, प्रमोद शर्मा, मुकेश शर्मा, दिनेश कौशिक, पवन कुमार, अनुज तोमर, राम रोशन दास, सावन कुमार समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

## विश्व कैंसर दिवस पर किया जागरूकता कार्यक्रम

**मुजफ्फरनगर।** भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नई मंडी, मुजफ्फरनगर में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना तथा उसके बचाव संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं को कैंसर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि यह बीमारी किस प्रकार उत्पन्न होती है, इसके प्रमुख कारण क्या हैं तथा समय रहते जागरूकता और सावधानी बरतकर इससे कैसे बचा जा सकता है। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर विशेष बल दिया।प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने छात्राओं को फास्ट फूड का सेवन कम से कम करने, ताजे एवं स्वच्छ फल-सब्जियों का सेवन करने तथा सब्जियों को अच्छी तरह धोकर उपयोग में लाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने प्लास्टिक के प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए प्लास्टिक का उपयोग कम करने और पर्यावरण के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वच्छता एवं सकारात्मक सोच स्वस्थ जीवन की कुंजी हैं। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और अपने परिवार व समाज को भी जागरूक करने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम का समापन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के संकल्प के साथ किया गया। विद्यालय परिवार ने इस अवसर पर सभी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

### मेले में पहलवानों ने दिखाए अपने जौहर

**छपार।** रविदास जयंती पर मोरना मार्ग पर लगने वाले मेले में तीसरे दिन दंगल में दर्शकों की भारी भीड़ रही बाहर से आये पहलवानों ने बहुत ही दिलचस्प कुश्तियां लडी। बसेडा में रविदास जयंती के उपलक्ष में पांच दिवसीय दंगल के तीसरे दिन पहलवानों की संख्या में बढोतरी हुई वहीं दर्शकों की संख्या भी बढ़ गई। दंगल में मुजाहिद निवासी साझक को फारूक पीरपुरा रूड़की निवासी ने हराया, कुलदीप रूड़की से नदीम देवबंद जीत गया, बंटी रामपुर ने शुशील सरसावा को हरा दिया। दंगल की सबसे दिलचस्प कुश्ती गूंगा पहलवान निवासी रुड़की व हिमांशु पचेड़ा के बीच रही जिसने दर्शकों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। काफी उठा पटक के बाद जो बराबरी पर छूटी। पहलवानों को दर्शकों ने खुद ईनाम दिये। रैफरी मीर हसन पहलवान, रिजवान, अख्तर, कालू, सलमान,बाबू, फूलसिंह, बंटी, संजू आदि मौजूद रहे।

**सम्बन्ध विच्छेद सूचना**

मेरा बेटा निखिल मेरे और मेरे परिवार के कहने सुनने में नही है। गाली-गलौच व लडाई झगडा करता है। इसी से परेशान होकर मैने 22.01.2026 को निखिल को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज के बाद निखिल के द्वारा किये गये किसी भी कृत्य व लेन-देन के लिए मै व मेरा परिवार जिम्मेदार नही होगा। अपने कृत्य व लेन-देन के लिए निखिल स्वयं जिम्मेदार होंगा।

**घसीटा पुत्र फूल सिंह निवासी ग्राम आखलौर, थाना कोतवाली नगर, जिला मुजफ्फरनगर**

### एटीएम से चोरी के प्रयास में दो गिरफ्तार

**मोरना।** पंजाब नेशनल बैंक के बाहर लगे एटीएम से चोरी का प्रयास करने वाले दो चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बीते 25 जनवरी को चोरों ने बैंक के बहार लगे एटीएम से पैसा चोरी करने का प्रयास किया। दो आरोपी अभिषेक निवासी नंगला दुहेली व मोहित निवासी कम्हेडा थाना पुरकाजी को अवैध तमंचे कारतूस व चाकू के साथ के साथ गिरफ्तार किया।

**सार्वजनिक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र उम्मेद आलम व मेरी पुत्रवधू महक अपने निकाह के पश्चात् से मेरे व मेरे परिवार वालों के कहने-सुनने में नहीं है और आये दिन मेरे व मेरे परिवार वालों के साथ गाली-गलौच कर दुर्व्यवहार करते हैं जिससे मुझे व मेरे परिवार वालों को समाज में अपमानित होना पड रहा है मैंने व मेरे परिवार वालों ने उम्मेद आलम व इसकी पत्नी से दिनांक 16.11.2025 को व्यक्तिगत रूप से सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर इन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। इसके पश्चात इनके किसी भी कृत्य या लेनदेन के ये स्वयं जिम्मेदार होंगे।

**आजाद पुत्र स्व. शेरावर निवासी- ग्राम व डाक बाबरी थाना बाबरी तहसील शामली जिला-शामली।**

**खोया पाया सूचना**

मेरी हाईस्कूल (10वी) वर्ष 2007 रोल नं. 0566699 की अंकतालिका एवं सनद कही खो गई है।

**अंकित अरोरा पुत्र श्री शिव कुमार अरोरा निवासी-60/1263, अग्रसेन विहार, मुजफ्फरनगर।**

## वृद्ध महिला से कुंडल छीनने वाला गिरफ्तार

**चरथावल।** चरथावल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इकत्ताहर वर्षीय वृद्ध महिला के साथ अभद्रता एवं छीना-झपटी करने वाले आरोपी को मात्र बारह घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से छीना गया कान का कुंडल भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार,थाना क्षेत्र के गांव मुथरा की निवासी संसारवती (71 वर्ष) ने गत दिवस को थाना चरथावल में तहरीर देकर बताया कि अभियुक्त भगत सिंह पुत्र कृष्णपाल निवासी ग्राम सिरसलगढ़, थाना बिनौली, जनपद बागपत ने जंगल के रास्ते में उनके साथ जबरदस्ती छीना-झपटी की। आरोप है कि अभियुक्त ने गलत नीयत से उनका मुंह दबाकर ईख के खेत की ओर खींचने का प्रयास किया, इसी दौरान उनका एक कान का कुंडल भी गिर गया था गत दिवस हुई इस घटना से क्षेत्र मे हड़कम्प मच गया था और पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया पुलिस की इस कार्यवाही की क्षेत्रवासी बड़ी सराहना करते नजर आ रहे है वही इस कार्यवाही के डर से अन्य अपराधियों मे भी भय व्याप्त होगा गत दिवस हुई इस घटना के बाद पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना चरथावल पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था । क्षेत्रीय चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक नंद किशोर शर्मा एवं हेड कांस्टेबल हरेंद्र सिंह द्वारा आज आरा. पी को चौकड़ा रोड स्थित मुर्गा फार्म हाउस के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया, अभियुक्त के कब्जे से कान का कुंडल भी बरामद कर लिया गया आरोपी को जेल भेज दिया गया है

**घोषणा पत्र**

में प्रवीन पुत्र नकली निवासी ग्राम व थाना भौराकला तहसील बुढाना जिला मु.नगर का निवासी हूं। मैं अविवाहित हूं। मेरी उम्र करीब 34 वर्ष है। मैं बचपन से ही साधु संगत भक्ति मार्ग मे रहा हूं व काफी दिनो से वैराग्य जीवन धारण कर भक्ति मार्ग पर चल रहा हूं। मैं अब अपने घर परिवार को छोडकर अपनी मां पिता की अनुमति लेकर अपने गुरु की शरण में जा रहा हूं। मेरे गुरु श्री महामण्लेश्वर श्री महन्त रामकिशोर दास जी सुदामा कुटी श्रीराम प्रेम आश्रम श्रीपंच रामा नन्दी दिगम्बर अखाडा स्थित ग्राम हिटारा पोस्ट धरासू जिला उत्तरकाशी उत्तराखंड है। अब मैं अपने गुरु की शरण में उनका धर्मपुत्र और शिष्य बनकर रह रहा हूं। अब मुझे भविष्य में प्रवीन पुत्र नकली की जगह प्रेमदास महाराज धर्मपुत्र और शिष्य श्री महन्त महामण्लेश्वर श्री राम किशोर दास जी से ही जाना पहचाना जाए। इसलिए मैं अपना शपथ पत्र दे रहा हूं। मैं अपने सब कार्य अपने नये नाम प्रेमदास महाराज धर्मपुत्र और शिष्य श्री महन्त महामण्डलेश्वर श्री राम किशोर दासजी से करुंगा। मेरे वैराग्य जीवन धारण करने से मेरे मां पिता, सगे संबंधी, ग्रामीणों को कोई आपत्ति नही। मेरी कोई क्राइम हिस्ट्री नही। मै समाज में अच्छे आचरण से जाना जाता हूं।

**INFORMATION**

SHAHANVAJ S/o GULZAR R/O VILLAGE BAJHERI, PO: BAGOWALI, DISTRICT- MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH changed my name SHAHNAWAZ to SHAHANVAJ for all purposes.

**मुजफ्फरनगर:** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा व एसपी सिटी तथा एसपी देहात ने दरोगा से पदोन्नती होकर निरीक्षक बने सिविल लाईन थाने के एसएसआई को तीसरा स्टार लगाकर शुभकामनाएं दी।

# भारतीय किसान यूनियन (तोमर) ने रक्तदान शिविर लगाया

**मुजफ्फरनगर।** भारतीय किसान यूनियन (तोमर) का रक्तदान शिविर लगाया गया और राष्ट्रीय अध्यक्ष ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया जहा खुद संगठन के चीफ चौधरी संजीव तोमर ने रक्त दान किया चौधरी संजीव तोमर ने मिडिया से बातचीत करते हुऐ कहा कि आज संगठन द्वारा एक रक्तदान शिविर जानसठ में लगाया गया है उन्होने बताया हर वर्ष संगठन द्वारा रक्त दान शिविर लगाया जाता है और जरूरमत लोगो को नि:शुल्क दान किया जाता है उन्होंने कहा है रक्तदान का दान सबसे बडा दान माना गया है रक्तदान जीवनदान है इसलिए हर वर्ष की भांति आज मैने खुद रक्तदान किया और मैं क्षेत्र के सभी पदाधिकारीयों और कार्यकर्ताओं से अपील करता हू कि भारी संख्या मे शिविर मे आकर रक्तदान करे।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन त्यागी प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक तोमर मंडल उपाध्यक्ष साजिद अल्वी जिला अध्यक्ष निखिल चौधरी जिला सचिव शिराजू कार्यकारिणी तहसीर अध्तक्ष शानू पहलवान ग्राम अध्यक्ष एहसान ने रक्त दान किया ।।

### डहरा कुटी में हुआ विशाल हिन्दू सम्मेलन साध्वी सरस्वती ने सामाजिक चेतना और राष्ट्रभाव का किया आह्वान

**गढ़मुक्तेश्वर।** क्षेत्र के डहरा कुटी परिसर में बुधवार को विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। आयोजन का उद्देश्य समाज में सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रभाव और सामाजिक एकता को मजबूत करना बताया गया। मुख्य वक्ता के रूप में मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा से आई साध्वी सरस्वती ने अपने संबोधन में समाज को आत्मबल, संस्कार और संगठन के महत्व का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आध्यात्मिक मूल्यों के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं से आहवान किया कि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझते हुए समाज में सकारात्मक भूमिका निभाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर साहस और आत्मसम्मान के साथ आगे आएं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री मुकेश खांडेकर उपस्थित रहे।

# कार्यालय कक्ष के रेनॉवेशन उपरान्त फीता काटकर कराया कार्यालय प्रवेश

**मुजफ्फरनगर।** गाँधी पॉलीटेक्निक में कार्यशाला अधीक्षक के कार्यालय में पुरातन छात्र एसोसिएशन द्वारा पुराने फर्श के स्थान पर टाइल्स लगवाई गयी, कार्यालय की साफ-सफाई उपरान्त रंगाई-पुताई करायी गई, नया पंखा लगवाया गया, टपक रही छत का रूफ ट्रीटमेंट कराया गया स

गांधी पॉलीटेक्निक के प्रधानाचार्य इं. राजीव सिंह ने फीता काटकर नवीनीकृत कार्यालय कक्ष में कार्याध्यक्ष विनोद कुमार वत्स, कार्यशाला अधीक्षक को कार्यालय प्रवेश कराया।

इस अवसर पर गांधी पॉलीटेक्निक के संस्थापक शिक्षाऋषि श्पद्मा भूषणश स्वामी कल्याण देव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया स प्रधानाचार्य इं. राजीव सिंह ने अपने संक्षिप्त संबोधन में पुरातन छात्र एसोसिएशन द्वारा गांधी पॉलीटेक्निक में कराये जा रहे मरम्मत, अनुरक्षण एवं नवीनीकरण के कार्यों की मुक्त कंठ से प्रसंशा करते हुए सभी सहयोगी पुरातन छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित किया स

पुरातन छात्र एसोसिएशन के संयोजक इं. बसन्त कुमार गोयल ने बताया कि इस अवसर पर यांत्रिकी अभियन्त्रण विभाग के विभागाध्यक्ष इं. चमन लाल, प्रवक्ता सिविल इंजीनियरिंग इं. अंकित सिंह, प्रवक्ता प्रवक्ता यांत्रिकी डॉ. अभिषेक चौधरी, प्रवक्ता प्रवक्ता भौतिक विज्ञान डॉ. नरेन्द्र पाठक, प्रवक्ता यांत्रिकी इं. सचिन कश्यप, प्रवक्ता हिन्दी बबीता देवी, प्रवक्ता अंग्रेजी डॉ. अनुज चौधरी, कार्यशाला अधीक्षक विनोद कुमार वत्स, अनुदेशक लौह शाला राजेन्द्र कुमार सैनी, अनुदेशक ढलाई शाला अमित गंगवार, हिमांशु, पवन, रविन्द्र, नूरहसन, राकेश आदि उपस्थित रहे।

# राज्य महिला आयोग सदस्य सपना कश्यप ने सुनी महिलाओं की समस्याएं

**मुज़फ्फरनगर।** निरीक्षण भवन, लोक निर्माण विभाग मुज़फ्फरनगर में सपना कश्यप मा. सदस्य राज्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा महिलाओ सम्बन्धित प्रकरणों में जनसुनवाई की गई।

जनसुनवाई में कुल 14 प्रार्थना पत्र/शिकायत पत्र प्राप्त हुए जिनको सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को प्रेषित किया गया एवं निस्तारण हेतु आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिए गए। पूर्व में प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा की गई। बाल विवाह मुक्त भारत के 100 दिवसीय अभियान के अंतर्गत जनपदवासियों से आह्वान किया गया कि जनपद को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने में अपना सहयोग अवश्य दें। जनसुनवाई उपरांत सदस्य द्वारा जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया।जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक में महिला कल्याण विभाग, पुलिस विभाग, आपूर्ति विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, कारागार विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों/प्रति. निधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा सभी का धन्यवाद किया गया।

### विवाहिता के साथ ससुरालियों ने की मारपीट

**बुढ़ाना/फुगाना।** ससुरालियों ने एक विवाहिता के संग मारपीट की। घायल अवस्था में विवाहिता थाने पहुंची और फुगाना पुलिस को अपने ससुरालियों की कारगुजारी बतलाई। विवाहिता की शादी को कुल 08 महीने ही हुए हैं। पुलिस ने विवाहिता का मेडीकल कराते हुए ससुरालियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक विवाहिता कुमारी मोनू रानी कश्यप ने फुगाना पुलिस को बीती मंगलवार के दिन एक तहरीर देते हुए बतलाया था कि उसका विवाह फुगाना थाना क्षेत्र के गांव सरनावली के रहने वाले कुलदीप पुत्र रामधारी के साथ बीते साल 08 जून को हुआ था। विवाह के कुल एक माह बाद ही कुलदीप और उसके परिवार के लोगों ने उसके साथ मारपीट तथा मानसिक पीडा देनी शुरू कर दी। उसके साथ कई बार बहुत बुरी तरीके से मारपीट भी की गई। बीती 03 फरवरी को फिर से उक्त ससुरालियों ने उसके साथ में फिर से बुरी तरह से मारपीट की। जिसमें उसके शरीर पर पिटाई के निशान भी हो गये हैं। पीड़िता ने फुगाना पुलिस से उसका मेडिकल कराए जाने और आरोपी ससुरालियों के विरुद्ध कार्यवाही की गुहार लगाई है। वहीं दूसरी और फुगाना पुलिस ने घायल विवाहिता का मेडीकल कराकर आरोपी पति कुलदीप व उसके परिजनों के विरुद्ध मारपीट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

# जनप्रतिनिधियों के रवैये को लेकर ग्रामीणों में रोष

## अब खुद ही सफाई कर रहे हैं सैंकड़ों ग्रामीण

( नसीम कुरैशी )

**बुढ़ाना।** अगर बुढ़ाना ब्लाक के सभी गांवों में से अकेले जौला गांव को सडा हुआ गांव घोषित कर दिया जाए तो कोई झूठ बात नहीं होगी क्योंकि यहां के जनप्रतिनिधियों से आजिज आ गये ग्रामीणों ने अब 3 दिन से खुद ही सफाई करने का काम शुरु किया हुआ है। इस बड़े गांव की कोई गली ऐसी नहीं है जहां पर गंदगी ना फैली हुईघ्हो और गंदगी के ढेर ना लगे हों। गांव के प्रधान और सचिव इस और कोई भी ध्यान नहीं देते।

इन पिछले पांच सालों में हजारों बार गांव के लोगों ने अलग अलग संबंधित अधिकारियों को शिकायत कर ली लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा स्वच्छता अभियान यहां पर हर बार दम ही तोड़ता हुआ नजर आया। इस गांव में यह नारा आज तक सार्थक हुआ ही नहीं।घ् इसकी सबसे बड़ी वजह जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की जबरदस्त उदासीनता। बाहर के काफी मेहमानों ने तो इस गांव में खुशी या गम में गंदगी के कारण आना भी छोड़ रखा है और यहां तक नये रिश्तेदार जो अपने लड़के या लड़कियों के रिश्तों के लिए बिचौलियों के साथ इस गांव में आते हैं तौ वे दोबारा नहीं आते। बस घर पहुंचकर यही कहते हैं कि लड़का या लड़की तो पसंद आ गयी लेकिन आपका गांव पसंद नहीं आया। बस यही वजह है कि गांव में गंदगी का साम्राज्य स्थापित होने के चलते जल्दी से लडके और लडकियों के रिश्ते भी नहीं आ रहे हैं। गांव के लोग कहते हैं कि जो भी चुनाव आते हैं उनमें हमें उम्मीदवार बहला फुसलाकर हमारी वोटें तो ले लेते हैं लेकिन गांव से गंदगी को हटाने की बात कोई भी नहीं करता। अब इस बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आ गये हैं तो काफी उम्मीदवार चुनाव लडने के लिए तो आप गये हैं पर गंदगी की समस्या को दूर करने को कोई भी तैयार नहीं। गांव की गंदगी से परेशान ग्रामीणों ने इन जनप्रतिनिधियों को दरकिनार कर अब खुद ही गांव में सफाई करने का बीड़ा उठा लिया है।घ् इसके लिए एक बड़ी मीटिंग दो दिनघ् पूर्व हुई।

जिसमें काफी जद्दोजहद के बाद नकारा जनप्रतिनिधियों को दर्र. कनार कर सर्व सम्मति से यह तय हुआ कि ऐसे लोगों के भरोसे ना रहकर क्यों ना खुद ही सफाई की जाएघ्। जिस पर सभी की सहमति बनी और सभी जिम्मेदार लोगों को पूरे गांव जौला की सफाई करने की जिम्मेदारी दी गयी। अब गांव जौला में सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। जिसने आज गांव में बड़ा रुप ले लिया है। पूरे गांव में कम से कम बुधवार को सैंकड़ों ट्रेक्टर ट्रोलियां बाहर निकालकर गलियों में पड़ी गंदगी को बड़े स्तर पर साफ करने का काम ग्रामीणों के द्वारा पूरी दिलचस्पी से शुरु कर दिया गया है। अब सब लोग सफाई की ओर आकर्षित हो रहे है। जगह जगह पर गांव में खुद घर परिवार के सदस्य सफाई करते नजर आ रहे है जो कि वाकई में काबिल ए तारीफ़ है। इस अभियान में गांव जौला के संगठन जौला यूथ क्लब, तिरंगा सेवा समिति, जौला सेवा संगठन, राजनी. तिक व अराजनीतिक लोगों के द्वारा जौला में बड़े स्तर से सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिसमे बाबा मुन्ना प्रधान, अब्दुल जब्बार, एडवोकेट गुलरेज, एडवोकेट इकबाल, रहीस भड़ाना, डॉक्टर मुबारिक, जीशान अहमद, डॉक्टर रिजवान, इरशाद राणा, मास्टर रईस, खाकसार, रिज्जु राणा, नोशाद फोरमेन, आरिफ राणा, वसीम राणा, राशिद राणा, आज़ाद राण और डॉक्टर इस्माइल सहित सैंकड़ों ग्रामीण श्रमदान कर रहे हैं।

### क्या कहते हैं गुलरेज राणा एडवोकेट...

**बुढ़ाना।** गांव जौला में युद्धस्तर पर चल रहे विशेष सफाई अभियान के बारे में गांव के गुलरेज राणा एडवोकेट कहते हैं कि सफाई की अहमियत हर धर्म में है। साफ सफाई को हर धर्म पसंद करता है। गंदगी को कोई भी धर्म पसंद नहीं करता। इस्लाम धर्म में सफाई को ईमान का आधा हिस्सा बताया गया है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए पिछले 15 दिनों से ग्राम पंचायत जौला में साफ़ सफ़ाई को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है मगर आज उसको पटल पर उतारा गया और पूरे वार्ड को साफ़ सुथरा कर दिया गया। सभी ज़िम्मेदार लोगो का साथ रहा। इरशाद राणा की सबसे ज्यादा मेहनत रही। आज शब ए कद्र का रोजा रखने के बावजूद भी गांव के इरशाद ने लगभग पूरी ट्रॉली भरने में सहयोग किया। दूसरी और जिम्मेदार लोगों को देखकर हमारे मौहल्ले की युवा टीम ने भी बख्शियान वाले कब्रिस्तान को पूर्ण रूप से साफ़ किया। अच्छे कामों का असर पड़ता है। पिछले 15 दिनों से गांव जौला मे बहुत बदलाव आया है।

## दो भाइयों ने युवक को मार पीटकर किया जखमी

**बुढ़ाना।** शराब पीकर गंदी गंदी गालियां दे रहे युवक को गांव के ही दो भाइयों ने मारपीट कर घायल कर दिया। बताया जाता है कि बकोतवाली क्षेत्रके गांव कुरथल में बीती मंगलवार की देर रात गांव का ही अंकुर शराब पीकर आते जाते लोगों को देखकर उल्टी सीधी बयानबाजी कर रहा था। तब गांव के ही दीपांशु और प्रियांशु ने इस बात का विरोध किया तो नशे में धुत अंकुर उनको भी गंदी गालियां देने लगा। तब दोनों भाइयों ने अंकुर को लकड़ी का खलवा मारकर घायल कर दिया और फरार हो गये। इस घटना की सूचना किसी ग्रामीण के माध्यम से बुढ़ाना पुलिस को मिली तो मौके पर पहुंची बुढ़ाना पुलिस ने घटना की जानकारी कर घायल अंकुर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना में भर्ती कराकर दोनों आरोपियों की तलाश में दबिश दी लेकिन कोई भी आरोपी बुढ़ाना पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका। फिलहाल समाचार लिखे जाने तक इस मामले में पुलिस ने कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी।

## जौली में आयोजित साहित्य गोष्ठी में शायरों ने दी प्रस्तुति

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**भोपा।** जौली मे एक शबे बारात व इमाम मेंहदी अलैहिस सलाम के अवतरण के मौके पर महफ़िल का आयोजन किया गया जिसमे देश भर से आए शायरो ने अपने कलाम पेश किये

कार्यक्रम मे शायर के रूप मे ज़ुहैर सुल्तानपूरी, आज़म सुल्तानपुरी, अख़्तर सिरसवी, शबी गोपालपुरी, नदीम जौनपुरी, जोन काजमी, हसीन जानसठी, हैदर ज़ैदी जौली, हैदर काजमी जौली ने धार्मिक कलाम पेश किये और उपस्थित श्रोताओं की वाह वाह हासिल की कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना यूसुफ ने की संचालन अज़ादार बाकरी ने किया।

संयोजक के रूप मे हाजी ज़हीर आलम रहे। सहयोगी के रूप मे मौलाना अरशद, मौलाना बाकर मौलाना अली मेंहदी,मौलाना तनवीर काज़मी रहे। अतिथि के रूप मे एडवोकेट हसीन हैदर, हाजी नईम नोएडा, पूर्व प्रधान शहरज़ा नकवी, हैदर मेंहदी, जमाल, शाहवार, हसन मेंहदी, आदि मौजूद रहे कार्यक्रम मे बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की कार्यक्रम के उपरांत पुरुष्कार वितरित किये गये।

### अल्लाह व उनके नबी की सुन्नतों पर अमल कर जिंदगी गुजारने की ताकीद

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**धामपुर।** शब-ए-बरात का त्यौहार बड़े ही अकीदत व खुशनुमा माहौल मे मनाया गया। अकीदतमंदों ने जहां इशा की नमाज अदा कर अपने बुजुर्गों के लिए दुआ की। वहीं उलेमाओं ने मुसलमानों से बुराई से बचकर अल्लाह व उनके नबी की सुन्नतों पर अमल कर जिंदगी गुजारने की ताकीद की।

मौहल्ला महल सराय स्थित मस्जिद हमजा में बयान करते हुए मुफ्ती मौहम्मद ईश्तियाक ने कहा कि शबे बरात रमजानुल मुबारक से पहले का प्रेक्टिकल है। इस दिन रोजा रखना सुन्नत है। जबकि माहे रमजान के सभी रोजे फर्ज और जरूरी हैं। दिग्गी वाली मस्जिद में मुफ्ती मौहम्मद दानिश ने मुसलमानों से इन त्योहारों को ज्यादा से ज्यादा इबादत किये जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बुराईयों से बचकर सबके लिए दुआ करे, इधर उधर घूम कर वक्त खराब ना किये जाने पर भी जोर दिया। मस्जिद अल्लाह बख्श में मुफ्ती सुहेल अहमद ने युवाओं को इस्लाम की सही जानकारी देते हुए हदीस और कुरान करीम को समझकर पढ़ने का आह्वान किया। इस मौके पर कारी राशिद हमीदी, तसलीम अहमद, फुरकान अहमद, अफजल अहमद, इनामूल हक, जावेद अख्तर, मौहम्मद काशिफ, मौहम्मद आमिर आदि शामिल रहे।

बुढ़ाना:ग्रामीणों ने खुद ही संभाल ली है सफाई अभियान की कमान।

## पड़ौसियों ने खेत में लगे पापुलर के पेड़ किए नष्ट

**बुढ़ाना।** पड़ोसियों ने एक किसान के खेत में लगाए गये पोपुलर के सैंकड़ों पेड़ों को खुर्द बुर्द कर दिया। इस मामले में पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार ही नहीं कर रही है। अब पीड़ित ने बुढ़ाना सीओ से कार्यवाही की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार सुभाष चन्द पुत्र रामपत सिंह निवासी ग्राम नसीरपुर ने बतलाया कि उसकी भूमि नसीरपुर गांव के जंगल में है। उसने अपनी भूमि में मेड से लगभग तीन फुट छोड़कर पोपुलर के पेड लगाये हैं किन्तु खेत के पडोसी ऋषिपाल और कालूराम पुत्रगण झुम्मन, नीरज और तेजिन्द्र पुत्रगण ऋषिपाल आदि लोग उसके द्वारा लगाये गये पेडो पर आपत्ति कर रहे हैं जबकि उसने पेड नियम अनुसार लगाये हैं। जब उसने उन्हें कहा कि मैंने तो नियम अनुसार ही अपने खेतों में पेड लगाये हैं तो सभी उसके साथ झगडा फसाद कर गालियां देने लगे। उसने इस मामले की एक तहरीर बुढ़ाना पुलिस को दी तो इसी बात से क्षुब्ध होकर सभी लोगों ने उसके खेत में लगाये गये उक्त पेड़ों को खुर्द बुर्द कर दिया तथा उसे और उसके पुत्र को जान से मारने की धमकी दी। सभी व्यक्ति दबंग और मुठमर्द किस्म के व्यक्ति हैं जो कभी भी उसके और उसके पुत्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं। उसने उमरपुर पुलिस चौकी को भी तहरीर दे लेकिन पुलिस किसी भी आरोपी को पकड़कर ना तो उनसे पेड़ खुर्द बुर्द करने के संबंध में कोई भी पूछताछ कर रही है और ना ही उसकी रिपोर्ट दर्ज कर रही है। अब पीड़ित किसान ने सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह से आरोपियों के विरुद्ध कडी कार्यवाही की गुहार लगाई है।

### बार एसोसिएशन बुढ़ाना का चुनाव.....

## आय-व्यय के पेपर्स उपलब्ध करवाने की मांग

**बुढ़ाना।** शायद इसी महीने बार एसोसिएशन बुढ़ाना की नई कार्यकारिणी के चुनाव करवाने के लिए ऑडिट रिपोर्ट के लिए अधिवक्ता ईश्वर दयाल संगल को विगत दिवस हुई एक बैठक के दौरान सभी अधिवक्ताओं की सहमति से ऑडिटर नियुक्त किया गया था। ऑडिटर ने एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद कुमार त्यागी और महासचिव ओमपाल सिंह मलिक डुंगर को एक पत्र लिखकर ऑडिट के लिए समस्त रिकार्ड उपलब्ध करवाने की मांग की। बार एसोसिएशन बुढ़ाना के ऑडिटर ईश्वर दयाल संगल और अंकित शर्मा ने बुधवार को अध्यक्ष विनोद कुमार त्यागी और महासचिव ओमपाल सिंह मलिक डुंगर को पत्र देकर बताया कि उन्हें बीती 14 सितंबर से लेकर बीती 17 दिसंबर 2024 तक का आय व्यय का रिकार्ड नही मिला है। ऑडिटर का कहना है कि ऑडिट कार्य के लिए उन्हें कार्यकाल का समस्त रिकार्ड उपलब्ध कराया जाए। ऑडिटर ने बताया कि तीन माह का आय व्यय का रिकार्ड मांगने पर वर्तमान कार्यकारिणी ने अपने द्वारा जमा कराए गए आय व्यय के रिकार्ड को वापस ले लिया है। उधर महासचिव ने बताया कि ऑडिटर द्वारा मांगे जाने वाला 3 माह का आय व्यय का रिकार्ड उनके कार्यकाल का नही है। ये रिकार्ड उनसे पहली कार्यकारिणी के कार्यकाल का ही है। अब वह अपना रिकार्ड बाद में देंगे।

## आज मुस्लिमों ने रखा शब ए बारात का रोजा

**बुढ़ाना।** कस्बे व क्षेत्र में मुस्लिमों ने पूरी रात इबादत कर बुधवार के दिन शब ए बारात का एक दिवसीय रोजा रखा और शाम के वक्त रोजा खोलकर नमाज पढ़ी और पूरे भारत मुल्क में अमन ओ अमान की दुआ की। बीती देर रात मुस्लिमों ने ईशा की नमाज पढने के बाद अपने मरहूमों की याद में सूरे फातिहा पढ़ने के लिए कब्रिस्तानों की और रूख किया। मिली जानकारी के अनुसार बीती मंगलवार रात शब ए बारात का त्योहार अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिदों और कब्रगाहों में पूरी रात इबादत की। यहां बुढ़ाना कस्बे के मौहल्ला मिर्दगान में स्थित कूबा मस्जिद के पेश इमाम मुफ्ती आस मौहम्मद कासमी ने बतलाया कि शब ए बारात की इबादत के बाद एक दिन का रोजा भी रखा गया है। उन्होंने जानकारी दी कि लोगों ने अपने घरों और मस्जिदों में रातभर दुआएं कीं। रात के तीसरे पहर सभी कब्रिस्तानों में भी भारी भीड़ देखी गई। अकीदतमंदों ने अपने पूर्वजों और परिजनों की मगफिरत के लिए विशेष दुआएं मांगीं। कुल मिलाकर शब ए बारात के अवसर पर बुढ़ाना कस्बे और क्षेत्र में शांतिपूर्ण और धार्मिक माहौल बना रहा। सभी ने रात भर खुदा की इबादत की और बुधवार के दिन रोजा रखा। कब्रिस्तानों में जाकर अपने मृतकों की मगफिरत के लिए खुदा से दुआएं की।

मोरना: भोकरहेडी में भाकियू अराजनैतिक की पंचायत में विचार रखते वक्ता।

## किसानों की आवाज को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचाया : मलिक

**मोरना।** कस्बा भोकरहेडी में भाकियू अराजनैतिक की क्षेत्रीय जनसभा को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि किसानों को पंद्ररह साल के संघर्ष के बाद मोरना शुगर मिल के पेराई क्षमता के विस्तारीकरण की सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि नजीबाबाद शुगर मिल की क्षमता वृद्धि नही होने से मोरना शुगर मिल का नंबर आया है, उन्होंने क्षेत्र के किसानों की आवाज को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक उनकी आवाज को पहुंचाया है। विधायक व सांसद ने भी अपने स्तर से मांग पत्र दिए है तब जाकर सभी के प्रयास से पंद्ररह साल के संघर्ष के बाद मोरना शुगर मिल के पेराई क्षमता के विस्तारीकरण की सफलता मिली है।

मुख्यमंत्री तीन बार शुकतीर्थ में आए लेकिन भाजपा नेताओं ने किसानों को कभी उनसे नही मिलने दिया। जनहित के कार्य भी दबाव के चलते होते है, लेकिन लोग व्यक्तिगत कार्य के लिए दबाब बनाते है। खेती बहुत मंहगी हो गई है किसानो को उनकी लांगत भी नही मिल पा रही है। सिचाई व फसलों पर दवाईयों की स्प्रे में किसान पर बोझ बढ गया है।

सरकार ने तीन साल में 30 रूपये गन्ने का भाव बढाया है जबकि मंहगाई लगातार बढ रही है। सभा को जिलाध्यक्ष सुधीर पहलवान, जिला सचिव राजीव सहरावत, तहसील अध्यक्ष अंकित जावला ने भी संबोधित कर संगठन को मजबूत करने पर बल दिया। सभा की अध्क्षता वेदपाल सिंह एवं संचालन मोहित मलिक ने किया। सभा में योंगेंद्र पंवार, अनिल प्रधान, धीरज, राजकुमार प्रधान मौजूद रहे। इससे पहले राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी धर्मेंद्र मलिक का बस स्टैंड पर माला पहनाकर स्वागत किया गया, जिसके बाद ट्रैक्टर पर बैठाकर काफिले के साथ कस्बे में मार्च निकालकर सभा स्थल तक ले जाया गया, रास्ते में जगह जगह पुष्प वर्षा की गई।

## शबे बारात पर इबादत में झुके सर,दुआ को उठे हाथ

**मोरना।** मुक़द्दस रमज़ान के एक पख़वाड़े पूर्व मनाये जाने वाले शबे बारात के पर्व को आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया गया।बिहारगढ़ खानकाह शरीफ मे आयोजित कार्यक्रम मे रात भर अल्लाह की इबादत की गयी व दुआ मगफिरत की गयी।

मोरना क्षेत्र के गांव बिहारगढ़ में स्थित खुशहालिया खानकाह शरीफ में शब-ए-बारात के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें सज्जादा नशीन हजरत सूफी ज़व्वाद मियां खुशहाली ने शबे बारात की विशेषता को बयान करते हुए कहा की यह इबादत की रात है। व्यक्ति अल्लाह की इबादत करे। पापो का प्राश्चित करे। यह रात ईश्वर की निकटता प्राप्त करने व आपसी मुहब्बत को बढ़ाने की रात है। इंसान अपने गुनाहो से तौबा कर बुरे कार्यो को समाप्त करने व दयाभाव तथा अच्छे काम करने का ख्रढ़ संकल्प ले। रमजान के पूर्व इबादत का माहौल बनाये। इस दौरान जिकरे इलाही, कुरान ख्वानी व दरूद सलाम पेश किया गया। कार्यक्रम के समापन पर तबर्रूक का वितरण किया गया।

मुजफ्फरनगर: श्रीराम कॉलेज में दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते अतिथि।

## जूनियर्स ने दी सीनियर्स को विदाई

### भागवन्ती विद्या इंटर कॉलेज में आशीर्वाद समारोह का आयोजन

**छात्राओं ने स्वागत व विदाई गीत सुनाकर लूटी वाहवाही**

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**मुजफ्फरनगर।** भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नई मंडी, में कक्षा 12 की छात्राओं के लिए आशीर्वाद समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी कक्षाओं के कक्षा प्रमुखों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण कर किया गया।

समारोह में कक्षा 12 की छात्राओं का हर्षोल्लास के साथ स्वागत पटका पहनाकर व तिलक लगाकर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभाशीष प्रदान किया।

प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा जी व कोषाध्यक्ष ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में छात्राओं को आत्मविश्वास, परिश्रम एवं अनुशासन के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय से प्राप्त संस्कार एवं शिक्षा उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता दिलाएंगे। इसी श्रृंखला में आचार्या रितु गोयल, सपना मित्तल, सीमा सिंह, उर्मिला पुंडीर जी सहित आचार्य परिवार ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देतें हुए अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए मुख्य निर्देश दिए । कार्यक्रम का मंच संचालन दुर्गेश नंदिनी कौशिक द्वारा अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया गया। सांस्कृतिक विभाग से पारुल माहेश्वरी एवं लक्ष्मी माहेश्वरी द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत एवं विदाई गीत ने वातावरण को भावुक एवं प्रेरणामय बना दिया।इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं कक्षा 12 की सभी छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम स्नेह, आशीर्वाद एवं शुभकामनाओं के साथ संपन्न हुआ।

## स्तन कैंसर व सर्वाइकल पर सेमिनार का आयोजन

### श्रीराम कॉलेज में देश भर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी जानकारी

**छात्र-छात्राओं को दिए गए कैंसर से बचाव के टिप्स**

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**मुजफ्फरनगर।** विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में श्री राम कॉलेज के सभागार में आंतरिक शिकायत समिति एवं शिक्षा संकाय द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसका विषय ''स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और शुरुआती जांच''था।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं वक्ता डा ललिता माहेश्वरी प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, माहेश्वरी हॉस्पिटल, डॉ0 प्रेरणा मित्तल, प्राचार्या श्रीराम कॉलेज, डॉ0 अशोक कुमार, निद. ेशक श्रीराम कॉलेज, डा0 विनीत कुमार शर्मा, डीन एकेडमिक्स श्रीराम कॉलेज, डा0 पूजा तोमर, विभागाध्यक्षा बेसिक साइंस, नीतु सिंह, विभागाध्यक्षा कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग डा श्वेता राठी, डीन होमसाइंस विभाग, मिनाक्षी काकरान, विभागाध्यक्ष ललित कला विभाग ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रजव्वलित करके किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डा ललिता माहेश्वरी द्वारा शिक्षिकाओं एवं छात्राओं को कैंसर के बारे में जानकारी दी गयी और बताया गया कि समय रहते ही हम स्वयं के द्वारा अपना शारीरिक निरीक्षण करके भी ब्रेस्ट कैंसर टेस्ट तुरंत कराकर उसका उपचार कराना चाहिये अन्यथा यह जानलेवा बीमारी का रूप धारण कर लेती है। डा ललिता माहेश्वरी ने छात्राओं एवं शिक्षिकाओं की कैंसर से संबंधित अपनी विभिन्न जिज्ञासाओं और समस्याओं का समाधान किया। डा माहेश्वरी ने इसके लिये सीए-125 टेस्ट कराने एवं कैंसर से बचाव के लिये ब्मतअंतपग और ब्तकपेपस टंबबपदम लगवाने के लिये बताया। लगभग 225 छात्रा एवं शिक्षिकाएं इस कार्यक्रम में उपस्थित रही।

इस अवसर पर डा प्रेरणा मित्तल, प्राचार्या श्रीराम कॉलेज ने स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और शुरुआती जांच विषय पर बोलते हुये कहा कि महिलाओं को स्तर कैंसर जैसी भयावह बीमारी के बारे में अधिक से अधिक जागरूक रहने तथा समय रहते इस बीमारी को बढने से पहले ही इसकी जांच कराकर इसका उपचार करवाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर डा प्रेरणा मित्त्ल, प्राचार्या श्रीराम कॉलेज, डा पूजा तोमर, विभागाध्यक्षा बेसिक साइंस साइंस, नीतु सिंह, विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग डा श्वेता राठी डीन होमसाइंस विभाग, मिनाक्षी काक. रान, विभागाध्यक्ष ललित कला विभाग तथा महाविद्यालय कीं समस्त महिला शिक्षिकायें तथा छात्राऐं उपस्थित थी।

**शाह टाइम्स**

स्वामी 'शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड' के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, सूजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं प्रकाशित।

**सम्पादक:**
**एस.एन. राना**

*कार्यकारी सम्पादक
**आनन्द बत्रा 'सुमन'**

**मुख्यालय:**
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. 71843/99
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

# व्हाट्सएप पोस्ट की शिकायत वापस, समितियों में भ्रष्टाचार की आशंका उजागर

## सभापति ने डीएम को दिया पत्र

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**झिंझाना।** बी-पैक्स ऊदपुर के सभापति सतीश कुमार ने बुधवार को जिलाधिकारी शामली को प्रार्थना पत्र देकर अपनी पूर्व में की गई शिकायत वापस लेने की मांग की है। उन्होंने बताया कि व्हाट्सएप ग्रुप पर की गई एक पोस्ट के आधार पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। तृतीय पक्ष से पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित पोस्ट आपसी मजाक में की गई थी, जो शिकायत का वास्तविक आधार नहीं थी।

सभापति ने अपने पत्र में कहा कि शिकायत से संबंधित बिंदु का समाधान हो जाने के कारण वह अपना शिकायती पत्र वापस लेना चाहते हैं और इस प्रकरण में किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं चाहते।

हालांकि, इस पूरे मामले से सहकारी समितियों में व्याप्त अनियमितताओं और संभावित भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा होता है। गौरतलब है कि इससे पूर्व सतीश कुमार ने सहायक आयुक्त शिवम मलिक पर जनपद की विभिन्न समितियों में नियमों के विपरीत कार्य किए जाने के गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत में कर्मचारियों से अवैध वसूली, समितियों से फीस के नाम पर अनियमित धन संग्रह तथा वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता के अभाव की बात कही गई थी।

शिकायत के अनुसार रायपुर समिति में नियमों के विरुद्ध कर्मचारी भर्ती की गई और एरियर भुगतान में भी अनियमितताएं बरती गईं, जिससे समिति को आर्थिक क्षति पहुंची।

कुछ भुगतानों के चेक के माध्यम से किए जाने और लाखों रूपए के लेनदेन का उल्लेख करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की गई थी। अन्य समितियों में भी नियमों की अनदेखी कर कार्य किए जाने से शासन की छवि प्रभावित होने की बात कही गई थी। इसके अतिरिक्त, समिति की भूमि से अवैध कब्जा हटाने के दौरान 70 हजार रूपए के भुगतान तथा बाद में कथित रूप से 35 हजार रूपए कमीशन की मांग और विरोध करने पर अभद्र भाषा के प्रयोग जैसे आरोप भी लगाए गए थे, जो प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हैं। भले ही अब सभापति द्वारा शिकायत वापस लेने की मांग की गई हो, लेकिन प्रकरण से यह स्पष्ट होता है कि सहकारी समितियों में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसे में संबंधित अधिकारियों और शासन को पूरे मामले का स्वत: संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच करानी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और भविष्य में ऐसी शिकायतों की पुनरावृत्ति न हो।

# डीएम ने किया तहसील शामली का निरीक्षण

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**शामली।** जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान ने आज अपने निरीक्षण में कार्यालय तहसील शामली का निरीक्षण कर एसडीएम न्यायालय, तहसीलदार न्यायालय, आरद्गकेद्ग कार्यालय, खतौनी कक्ष,निर्वाचन कार्यालय व तहसील के अन्य पटलों का निरीक्षण किया गया तथा संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण में जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम एसडीएम शामली न्यायालय का निरीक्षण कर न्यायालय में विचाराधीन पत्रावलियों में धारा 24 व धारा 116 की पत्रावलियों का निरीक्षण करते हुए दिन प्रतिदिन तिथि निर्धारित कर लंबित वादों का समय से निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने तहसीलदार न्यायालय का निरीक्षण कर धारा 34/35 व धारा 67 की लंबित पत्रावलियों में निस्तारण के निर्देश दिए।निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने अन्य वाद पत्रावलियों का भी शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने आर।के। कार्यालय का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए मौके पर आर-6 रजिस्टर का निरीक्षण कर ग्राम खेड़ी बैरागी में दर्ज पंजीकृत वसीयत के आदेश की प्रविष्टि को कंप्यूटराइज्ड खतौनी में चेक किया जो फीड पाई गई। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण में उप जिलाधिकारी सदर अर्चना शर्मा, तहसीलदार शामली मनोज कुमार, नायब तहसीलदार गौरव सहित आदि मौजूद रहे।

# किशोरी क्लब की हुई स्थापना

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**शामली।** बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जनता वैदिक इंटर कॉलेज, पिंडौरा जहांगीरपुर, ऊन में की गई किशोरी क्लब स्थापना। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान के निर्देशों एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी मौहम्मद मुशफेकीन के नेतृत्व में महिला कल्याण विभाग, शामली द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जनता वैदिक इंटर कॉलेज, पिंडौरा जहांगीरपुर, ऊन में किशोरी क्लब की स्थापना की गई। किशोरी क्लब की स्थापना का उद्देशय बालिका का मनोरंजन, स्वास्थ एवं शारीरिक विकास के लिए उत्साहवर्धन करना है, जिससे प्रत्एक बालिका अपनी शिक्षा के साथ-साथ अपनी खेलों में भी रूचि बनाए रखे।बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी 2015 को की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के घटते लिंगानुपात की समस्या को दूर करना, उन्हें शिक्षित करना और सशक्त बनाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनता वैदिक इंटर कॉलेज, पिंडौरा जहांगीरपुर, ऊन के प्राभारी प्रधानाचार्य सहेंद्र सिंह के द्वारा की गई। स्कूल में 5-5 छात्राओं के किशोरी क्लब की स्थापना की गई।जिससें छात्राओं को किशोरी क्लब की स्थापना हेतु कैरम बोर्ड, लूडो, चौस, हॉकी, वॉलीबॉल इत्यादि खेल सामग्री बालिकाओं को वितरित की गई।महिला कल्याण विभाग से जिला मिशन कोर्डिनेटर सदफ खान ने कार्यक्रम में बालिकाओं को बताया कि हमारी बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं।वे खेल के मैदानों में पदक जीत रही हैं, विज्ञान और तकनीक में नवाचार कर रही हैं, कॉर्पोरेट जगत में नेतृत्व कर रही हैं और सीमाओं पर देश की रक्षा में तैनात हैं।देश का नाम अंतराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रही हैं। शिक्षा के साथ-साथ मनोरंजन के लिए खेलों में रूचि अवश्यक है। स्वस्थ दिमाग के लिए शारीर का स्वस्थ हो भी जरूरी है। इसलिए सभी छात्राओं को खेलों में अपनी को बनाए रखना चाहिए। जेंडर स्पेशलिस्ट कुलदीप शर्मा ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजाना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टाप सेंटर में संचालित सुविधाओं की जानकारी, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन की जानकारी, विभाग द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर जैसे 1098, 102, 108, 112, 181, 1090, 1076 की जानकारी दी गई। इसके साथ-साथ बाल विवाह के दुष्परिणाम व सजा के प्रावधानों इत्यादि की जानकारी देते हुए बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ भी दिलाई गई। बेटी बचाओ बेटी बचाओ अभियान के अंतर्गत 07 फरवरी 2026 को कन्या इंटर कॉलेज, कांधला में पर्सनल हाईजीन पर ओरियंटेशन का कार्यक्रम किया जाएगा।

# मोटापा देता है मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों को जन्म, प्रदीप कुमार

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**कांधला।** कस्बे के राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पांच दिवसीय रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर के द्वितीय दिवस का शुभारंभ महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ प्रदीप कुमार द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ । ध्वजारोहण में रेंजर्स ने वी फॉरमेशन में प्रतिभाग किया। प्रार्थना एवं झंडा गीत के बाद प्रशिक्षक ने रेंजर्स यूनिफॉर्म, विभिन्न ध्वज की बनावट में महत्व ,प्राथमिक सहायता, पट्टी बांधना, स्ट्रेचर बनाना आदि सिखाया। शिविर के द्वितीय पहर में विशेष व्याख्यान में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ प्रदीप कुमार द्वारा रेंजर्स को अच्छे स्वास्थ्य में अनुशासन, व्यायाम एवं भोजन कर महत्व विषय पर आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति है।

धन, पद और सफलता तब ही सार्थक हैं जब हमारा शरीर और मन स्वस्थ हों। जो व्यक्ति अनुशासन में रहता है, वह बीमारियों से भी दूर रहता है।जैसा हम खाते हैं, वैसा ही हमारा शरीर बनता है। इसलिए जंक फूड और अधिक तैलीय भोजन से बचना चाहिए, क्योंकि ए मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग जैसी समस्याओं को जन्म देते हैं। उन्होंने रेंजर्स को बात, पित एवं कफ के विषय के साथ भोजन से पहले एवं बाद में किए जाने वाले योगा व व्यायाम बताए। रेंजर्स प्रभारी डॉक्टर अंकिता त्यागी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि हम अनुशासन, संतुलित भोजन और नियमित व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बना लें, तो हम एक स्वस्थ, खुशहाल और सफल जीवन जी सकते हैं। आज से ही संकल्प लें कि स्वस्थ रहेंगे, खुश रहेंगे और देश को स्वस्थ बनाएंगे। साथ ही रेंजर्स ने अपनी टोली के नाम पर आकर्षक पोस्टर बनाकर प्रस्तुत किए। द्वितीय दिवस के शिविर का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया ।

## अकीदत के साथ रखा गया शबे बारात का रोज़ा

**झिंझाना।** शबे बारात के मौके पर क्षेत्र में मुस्लिम समाज के लोगों ने अकीदत और एहतराम के साथ रोजा रखा। मंगलवार की रात से ही मस्जिदों में इबादत का सिलसिला जारी रहा। रोजेदारों ने दिनभर कुरआन पाक की तिलावत, नफ्ल नमाज और दुआएं की । शाम को इफ्तार के समय घरों और मस्जिदों में खास इंतजाम किए गए। मौलाना आजम ने बताया कि शबे बारात की रात और इसके रोजे की खास फजीलत हदीसों में बयान की गई है। इसे मगफिरत और रहमत की रात माना जाता है। जामा मस्जिद के इमाम मौलाना याकूब ने बयान में कहा कि शबे बारात गुनाहों से तौबा करने और अपने आमाल सुधारने का बेहतरीन मौका है।

# कोहरे का सितम बरकरार, सुबह घना कोहरा तो दोपहर में खिली धूप

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**शामली।** जनपद में पिछले तीन दिनों से लगातार कोहरे का सितम बना हुआ है। सुबह के समय घना कोहरा और दोपहर में तेज धूप निकलने से मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। बुधवार को भी सवेरे घना कोहरा छाए रहने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। .श्यता बेहद कम होने से हाईवे और मुख्य सड़कों पर चंद कदमों की दूरी तक दिखाई नहीं दे रही थी, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी रही।

बुधवार को अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह आसमान में घना कोहरा छाया रहा और सर्द हवाओं के चलते ठंड का असर ज्यादा महसूस किया गया। सवेरे करीब 10 बजे तक तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ा। हालांकि करीब 11 बजे के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिला। कोहरा छंट गया और आसमान साफ होने के साथ ही धूप निकल आई। खिलखिलाती धूप निकलने से लोगों को ठंड से राहत मिली और जनजीवन सामान्य होता नजर आया। धूप निकलने से बाजारों में चहल पहल रही। वही देर शाम होते ही सर्द हवाओं का प्रकोप बढ गया था और लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पडा। ठंड से बचाव को लोग जल्दी ही घरों में दुबक गए थे। मुख्य चौराहों फव्वारा चौक, अजंता चौक, विजय चौक, गुरूद्वारा तिरहा, शिव चौक आदि स्थानों पर लोग आलाव के सहारे बैठे रहे। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल सुबह और रात के समय कोहरे का असर बना रह सकता है, जिससे वाहन चालकों को सतर्क रहने की जरूरत है।

## एक नजर

### यूपी क्रिकेट एसोसिएशन के ट्रायल के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**शामली।** उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्ध्यूपीसीएऋ के वर्ष 2026-27 के लिए आयोजित होने वाले सभी ट्रायल के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 4 फरवरी से शुरू हो गए हैं। शामली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट कोऑर्डिनेटर विनय कुमार ने बताया कि इस बार सभी पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है और किसी भी प्रकार का ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक खिलाड़ी यूपीसीए के पोर्टल लिंक के माध्यम से स्वयं अपना पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के दौरान पोर्टल से ही खिलाड़ी की पंजीकरण आईडी जनरेट हो जाएगी। ऑनलाइन आवेदन करते समय खिलाड़ी को अपना नाम, पता, पिता का नाम, आयु, जनपद की जानकारी और आयु वर्ग से संबंधित विवरण भरना अनिवार्य होगा। पंजीकरण शुल्क 400 रूपए प्रति खिलाड़ी निर्धारित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना शुल्क चालान जमा किए कोई भी आवेदन मान्य नहीं होगा और अब किसी भी स्तर पर ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

### मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**कांधला।** क्षेत्र के गांव खेड़ा कुर्तान में मामूली विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपी को तलवार सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा कुर्तान निवासी मुस्तफा पुत्र इलियास ने गांव के ही कुर्बान पुत्र मतलब पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने तलवार से उसके मकान के दरवाजे पर कई बार किए थे। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। बुधवार को पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी कुर्बान को तलवार सहित गिरफ्तार कर लिया और थाने ले आई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि आरोपी कुर्बान को तलवार के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

### विवाहिता ने पति सहित ससुराल पक्ष पर लगाया मारपीट का आरोप

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**कांधला।** थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत से विवाहिता के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति सहित ससुराल पक्ष के लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव गढ़ी दौलत निवासी सलमाना पत्नी तसव्वर ने थाने पर दी गई तहरीर में बताया कि बुधवार की सुबह उसके पति तसव्वर ने अपने भाई वसीम एवं अन्य परिजनों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। पीड़िता का आरोप है कि घरेलू विवाद के चलते उसके साथ गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पीड़िता ने बताया कि मारपीट की सूचना उसने तत्काल डायल 112 पुलिस को दी। सूचना मिलने पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची और पति सहित ससुराल पक्ष के लोगों को समझा-बुझाकर चली गई। आरोप है कि पुलिस के जाने के बाद पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने एक बार फिर पीड़िता के साथ मारपीट की और उसे घायल कर दिया। घटना के बाद पीड़िता ने अपना चिकित्सकीय परीक्षण कराया और इसके पश्चात थाने पहुंचकर पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ तहरीर दी। पीड़िता ने पुलिस से आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

### सुपरवाइजर ऑफ द ईयर अनुज कुमार को स्टेट अवार्ड, डीएम ने किया सम्मानित

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**शामली।** विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 में उत्कृष्ट कार्य करने पर सुपरवाइजर ऑफ द ईयर चुने गए अनुज कुमार को स्टेट अवार्ड प्राप्त होने पर डीएम अरविन्द कुमार चौहान ने नवीन कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय में सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अनुज कुमार के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण दायित्व में उनकी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत है।इसके साथ ही 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आयोजित परेड में अनुशासन और निष्ठा के साथ सहयोग करने वाले एनसीसी कैडेट्स को भी जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कैडेट्स की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से लोकतंत्र और अधिक मजबूत होता है। इस मौके पर स्वीप कोऑर्डिनेटर नीरज विश्वकर्मा, अनिल कुमार एवं स्वीप टीम के सदस्यों ने जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्टेट अवार्ड प्राप्त होने पर अनुज कुमार को स्मृति-चिह्न भेंट किया।

# आमवाली में भव्य प्राण प्रतिष्ठा शोभायात्रा सम्पन्न, 5 फरवरी को होगा मूर्ति अनावरण व विशाल भंडारा

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**बिडौली।** ग्राम आमवाली में शिव मंदिर मछरौली.आमवाली रोड पर धार्मिक आस्था, श्रद्धा और उल्लास का भव्य संगम देखने को मिला। शिव परिवार, राधा-कृष्ण एवं हनुमान जी की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में गांववासियों द्वारा एक विशाल एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन के आयोजक समस्त आमवाली ग्रामवासी रहे।

शोभायात्रा का शुभारंभ विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। बैंड-बाजों, ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ यात्रा में शामिल हुए। हजय रामह, हर-हर महादेव और राधे-राधे के गगनभेदी जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।

शोभायात्रा में गांव की महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए जलपान एवं प्रसाद वितरण की समुचित व्यवस्था भी की गई, जिससे आपसी सहयोग और सेवा भावना का संदेश प्रसारित हुआ। आयोजन समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 5 फरवरी को प्रात: 9रू00 बजे शिव मंदिर मछरौली. आमवाली रोड पर स्थापित मूर्तियों का विधिवत अनावरण किया जाएगा। इसके उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं एवं ग्रामवासियों को सादर आमंत्रित किया गया है।

इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान अर्जुन सिंह, सिंगरा प्रधान ओमबीर तोमर, डॉ। राजीव, चेयरमैन पुष्पेंद्र, डॉ। भूरा, यशवीर, रूपेश, मुकेश सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अतिथियों ने आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम समाज में एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को सु.ढ़ करते हैं। कार्यक्रम शांतिपूर्ण, श्रद्धामय एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## गोल चक्कर के पास हादसा, तीन घायल

**झिंझाना।** मेरठ करनाल हाईवे स्थित गोल चक्कर के पास एक सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए। बताया गया कि चलते ऑटो के सामने अचानक कुत्ता आ जाने से चालक का संतुलन बिगड़ गया और ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ननौता निवासी सादिक, उनकी पत्नी राहिला और भाई आसिफ घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सादिक अपने परिवार के साथ झिंझाना में रिश्तेदार की मौत में शामिल होकर वापस ननौता जा रहे थे। जैसे ही उनका ऑटो हाईवे गोल चक्कर के पास पहुंचा, अचानक सामने आए कुत्ते को बचाने के प्रयास में ऑटो पलट गया। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

# एनएचएआई की लापरवाही : अवैध फास्टैग बोर्ड हादसों का कारण

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**बिडौली।** मेरठ-करनाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर पटनी प्रतापपुर टोल प्लाजा के आसपास सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए फास्टैग बोर्ड यात्रियों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। हाईवे के दोनों ओर बिना किसी अधिकृत या पंजीकृत कंपनी के लगाए गए ए फास्टैग बोर्ड आए दिन दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार मेरठ.करनाल हाईवे तीन लेन का है, जिसमें दो लेन चार पहिया व भारी व्यावसायिक वाहनों के लिए तथा एक संकरी लेन दोपहिया वाहनों और पैदल राहगीरों के आवागमन के लिए निर्धारित है। आरोप है कि फास्टैग माफिया द्वारा अवैध रूप से दोपहिया वाहनों की लेन में ही फास्टैग के बड़े-बड़े बोर्ड खड़े कर दिए गए हैं। इसके चलते दोपहिया वाहन चालकों को अपनी निर्धारित लेन छोड़कर चार पहिया वाहनों की तेज रफ्तार लेन में जाना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है।

प्रतिदिन हजारों वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं। चार पहिया व भारी वाहन तो दो मुख्य लेनों से निकल जाते हैं, लेकिन दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए स्थिति बेहद खतरनाक हो गई है। कई बार अचानक सामने आ जाने वाले फास्टैग बोर्डों के कारण वाहन असंतुलित हो जाते हैं, जिससे हादसे होते-होते बचे हैं। स्थानीय नागरिकों ने इस मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और पुलिस प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन अवैध फास्टैग बोर्डों को नहीं हटाया गया तो कोई बड़ी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि एनएचएआई व पुलिस प्रशासन तत्काल मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से लगाए गए सभी फास्टैग बोर्डों को हटवाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

# गांव पिठौरी में तनाव की स्थिति, फोर्स तैनात

## संत रविदास जयंती के उपलक्ष में शोभायात्रा निकाले जाने को लेकर अड़ा दलित समाज, समाधान के प्रयास

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**बेहट।** कोतवाली बेहट क्षेत्र के गांव पिठौरी में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की शोभायात्रा निकाले जाने को लेकर मंगलवार से तनाव बना हुआ है। शांति व्यवस्था को लेकर कोतवाली बेहट, फतेहपुर सहित अन्य थानों की पुलिस गांव में तैनात रही।वही मुस्लिम पक्ष के लोगों का कहना है कि गांव में कभी भी रविदास जयंती नहीं निकली है, दूसरी ओर दलित पक्ष के लोग रविदास जयंती निकालने को लेकर जिले के अला अधिकारियों से भी मिले मगर कोई समाधान नहीं निकला है।

कोतवाली के गांव पिठौरी में दलित समाज के लोग गुरु रविदास जयंती निकालने को लेकर दो दिन से माहौल गर्म है। बुधवार को भी गांव में कई थानों की पुलिस और पीएसी बल तैनात रहा। इस बीच शोभायात्रा को निकालने को लेकर भीम आर्मी जय भीम संगठन के जिलाध्यक्ष सन्नी गौतम पिठौरी आने की सूचना मुस्लिम पक्ष के लोगों को लगी तो उन्होंने थाना बेहट पुलिस को दी तो कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी पुलिस बल के साथ पहुंचे और सन्नी गीतम को पिठौरी गांव के जाने से पहले ही रोक लिया। सन्नी गौतम ने पुलिस से आग्रह किया कि वे उन्हें गांव जाने दिया जाए वे शान्ति से शोभा यात्रा निकलवा देगे मगर गांव में शान्ति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस ने उन्हें गांव में जाने नहीं दिया मौके पर उनके समर्थक आ गए थे। गांव में संत गुरु रविदास जयंती को निकलवाए जाने को लेकर दलित समाज के जिम्मेदार लोग पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से मिले मगर उन्हें रविदास जयंती शोभा यात्रा को लेकर प्रशाशन से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है दलित समाज के लोग शोभा यात्रा निकलने को लेकर अडिग है।

वहीं मुस्लिम पक्ष के लोगों का कहना है कि गाव में आज तक संत गुरु रविदास जयंती नहीं निकली है। गांव में तनाव को देखते हुए भरी पुलिस बल तैनात हैं।मामले को लेकर एसडीएम बेहट मानवेंद्र सिंह ने बताया कि गांव में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात है। दोनों पक्षों में सुलह समझौता कराने के प्रयास जारी है।

# अनियंत्रित होकर नदी में पलटी ट्रैक्टर ट्राली, एक की मौत

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**मिर्जापुर।** थाना मिर्जापुर के शाहपुर गाड़ा की नदी मे बुधवार को लकड़ियों से भरी ट्रेक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गयी। जिसके नीचे दबकर एक व्यक्ति की मौत हो गयी है। सुचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी है और मामले की जाँच पड़ताल मे जुट गयी है।

मिली जानकारी के अनुसार नोंगावा की और से आ रही लकड़ियों से भरी ट्रेक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर शाहपुर गाड़ा की नदी मे पलट गयी है, जिसके नीचे दबकर एक युवक की मौके पर ही मौत हो गयी है। राहगीरों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गयी है स सुचना पाकर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गयी है और शव को कब्जे से लेकर कार्रवाई मे जुट गयी है स घटना से परिजनों मे कोहराम मच गया है। मृतक की पहचान मोनिश पुत्र नाजिम निवासी मदनपुरा थाना बिहारीगढ़ के तौर पर हुई है। थाना प्रभारी सूबे सिंह ने बताया घटना के मामले की जाँच की जा रही है।

# कार्यवाही की मांग

**गंगोह।** कोतवाली के ग्राम फतेहपुर ढोल्ला निवासी सोनी पुत्र परसा ने पुलिस में दी गई तहरीर में बताया कि गांव के ही कुछ लोग उनसे रंजिश रखते हैं।

आरोप है कि मंगलवार की रात उक्त लोगों ने उनके घर पर हल्ला बोलकर जाति सूचक शब्दों और गालियों का प्रयोग करते हुए उन्हें घर से बाहर निकलने की ललकार लगाई और तमंचे से हवाई फायर भी किया। उनके घर से न निकलने पर जाते जाते आरोपी उनके मकान मे लात घुसे मारकर जान से मारने की धमकी देते हुए हवा मे तमंचा लहराते हुए फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार उक्त घटना गांव के ही कई लोगों ने देखी और पडोसी के सीसीटीवी में भी कैद हो गई। विपक्षीगण से परिवार को जानमाल का खतरा बताते हुए पुलिस से गुहार लगाई है। कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

# हिफ्ज करने पर मौ. फिरोज की हौसला अफजाई

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** मस्जिद हमीदिया में 19 बच्चों ने कलाम पाक मुकम्मल किया।

हाकम शाह कालोनी स्थित मस्जिद में इमाम कारी मोहम्मद हुसैन साहब की मोजुदगी में माशाल्लाह 19 बच्चों का कलाम पाक पूरा हुआ, जिसमें 5 लड़कियों ने व 10 लडको ने नाजरा कलाम पाक मुक्कमल किया,व साथ ही 4 लडके हाफिज ए कुरान बने, जिसमें समाजसेवी आरिफ खान का पोता हाफिज मोहम्मद फिरोज ने भी कुराने पाक हिफ्ज किया। व इस दौरान समाजसेवी आरिफ खान बिन अब्दुल हफीज ने अपने पोते हाफिज मोहम्मद फिरोज के घर पहुंचकर, फूल माला पहनाकर व एक गिफ्ट मक्का मदीना की फोटो फ्रेम देकर होंसला अफजाई कर दुआओं से नवाजा। इस दौरान श अलहाज सूफी अब्दुल करीम दामत बरकातुहुम ने देश, मुल्क की तरक्की व भाईचारे के लिए दुआ कराई। इस दौरान हाफिज मोहम्मद फिरोज, मोहम्मद अनस, मोहम्मद केफ, मोहम्मद मूसा, मोहम्मद बुरहान गौर, शफीक खान, फुरकान खान, जमशेद खान, इनाम, चांद, शाहवेज , आमिर,सय्यद इजहार अख्तर, सय्यद आरिफ व आदि लोग मौजूद रहे।

# लाइसेंस न बनवाने पर लगेगी दोगुनी पेनल्टी

## नर्सिंग होम लाइसेंस के लिए 6-7 फरवरी को आईएमए भवन में लगेगा विशेष शिविर

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** नगर निगम द्वारा आईएमए भवन हकीकत नगर में एक विशेष शिविर लगाकर नर्सिंग होम व चिकित्सकों के वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के व्यवसायिक लाइसेंस बनाये जायेंगे। शिविर में लाइसेंस नवीनीकरण के अलावा नये लाइसेंस भी बनाये जायेंगे। नगरायुक्त के निर्देश पर शिविर के लिए पांच कर्मचारियों की एक विशेष टीम बनायी गयी है।

कर अधीक्षक (लाइसेंस) सुधीर शर्मा ने बताया कि आईएमए अध्यक्ष डॉ. प्रवीण शर्मा ने महापौर डॉ. अजय कुमार को एक पत्र भेजकर लाइसेंस बाईलाज हेतु एक कैंप लगाने का अनुरोध किया था। जिस पर महापौर डॉ. अजय कुमार एवं नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देशों के अनुपालन में नगर निगम द्वारा आईएमए भवन में 06 फरवरी और 07 फरवरी को दो दिवसीय लाइसेंस शिविर लगाया जायेगा।

उन्होंने सभी नर्सिंग होम संच. ालक व चिकित्सा से सम्बंधित क्लीनिक चलाने वाले अन्य चिकित्सकों से अपने पुराने लाइसेंस शुल्क की रसीद भी साथ लाने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को नया रजिस्ट्रेशन कराना है उन्हें अपना आधार कार्ड, सीएमओ द्वारा जारी रजिस्ट्रेशन की प्रति और पासपोर्ट साइज का फोटो भी साथ लाना होगा।

कर अधीक्षक लाइसेंस सुधीर शर्मा ने अन्य व्यवसायियों, होटल, ढाबा, बेकरी, मेडिकल स्टोर, स्कूल-कॉलेज आदि संचालकों व अन्य खाद्य पदार्थो के दुकान स्वामियों से भी अपना लाइसेंस शुल्क जमा करने की अपील करते हुए चेतावनी दी है कि यदि इस वित्तीय वर्ष में लाइसेंस शुल्क जमा नहीं किया गया तो आगामी वित्तीय वर्ष में दोगुणी पेनल्टी के साथ जमा किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभी 58 शराब कारोबारियों द्वारा ही लाइसेंस बनवाया गया है, आठ शराब कारोबारियों ने अभी व्यवसायिक शुल्क जमा नहीं कराया गया है। उन्होंने बताया कि यदि उक्त शराब कारोबारियों ने दो दिन के भीतर शुल्क जमा नहीं कराया तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

# संत रविदास की शिक्षा अपनाने पर दिया जोर

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रामपुर मनिहारान।** संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती धूमधाम से मनाई गई।वक्ताओं ने गुरु महाराज की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया।

क्षेत्र के गाँव कल्लरपुर गुर्जर में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 649 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई।विचार गोष्ठी में चेयरपर्सन रेनू बालियान व कुलदीप बालियान ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने बुराइयों से बचने ऊंच नीच को समाप्त करने और सबका भला सोचने करने जैसी शिक्षा दी है। व्यापारी नेता डॉ रवि कुमार ने कहा कि हमें आज संकल्प लेना चाहिए कि हम कोई गलत कार्य नही करेंगे और गुरु जी महाराज की शिक्षाओं का पालन करेंगे। विचार गोष्ठी का बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

इस दौरान दिलीप सिंह प्रधान,अनंगपाल,प्रमोद,विना. ेद,दिगम्बर सिंह आदि भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# चोरी की बाइक समेत दबोचा

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**छुटमलपुर।** थानाध्यक्ष विनय शर्मा के नेतृत्व में सक्रिय पुलिस टीम ने शातिर अपराधी शंकर पुत्र मुन्ना (निवासी इब्राहिमपुर, थाना फतेहपुर) को देहरादून-छुटमलपुर रोड पर चोरी की मोटरसाइकिल के साथ रंगे हाथों दबोच लिया।

जानकारी के मुताबिक 19 जनवरी 2026 को पंकज कुमार पुत्र महीपाल सिंह (निवासी बेहडा कलां) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी हीरो स्पलैण्डर मोटरसाइकिल (नंबर न्ड्ड17ठ0595) छुटमलपुर बाजार से चुरा ली गई। इस पर मुकदमा नंबर 34/26 धारा 303(2) बीएनएस के तहत दर्ज हुआ। पुलिस की सतर्क टीम उपनि. रीक्षक शेषपाल सिंह, हैड कांस्टेबल रोहित कुमार और कांस्टेबल कुलदीप कुमार ने गहन छानबीन के बाद अभियुक्त को पकड़ा। पूछताछ में शंकर ने सनसनीखेज खुलासा किया कि वह नशे का कट्टर आदी है। नशे का खर्चा उठाने के लिए उसने उसी दिन पंजाब हॉस्पिटल के सामने से बाइक चुराई थी और आज इसे बेचने की फिराक में था। अभियुक्त का आपराधिक रिकॉर्ड भी लंबा-चौड़ा है। पिछले वर्षों में उसके खिलाफ गुंडा एक्ट, धोखाधड़ी, जालसाजी, आर्म्स एक्ट और चोरी के कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें शामिल हैं।156/15 (गुंडा एक्ट), 112/18, 114/22, 115/22 (धारा 414, 420, 467 आदि), 113/18, 116/22 (आर्म्स एक्ट)।

पुलिस ने चोरी की बाइक बरामद कर अभियुक्त के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

# ताईक्वांडों में बच्चों का शानदार प्रदर्शन

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**नानौता।** हरिद्वार के रोशनाबाद स्टेडियम में ओपन स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप में स्कूल के 4 खिलाड़ियों के शानदार जीत दर्ज करने पर प्रधानाचार्य अनुज सैनी ने छात्रों को बधाई दी।

नगर के रेडिएंट पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य अनुज सैनी ने बताया कि हरिद्वार में ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें लगभग 300 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया और नगर के प्रसिद्ध विद्यालय रेडिएंट पब्लिक स्कूल के भी 4 खिलाड़ियों ने भाग लिया चारो खिलाड़ियों का प्रदर्शन देख सभी आश्चर्यचकित रह गए और खिलाड़ियों ने 3 स्वर्ण पदक और 1 रजत पदक प्राप्त किए। जिसमें अभिनव विश्वकर्मा ,आराध्य चौधरी , समर चौधरी ने स्वर्ण पदक और अनिरुद्ध ने रजत पदक जीता और नगर और स्कूल का नाम रोशन किया । कोच कुंवर सचिन ठाकुर ने बच्चों के इस प्रदर्शन को उनकी मेहनत और त्याग का परिणाम बताया। सभी खिलाड़ियों का स्कूल में भव्य स्वागत हुआ और प्रधानाचार्य अनुज कुमार सैनी ने बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सहदेव पुंडीर, नीरज चौधरी, योगेश सैनी, उदयवीर, नितिन राणा, विकास राणा आदि अध्यापकों ने खिलाड़ियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

# महिला को सम्मोहित कर कानों के कुंडल उतरवाए

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** घर से बाहर सामान लेने आई महिला को दो युवकों ने सम्मोहित करके उसके कानों के कुंडल उतरवा लिए।

बेसुध महिला को होश आने पर घटना घटित होने के बारे में पता चला। होश में आने पर महिला ने परि. जनों को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद थाना नगर कोतवाली चौकी नुमाइश कैंप में तहरीर देने पर दो अज्ञात लोगों के विरुद्ध शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की। थाना नगर कोतवाली चौकी नुमाइश कैंप के अंतर्गत गढ़ी मलूक गली नम्बर 1 की रहने वाली महिला रेखा पत्नी विजय कुमार ने शिकायती पत्र में बताया कि वह दोपहर लगभग ढाई-तीन बजे घर का सामान लेने नुमाईश कैम्प श्मशान घाट वाली रोड पर गई थी। वहां दो लड़के उसके पास आए और उससे पूछा की बैंक कहाँ पर है, हमें पैसे जमा करने हैं, फिर उसे पाँच सौ रुपए का नोट दिया और कहा कि देखना आंटी यह नोट नकली तो नहीं। जैसे उसने उस नोट को दिखा फिर उन्होंने उसे सम्मोहित करके उसके कानों के कुंडल उतरवा लिए और महिला को ई रिक्शा में बैठा कर मौके से फरार हो गए। दोनों लड़के सीसीटीवी कैमरे में साफ देखे जा रहे हैं। पीड़ित परिवार ने थाना नगर कोतवाली की चौकी नुमाइश कैंप में तहरीर देकर दो अज्ञात युवको के विरुद्ध शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

# बिहारीगढ़ व चिलकाना में शांतिपूर्ण शोभायात्रा के लिए सम्मानित

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**बिहारीगढ़।** सन्त शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 649वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम श्रद्धा, उत्साह और शांतिपूर्ण वातावरण में सकुशल संपन्न हुए। जयंती के उपलक्ष्य में रविदास मंदिर बिहारीगढ़ से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया, जो कस्बे के प्रमुख मार्गों से होती हुई भक्ति गीतों और जयघोष के साथ पुनः रविदास मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई।

शोभायात्रा में आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और पूरे कस्बे में भक्तिमय माहौल बना रहा। कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में थाना बिहारीगढ़ के थानाध्यक्ष अक्षय शर्मा ने अपनी पुलिस टीम के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था को लेकर पूरी जिम्मेदारी से कर्तव्य निभाया गया, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई। इसी क्रम में रविदास जयंती के सफल आयोजन के लिए रविदास मंदिर कमेटी बिहारीगढ़ द्वारा थानाध्यक्ष अक्षय शर्मा को रविदास मंदिर परिसर में स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। मंदिर समिति ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर मंदिर समिति के कार्यकारिणी पदाधिकारी एवं सदस्य परसा मिस्त्री, मगन सिंह, अंकित कुमार, निखिल कर्णवाल, श्रवण कुमार, राजकिशोर, मनजीत सिंह, गुलशन कुमार व कस्बा इंचार्ज सुरेन्द्र सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

**चिलकाना।** सुल्तानपुर नगर में श्री गुरु रविदास जयंती शोभायात्रा का आयोजन शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न होने के पश्चात श्रीगुरु रविदास प्रबंध समिति ने थाना पुलिस टीम तथा नगर पंचायत कर्मियों को सम्मानित किया।

प्रबंध कमेटी ने शोभायात्रा पर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए लिए जहां थाना प्रभारी विनोद कुमार, एसआई नरेंद्र सोलंकी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया है। वहीं साफ सफाई तथा पेयजल आदि अन्य व्यवस्थाओं के लिए नगर पंचायत के मुख्य लिपिक अशोक कुमार, सफाई नायक अमित वाल्मीकि सहित समस्त स्टाफ को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया है। इस दौरान प्रबंध कमेटी के आक. ाश काशी ने बताया है कि कस्बा चिलकाना सुल्तानपुर में निकाले जाने वाली शोभायात्रा समस्त क्षेत्र की सबसे बड़ी श्रीगुरु रविदास जयंती शोभायात्रा मानी जाती है। जिसके आयोजन को सकुशल सम्पन्न कराने में आयोजको के साथ साथ पुलिस प्रशासन की भी अहम भूमिका रहती है। पुलिस एवं प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था व सफाई व्यवस्था को संभाले रखना बड़ी जिम्मेदारी का कार्य है। इस अवसर पर प्रबंध समिति अध्यक्ष मास्टर संदीप, उपाध्यक्ष ईसम सिंह दुबे, महासचिव आकाश काशी, लेखाकार सोनित आदि मौजूद रहे।

# अवैध निर्माण पर एसडीए की कार्रवाई

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** सहारनपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर में अवैध निर्माणों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए सील एवं ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई 3 दिसम्बर 2018 को विभिन्न जोनों में की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सनवीन रुकृत के समीप मिशन जन्माउण्ड क्षेत्र में श्री कितवर द्वारा लगभग 8.37 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में पूर्व स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए गए तृतीय तल के निर्माण कार्य को सील किया गया। इसके अतिरिक्त जोन-01 में कॉलोनी विकास के नाम पर किए जा रहे अनधिकृत सड़क निर्माण कार्य पर भी कार्रवाई की गई। वहीं उत्तरापुरतापुर क्षेत्र में श्री इकरा. रमान द्वारा लगभग 2700 वर्ग मीटर भूमि में अवैध प्लॉटिंग किए जाने पर उसे भी सील किया गया। इसी क्रम में जोन-01 के अंतर्गत एक अन्य स्थान पर आवासीय उपयोग हेतु नियमों के विरुद्ध किए जा रहे चिन्हांकन कार्य को भी प्राधिकरण द्वारा तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया। यह संपूर्ण कार्रवाई कनिष्ठ अभियंता लाल बहादुर की उपस्थिति में संपन्न कराई गई। सहारनपुर विकास प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी अवैध निर्माणों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कदम उठाए जाते रहेंगे।

# टीएसआई से मिलकर व्यवस्थाओं पर की चर्चा

**सहारनपुर।** एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की सहारनपुर टीम ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष (राजनीतिक सेल) गौरव गाबा के नेतृत्व में यातायात प्रभारी सहारनपुर अमित तोमर से उनके कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में यातायात व्यवस्था से जुड़ी जनसमस्याओं एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव गाबा ने ट्रैफिक पुलिस द्वारा किए जाने वाले चालान, ई-रिक्शा से उत्पन्न समस्याएं, ट्रैफिक जाम, व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती तथा स्कूलों के बाहर बच्चों द्वारा लगाए जाने वाले वाहनों से संबंधित विषयों पर चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इस पर अमित तोमर ने संगठन को आश्वस्त किया कि दिए गए सुझावों पर शीघ्र विचार कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे तथा संबंधित समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा। साथ ही उन्होंने भविष्य में विभाग द्वारा चलाए जाने वाले जागरूकता अभियानों एवं कार्यक्रमों में एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की सहभागिता सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक में संगठन की ओर से गगन गुलाटी, विपुल खुराना, अपूर्व वर्मा एवं गगनदीप सिंह उपस्थित रहे।

**सहारनपुर।** कैंसर विश्व दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों को कैंसर की बीमारी की बारे मे जानकारी दी गई।

# श्रीमद भागवत महापुराण कथा को विश्राम

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** सिद्ध पीठ शिव बगलामुखी मंदिर में आयोजित अष्टम 23वें वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का समापन यज्ञ की पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ श्रद्धा एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्म लाभ अर्जित किया। भागवत कथा का रसपान कराते हुए आचार्य पंडित रोी. हत वशिष्ठ जी महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण भगवान श्री कृष्ण का वांग्मय स्वरूप है। उन्होंने बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने पृथ्वी लोक से प्रस्थान करते समय उद्धव जी की प्रार्थना पर एक रूप से गोलोक धाम को प्रस्थान किया और दूसरे रूप से श्रीमद् भागवत महापुराण में प्रविष्ट हो गए। कलयुग में भगवान श्री कृष्ण के दर्शन की कामना रखने वाले भक्तों को श्रीमद् भागवत महापुराण में ही उन्हें खोजना चाहिए, क्योंकि भागवत के माध्यम से ही भगवान की प्राप्ति संभव है। कथा का समापन श्रीमद् भागवत महापुराण की विधिवत पूजा एवं आरती के साथ किया गया। इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर धार्मिक लाभ अर्जित किया। इससे पूर्व आचार्य पंडित शुभम कौशिक एवं आचार्य पंडित कुलदीप शर्मा द्वारा यजमानों से देव पूजन एवं भागवत पूजन की विधिवत प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

# संगठन की मजबूती पर दिया बल, धरना प्रदर्शन का लिया गया निर्णय

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**देवबन्द।** भीम आर्मी भारत एकता मिशन एवं आजाद समाज पार्टी की बैठक में संगठन की मजबूती पर बल दिया गया। साथ ही विभिन्न मांगों को लेकर नौ फरवरी को एसडीएम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।

सांपला मार्ग स्थित भीम आर्मी भारत एकता मिशन एवं आजाद समाज पार्टी की आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष शौर्य अंबेडकर ने कहा कि बहुजन समाज के संवैधानिक अधिकारों, सम्मान और न्याय के लिए भीम आर्मी हर मोर्चे पर लो. कतांत्रिक और शांतिपूर्ण संघर्ष करती रही है। कहा कि संगठन यूजीसी बिल का समर्थन करती है।

बताया कि बहुजन समाज के महापुरुषों का अपमान, एससी/एसटी, ओबीसी एवं बहुजन समाज पर हो रहे अत्याचार, अन्याय व भेदभाव के विरोध में नौ फरवरी को धरना प्रदर्शन होगा। जिसमें बहुजन महापुरुषों के अपमान तथा उनके नाम पर बोर्ड हटाए जाने का विरोध किया जाएगा।

जनपद हरदोई में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज करने समेत अन्य मुद्दों को जोरशोर से उठाया जाएगा। कहा कि अन्याय के खिलाफ यह आंदोलन बहुजन समाज की एकजुटता और शौर्य का प्रतीक होगा। इस मौके पर नरेंद्र लांबा, नईम प्रधान, छोटू, कारी नौशाद, नितिन जाटव, रविकांत गौतम, अक्षय, प्रदीप, अंकित, सविंद्र आदि पार्टी के कार्यकर्ता शामिल रहे।

# मदरसा जामिया इमाम मोहम्मद अनवर शाह में बुखारी का पढ़ाया अंतिम पाठ

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**देवबन्द।** मदरसा जामिया इमाम मोहम्मद अनवर शाह में शब-ए-बरात की रात हदीस की सबसे बड़ी किताब बुखारी शरीफ मुकम्मल कराई गई। इसमें मोहतमिम मौलाना सैयद अहमद खिजर शाह मसूदी ने छात्रों को बुखारी का अंतिम पाठ पढ़ाया। उन्होंने छात्रों से इस्लाम की शिक्षाओं को अपनी जिंदगी में उतारने का आह्वान किया।

मंगलवार की रात ईदगाह रोड स्थित जामिया इमाम मोहम्मद अनवर शाह में आयोजित कार्यक्रम में मोहत. मिम एवं शेखुल हदीस मौलाना सैयद अहमद खिजर शाह मसूदी ने छात्रों से यहां रहकर हासिल की गई शिक्षा को दुनिया के कोने-कोने में फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब कोई छात्र दीन की तालीम हासिल कर मौलवी बन जाता है तब समाज की निगाहें उस पर टिक जाती हैं और उसके कार्यों को मिसाल बनाकर पेश किया जाता है। इसलिए छात्रों को चाहिए कि वे जिम्मेदारी के साथ इस्लाम की सही तसवीर दुनिया के सामने पेश करें। उन्होंने वर्तमान में मुस्लिमों के सामने खड़ी परेशानियों का जिक्र करते हुए कहा कि इससे घबराने की जरुरत नहीं बस अल्लाह की रस्सी को मजबूती से पकडने की जरूरत है। कार्यक्रम में शिक्षा पूर्ण करने वाले छात्रों की दस्तारबंदी भी की गई। अंत में मौलाना अहमद खिजर शाह ने देश व दुनिया में अमनो अमान और छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए दुआ कराई। इस मौके पर मौलाना अबू तलहा आजमी, मुफ्ती नवेद, मुफ्ती निसार खालिद, मौलाना हनीफ, मौलाना हमदान शाह, नजम उस्मानी, मौलाना साकिब, मौलाना सलीम उस्मानी अब्दुल्लाह उस्मान आदि शामिल रहे।

# छात्रों ने पोस्टरों के माध्यम से बताई खेलों की महत्ता

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**देवबन्द।** जामिया तिब्बिया कालेज में खेल सप्ताह आरंभ हुआ। जिसका उद्घाटन संस्था सचिव डा. अनवर सईद व प्रशासनिक अधिकारी डा. अख्तर सईद ने किया। छात्रों ने विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से खेलों की महत्ता को दर्शाया।

जामिया तिब्बिया प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में डा. अनवर सईद ने कहा कि खेलों का हमारे जीवन में अत्यंत महत्व है। छात्रों को शिक्षा के साथ ही खेलों में भी रूचि दिखानी चाहिए। खेलों में रोजगार के अवसर भी तलाशे जा सकते है। डा. अनवर ने यह भी बताया कि आयुष विभाग द्वारा 12 फरवरी को मसीहुल मुल्क हकीम अजमल खां के जन्मदिन को यूनानी डे घोषित किया गया है। संस्था में इस दिन आल इंडिया यूनानी तिब्बी कांफ्रेस और जामिया तिब्बिया के सौजन्य से कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. अनीस अहमद, प्रो. शमीम इरशाद, प्रो. अब्दुल हकीम, डा. अब्दुल खालिक, डा. फसीह, डा. नासिर अली खान, डा. उजैर अहमद, डा. इकरा हाशमी, डा. इशरत अली, डा.आसिफ, डा. कुदसिया जेहरा, शिबली इकबाल आदि छात्र-छात्राएं सहित कॉलेज का समस्त सटाफ शामिल रहे।

# मौलाना महमूद मदनी ने हाईकोर्ट फैसले का किया स्वागत

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**देवबन्द।** निजी जमीन पर धार्मिक इबादत या कार्यक्रम से संबंधित इलाहाबाद हाईकोर्ट के हालिया फैसले का मौलाना महमूद मदनी ने स्वागत किया है। उन्होनें कहा कि यह फैसला भारत के संविधाने के अनुच्छेद 25 के तहत मिली धार्मिक आजादी की पुष्टि करता है।

जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने जारी अपने बयान में कहा कि हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों विशेष रुप से उत्तर प्रदेश में केवल नमाज पढ़ने या दूसरे धार्मिक आयोजनों पर एफआईआर दर्ज की गई, गिरफ्तारियां की गईं और धार्मिक इबादत को अकारण ही कानून-व्यवस्था का मुद्दा बनाकर प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि देर आए दुरुस्त आए की तरह इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह फैसला अब बहुत स्पष्ट सांविधानिक दिशा-निर्देश प्रदान करता है और ऐसी सभी कार्रवाइयों के खिलाफ एक कठोर सांविधानिक चेतावनी है कि मौलिक अधिकारों को प्रशासन के विवेक के अंतर्गत सीमित नहीं किया जा सकता। साथ ही संविधान नागरिकों को इबादत (पूजा-पाठ) का अधिकार देता है, जिसे राज्य अपनी मर्जी से न छीन सकता और न हो रोक सकता है। मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि पवित्र रमजान का महीना करीब है और इस महीने में विशेष रुप से तरावीह और अन्य इबादतों का आयोजन किया जाता है। इस निर्णय के बाद उम्मीद है कि पिछले रमजान की तरह उत्तर प्रदेश पुलिस इस तरह की गैर सांविधानिक कार्रवाइयों से बचेगी और लोगों की इबादत में रुकावट नहीं डालेगी। उन्होंने सभी जिम्मेदार लोगों से हाईकोर्ट की कॉपी अपने पास सुरक्षित रखने का आह्वान किया। इसके साथ ही मौलाना महमूद मदनी ने चेतावनी अगर न्यायालय के फैसलों के बावजूद नागरिकों की धार्मिक आजादी, विशेषकर इबादत पर रोक लगाई गई तो सांविधानिक और कानूनी रास्ता अपनाने से भविष्य में भी जरा भी हिचकिचाया नहीं जाएगा।

# एडीएम के खिलाफ पंचायत सचिवों ने दिया धरना

## सचिवों के साथ एडीएम द्वारा किए गए गलत व्यवहार से आक्रोश, समाधान न होने तक दी धरना जारी रखने की चेतावनी

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**बागपत।** ग्राम पंचायत अधिकारी समप्वय समिति के नेतृत्व में ग्राम पंचायत सचिवों ने एडीएम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने बुधवार को एडीएम के खिलाफ विकास भवन में धरना दिया। डीडीओ के आश्वासन पर प्रति. निधि मंडल डीएम से वार्ता करने के लिए कलक्ट्रेट पहुंचा, मगर वार्ता सफल नहीं हुई, जिस पर ग्राम सचिवों ने एडीएम के माफी न मांगने तक कार्य का बहिष्कार कर धरना जारी रखने की चेतावनी दी।

विकास भवन में शनिवार को डिजिटल क्राप सर्वे की बैठक में अपर जिलाधिकारी ने सचिवों के साथ अभ्रद भाषा का प्रयोग किया था। उन्होंने सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की चेता. वनी देकर उन्हें बैठक से बाहर निकाल दिया था, जिसके विरोध में ग्राम सचिवों ने एडीएम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर माफी मांगने की मांग की थी। उन्होंने सोमवार को डीएम आवास पर डीडीओ को ज्ञापन देकर माफी न मांगने पर बुधवार से कार्य का बहिष्कार कर हड़ताल करने की चेतावनी दी थी। बुधवार को ग्राम सचिव एकत्रित होकर विकास भवन पहुंचे और एडीएम के खिलाफ धरना शुरू कर दिया। उन्होंने एडीएम के खिलाफ नारेबाजी की। धरने में पहुंचे जिला विकास अधिकारी राहलु वर्मा ने ग्राम सचिवों को डीएम से वार्ता करने के लिए कहा, जिस पर एक प्रतिनिध मंडल एडीएम के खिलाफ डीएम से वार्ता करने के लिए कलक्ट्रेट पहुंचा, मगर उनकी वार्ता विफल रही। ग्राम सचिवों का कहना था कि अधिकारियों को इस प्रकार की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। प्रशासन को पहले दो दिन का समय दिया गया था, लेकिन एडीएम ने उनके साथ की गई अभद्रता के लिए माफी नहीं मांगी।

उनका कहना था कि ग्राम सचिव एसआईआर, फैमिली आईडी, गोशाला का संचालन करने, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत से संबंधित कार्य, पेंशन, राशन कार्ड का सत्यापन सहित सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंन एडीएम के माफी न मांगने तक कार्य का बहिष्कार कर धरना जारी रखने की चेतावनी दी। इस मौके पर समिति के जिलाध्यक्ष संदीप कुमार, महामंत्री अंकुर भारद्वाज, दीपा मलिक, जोनी चौधरी, अमित कुमार, प्रिंस कुमार जैन, विपिन कुमार, गौरव तोमर, अनुज कुमार, पवन राणा, राहुल कुमार, भूपेन्द्र, देशपाल, बोबी, अमित वर्मा, विक्रांत, संदीप, प्रदीप कुमार, हरिओम त्यागी आदि मौजूद रहे।

**सार्वजनिक सूचना**

मेरी पुत्री रेशु शर्मा हमारे कहने सुनने में नहीं है, उसके गलत व्यवहार के कारण मैं उसे अपनी जल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं, भविष्य में उसके किसी कृत्य अथवा लेनदेन के लिए मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होंगे।

**अरुण कुमार पुत्र श्री चंद्रमोहन**
निवासी: ग्राम लखनौती कला, पोस्ट पुंवारका, थाना देहात कोतवाली जिला सहारनपुर।

# झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई जारी

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रटौल।** जिलाधिकारी के आदेश के चलते रटौल में झोलाछाप डाक्टरों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। तहस. ीलदार वृतिका श्रीवास्तव ने रटौल पहुंच झोलाछाप डाक्टरों के यहा छापेमारी की जिससे अधिकांश डाक्टर दुकान बंद कर फरार हो गये जबकि तीन डाक्टरों के यहा पहुंच उन्हें कागजात दिखाने को कहा गया है।

जिले में झोलाछाप डाक्टरों की भरमार के चलते डीएम ने सख्त कदम उठाये है, उन्होंने बागपत में जहा भी झोलाछाप डाक्टर है उनके खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिये है। रटौल कस्बें में तहसीलदार वृतिका श्रीवास्तव ने दोपहर को पहुंच झोलाछाप डाक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की। उन्होंने सबसे पहले कैनरा बैक के समीप एक चिकित्सक के यहा छापा मार जहा मौजूद चिकत्सक ने अपने कागजात दिखाने में असमर्थता दिखाई। रटौल में झोलाछाप डाक्टरों के खिलाफ कारवाही की सूचना पर कस्बे मे मौजूद चिकित्सक दुकानें बंद कर फरार हो गये, जिसके बाद तहस. ीलदार मेन बाजार में पहुंची जहा उन्होंने दो चिकित्सकों के यहा पहुंच कागजात दिखानें को कहा और चेतावनी देते हुए कहा कि जनता के स्वास्थ के साथ खिलवाड़ नही होने दिये जायेगा। उन्होंने वहा मौजूद मरीजों से सरकारी अस्पताल में अपने मरीजों को दिखाने को कहा। वही तीन चिकित्सको को कागज दिखाने को कहा जहा सन्तुष्ट जवाब ने मिलने पर उनकी दुकान पर ताला लगवाया गया। तहसीलदार वृतिका श्रीवास्तव ने बताया कि झोलाछाप डाक्टरों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। अवैध रूप से किसी को क्लिनिक नही खोलने दिया जायेगा। इस मौकें पर लेखपाल रवि खोकर, योगेश, जयबीर, महबूब मोंटी आदि मौजूद रहे।

# हिंदू पक्ष के लोगों ने डीएम से की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**बागपत।** सरूरपुर कलां गांव में वसंत रखने को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज हिंदू पक्ष के लोग (उत्पीड़न) और (मकान बिकाऊ) लिखे पोस्टर लेकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने डीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कर ठोस कार्रवाई की मांग की।

यह विवाद लगभग 2 सप्ताह पहले सरूरपुर कलां गांव में वसंत (होलिका दहन से पूर्व की रस्म) रखने को लेकर शुरू हुआ था। मुस्लिम पक्ष ने आरोप लगाया था कि कब्रिस्तान की जमीन पर जेस. ीबी से खुदाई की जा रही है, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इस घटना से गांव में तनाव की स्थिति बन गई थी। मुस्लिम पक्ष के अनुसार, यह लगभग 200 साल पुराना कब्रिस्तान है जिस पर कुछ लोग कब्जा करना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि रात में जेसीबी से खुदाई कर चार-पांच कब्रों को नुकसान पहुंचाया गया, जिससे हड्डियां बाहर निकल आईं। हंगामा होने पर हढियों को दोबारा मिट्टी से ढक दिया गया था। मुस्लिम पक्ष ने कब्रिस्तान की चहारदीवारी कराने की भी मांग की थी। वहीं, हिंदू पक्ष के लोग ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से डीएम कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि कब्रिस्तान के पास की जमीन पर वर्षों से होलिका दहन किया जाता है। वसंत रखने के लिए तालाब के पास की जमीन पर जेस. ीबी से रास्ता साफ कराया जा रहा था, तभी पुलिस ने काम रुकवा दिया था। जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर हिंदू पक्ष के लोगों ने फिर से अपनी मांग दोहराई। उन्होंने जिलाधिकारी अस्मिता लाल से कहा कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे अपने मकान बेचकर मुस्लिम धर्म अपनाने को मजबूर होंगे। उनका कहना है कि यह पूरा विवाद वसंत रखने को लेकर है और पिछले वर्ष भी इसी मुद्दे पर विवाद हुआ था। इस संबंध में अनिल कुमार ने कहा कि यदि प्रदेश में भाजपा सरकार होने के बावजूद उन्हें न्याय नहीं मिलेगा तो आखिर कब मिलेगा। फिलहाल, अधिकारी मामले की जांच-पड़ताल में जुटे हुए हैं।

# सड़क, बिजली, पेयजल व नगरीय विकास में बड़े निवेश का किया प्रावधान:सैनी

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**बागपत।** भाजपा जिला कार्यालय में प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री व प्रभारी मंत्री जशवंत सैनी ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि 01 फरवरी को प्रस्तुत किया गया केंद्रीय बजट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-2047 और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने का एक सशक्त और दूरदर्शी विजन डॉक्यूमेंट है। जशंवत सैनी ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने आमजन की सुविधाओं, नवाचार, आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन और समावेशी विकास पर निरंतर ध्यान केंद्रित किया है। इसी सोच का स्पष्ट प्रतिबिंब बजट 2026-27 में भी देखने को मिलता है, जिसे किसान, युवा, महिला, उद्यमी और मध्यम वर्ग सहित सभी वर्गों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

सरकार ने आधारभूत संरचना को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हुए इसमें अब तक का सबसे निरंतर और मजबूत निवेश किया है। वर्ष 2014-15 में जहां इन्फ्रा बजट मात्र 2 लाख करोड़ रुपये था, वहीं इसे चरणबद्ध रूप से बढ़ाकर अब 12.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बजट को जनकल्याणकारी और दूरदर्शी बताते हुए कहा कि सड़क, बिजली, पेयजल और नगरीय विकास में बड़े निवेश का प्रावधान किया गया है, जिससे बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। राज्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय, डा.शराफत अली, मीडिया प्रभारी पवन शर्मा, सूरजपाल सिंह, कुलदीप भारद्वाज, सचिन आर्य, ओम कश्यप आदि मौजूद रहे।

# मंगलाचरण के साथ विधान कार्यक्रम का शंखनाद

**बडौत।** नगर में जैन समाज द्वारा कार्यक्रम आयोजित आचार्य विमर्श सागर महाराज के सन्निधि में 8 फरवरी से प्रारंभ होने जा रहे समोशरण महामंडल विधान के पात्रों का मंगलाचरण कार्यक्रम, अजितनाथ सभागार में भारी जन समूह के मध्य संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मयूर नाटिका ग्रुप ने नवकार मंत्र की नृत्य नाटिका से किया। इसके बाद चक्रवर्ती मुकेश कुमार नितिन जैन को समाज द्वारा तिलक किया गया और शुभकामनाएं दी। विधान के सौधर्म इंद्र नरेश चंद जैन,कुबेर इंद्र अजय जैन और यज्ञनायक तरुण जैन द्वारा इस अवसर पर भक्तिपूर्ण नृत्य प्रस्तुत किया गया और आचार्य श्री से आशीर्वाद लिया गया।

# ब्राह्मण समाज के लोगों ने कोतवाली में दिया धरना

**बडौत।** नगर में रविवार देर रात नगर की एक कॉलोनी में अश्लील हरकतों का विरोध करने पर एक महिला पर फायरिंग की गई थी। इसमें महिला बाल बाल बच गई थी। फायरिंग करने गाली गलौज करने अपहरण का मामला बडौत कोतवाली में दर्ज कराया गया था।

पुलिस ने राजकुमार वर्मा व उसके बेटे प्रिंस पुत्री वर्मा के खिलाफ प्राथमिक मामला दर्ज किया था। आज ब्राह्मण समाज के लोगों ने बडौत कोतवाली में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर मुकदमे से धारा 307 को निकाल देना गलत बताते हुए उसका विरोध करते हुए कोतवाली में धरना दिया।

# फातिया पढकर लौट रहे युवक को ट्रक ने मारी टक्कर

**शाह टाइम्स संवाददातां**

**रटौल।** पांची गांव में शब-ए बरात की रात्रि गांव के पांच युवक रटौल पांची मार्ग पर स्थित कब्रिस्तान में फातिया पढने गये थे। रास्ते में एक ट्रक चालक ने उन्हें टक्कर मार दी जिसमे एक युवक घायल हो गया जबकि चार युवकों ने कूदकर अपनी जान बचाई।

शब -ए बरात के मौकें पर मुस्लिमों में रात को इबादत की जाती है यह रात मगफिरत कराने की रात होती है जिसमें मुस्लिम समाज के लोग रात भर खुदा की इबादत करते है। वही अपने परिवार के मरहूम के लिए कब्रिस्तान जाकर उनकी मगफिरत के लिये भी दुआ करते है और रोजा रखते है। पांची निवासी 18 वर्षीय अरशद पुत्र साबिर अपने चार साथियों के साथ रटौल पांची मार्ग पर स्थित कब्रिस्तान में जा रहा था। रोड़ पर एक नशे मे घुत ट्रक चालक ने उन्हें टक्कर मार दी जिसमे अरशद चपेट में आकर दूर जा गिरा जबकि अन्य चार साथियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। घायल अरशद को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया जहा उसकी हालत चिन्ताजनक बनी हुई है। वही पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है।

# भारत-पाक मैच जरूर होना चाहिए: ब्रेट ली

● कहा: दुनियाभर के फैंस भारत-पाक मैच का बेसब्री से इन्तजार रह रहें है

**दुबई, वार्ता।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप मैच होना चाहिए, क्योंकि दुनिया भर में फैंस इस मैच का बेसब्री से इन्तजार कर रहे हैं। क्रिकेट के लीजेंड ब्रेट ली ने मिडिल ईस्ट में क्रिकेट स्टोरीटेलिग के एक नए दौर की शुरुआत की, मिस्टर क्रिकेट यूएई पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में उन्होंने बोल्ड बयान, बेखौफ भविष्यवाणियां और एक्सपर्ट इनसाइट दीं, साथ ही मिस्टर क्रिकेट यूएई के फाउंडर अनीस साजन भी थे। इस एपिसोड ने मीडिया ग्रुप के लिए पॉडकास्ट स्टूडियो का ऑफिशियल उद्घाटन भी किया। शो के सबसे दमदार पलों में से एक तब आया जब ब्रेट ली ने क्रिकेट की सबसे मशहूर दुश्मनी के बारे में कहा कि मुझे सच में उम्मीद है कि इंडिया बनाम पाकिस्तान मैच होगा।

मुझे उम्मीद है कि उन्हें मौका मिलेगा। दुनिया भर के अरबों फैन्स इस मैच का इंतजार करते हैं। यह बात दुनिया भर के फैन्स के दिलों में तुरंत बैठ गई, जिससे दुश्मनी के कल्चरल और कमर्शियल लेवल को और पक्का किया गया।

**बातचीत की खास बातें:** सुपर 8 के लिए ब्रेट ली की टूर्नामेंट की भविष्यवाणी, जो सेमी फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे जब दुनिया आने वाले इंटरनेशनल टूर्नामेंट पर फोकस कर रही थी, तो ली ने अपनी एक्सपर्ट राय शेयर की, आपको इंडिया, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के साथ जाना होगा। न्यूजीलैंड इस टूर्नामेंट के लिए मेरे डार्क हॉर्स हैं।

**वर्ल्ड कप विनर:** उन्होंने भविष्यवाणी की कि अहमदाबाद में इंडिया के खिलाफ फाइनल में ऑस्ट्रेलिया जीतेगा। ऑस्ट्रेलिया के पास बड़े टूर्नामेंट के लिए बैलेंस, अनुभव और जीतने का माइंडसेट है। इंडिया बनाम पाकिस्तान: किसका पलड़ा भारी है?

**कागज पर पसंदीदा: इंडिया**
**वाइल्डकार्ड: पाकिस्तान**

इंडिया और पाकिस्तान में से किसी एक को चुनना ऐसा है जैसे कोई कहे: 'तुम्हारा पसंदीदा बेटा कौन है? चुनना मुश्किल है क्योंकि दोनों ही शानदार टीमें हैं। चलो इस पर से पॉलिटिक्स हटाते हैं। मैं सिर्फ क्रिकेट के बारे में सोच रहा हूं। अगर आप दोनों टीमों को देखें, तो आपको कहना होगा, कागज पर, इंडिया ज्यादा मजबूत है, सिर्फ क्रिकेट के नजरिए से। और मुझे सच में उम्मीद है कि मैच होगा। मुझे सच में उम्मीद है कि उन्हें मौका मिलेगा, क्योंकि यह बहुत रोमांचक होने वाला है। जब इंडिया और पाकिस्तान एक-दूसरे के साथ खेलते हैं तो पूरी दुनिया देखती है। जिन क्रिकेटरों पर नजर रखनी चाहिए

टूर्नामेंट का सबसे अच्छा बॉलर - वरुण चक्रवर्ती मैं उस खिलाड़ी को चुनना चाहता हूं जो इस टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट ले सकता है, वरुण चक्रवर्ती। मुझे लगता है कि यह उसकी जदिगी का सबसे अच्छा समय है, उसका फॉर्म इस बार कैसा होगा, ऐसे विकेट जो उसके लिए सही होंगे। जिस तरह से वह बैट्समैन को परेशान कर सकता है। मुझे लगता है कि यह उसके लिए तय है। यह उसका वर्ल्ड कप है।

सबसे ज्यादा रन बनाने वाला - सूर्यकुमार यादव- मेरे लिए यह सूर्यकुमार यादव हैं, स्काई ही लिमिट है

पेस अभी भी टूर्नामेंट क्यों जिताता है- तेज बॉलिग खेल के सबसे रोमांचक हिस्सों में से एक है और मुझे लगता है कि डेथ ओवरों में स्पिनरों को मारना आसान होता है। बैट्समैन स्पिन और मीडियम पेस के खिलाफ सच में चालाक हो रहे हैं लेकिन प्योर पेस तो प्योर पेस ही होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन सा फॉर्मेट खेल रहे हैं, टेस्ट, वनडे या टी-20 तेज बॉलरों में जसप्रीत बुमराह एक अजीबोगरीब गेंदबाज हैं। वह बहुत अच्छा है। काश मैंने बुमराह के साथ खेला होता और काश वह मेरी टीम में होता क्योंकि वह बहुत अच्छा है।

## खेल विशेष

## हर सफर में दम है के साथ नजर आएंगे क्रिकेट के सितारे

**गुरुग्राम, वार्ता।** भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य स्पॉन्सर अपोलो टायर्स ने आज अपना नया ब्रांड कैंपेन, 'हर सफर में दम है शुरू किया। इस कैंपेन में क्रिकेट आइकन तेंदुलकर के साथ टीम इंडिया के क्रिकेटर विराट को. हली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, गिल और अर्शदीप ऑफिशियल टीम इंडिया जर्सी में नजर आएंगे। एक भावुक ब्रांड फिल्म के साथ चलाया जा रहा यह कैंपेन भारतीय क्रिकेट की चिरस्थाई भावना और अपोलो की फिलॉसफी के बीच समानता को पेश करता है। मशहूर फिल्म निर्माता, अभिनय देव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ए-आर-रहमान के प्रतिष्ठित गीत, 'मां तुझे सलाम' के साथ इन चारों क्रिकेटरों के बचपन से लेकर अब तक का सफर और उनके परिवारों को दिखाया गया है, जिन्होंने उनके क्रिकेटर बनने का सपना सच करने के लिए हर मुश्किल का सामना किया, पर देश के गौरव को हमेशा सबसे ऊपर रखा। इस फिल्म में ना केवल भारत का प्रतिनिधित्व करने का एक सपना दिखाया गया है, बल्कि यह गौरव अर्जित करने, उसे कायम रखने और अपने जीवन में उसे बनाए रखने के लिए जरूरी स्टैंडर्ड, अनुशासन और दृढ़ता को भी पेश किया गया है। इस फिल्म में इन क्रिकेटर्स के बचपन से लेकर टीम इंडिया की जर्सी पहनने तक उनका साहसी सपना सच होने की कहानी दिखाई गई है कि वो किस प्रकार लाखों लोगों की भावनाओं को ना केवल अपनी प्रतिभा के बल पर, बल्कि सबसे अच्छा बनने की प्रतिबद्धता के साथ दुनिया के मंच पर ले गए। इस कहानी के साथ-साथ दिग्गज क्रिकेटर और अपोलो टायर्स के ब्रांड एंबेसडर, सचिन तेंदुलकर को भी दिखाया गया है। वो क्रिकेटर्स की कई पीढ़ियों और लाखों भारतीयों की प्रेरणा हैं, वो उस स्थाई विरासत, मूल्यों और मानकों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो आज भी भारतीय क्रिकेट को परिभाषित करते हैं।

# सचिन ने मुंबई के रणजी खिलाड़ियों को किया प्रेरित

**मुंबई, वार्ता।** क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने आज मुंबई रणजी टीम से बात की और उन्हें आने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल की तैयारी के लिए मोटिवेट किया, जो बीकेसी के एमसीए ग्राउंड पर होगा।

सचिन ने मुंबई टीम के ड्रेसिंग रूम में बाकायदा खिलाड़ियों से बात की और उन्हें बताया कि उन्हें मैदान पर क्या करना चाहिए। मुंबई की टीम रणजी ग्रुप डी में सात मैच में चार जीत और तीन ड्रा के साथ 33 अंक लेकर क्वार्टरफाइनल में पहुंच चुकी है जहां उसका मुकाबला कर्नाटक से मुंबई में होगा। शार्दुल ठाकुर और यशस्वी जायसवाल को कर्नाटक के खिलाफ छह फरवरी से शुरु होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के लिए 16 सदस्ईय टीम में शामिल किया गया है। ठाकुर और जायसवाल दोनों अलग-अलग कारणों से पिछले कुछ मैच नहीं खेल पाए थे।

ठाकुर चोट की वजह से बाहर थे, जबकि जायसवाल के न खेलने का कारण मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को भी नहीं पता था। मुंबई 42 बार की रणजी चैंपियन है। मुंबई टीम इस प्रकार है:- शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, मुशीर खान, अखिल हरवाडकर, सिद्धेश लाड, सरफराज खान, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), साईराज पाटिल, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, तुषार देशपांडे, मो. हित अवस्थी, ओंकार तरमाले, दिव्एश सक्सेना और सूर्यांश शेडगे।

# मौजूदा भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम: धोनी

● टी-20 विश्व कप 2026 में वह सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरेगी

**नई दिल्ली, वार्ता।** पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का मानना है कि मौजूदा समय में भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम है और शनिवार से शुरु हो रहे टी-20 विश्वकप 2026 में वह सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरेगी।

धोनी ने एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि एक अच्छी टीम के लिए जो कुछ भी चाहिए, सब कुछ इसमें मौजूद है। विशेष रूप से इस प्रारूप में इनके पास अनुभव की कोई कमी नहीं है। उन्होंने दबाव में खेला है। टीम में जो भी खिलाड़ी जिस भी भूमिका में है, वह उस भूमिका को काफी समय से निभाता आ रहा है। धोनी के इस भरोसे की आंकड़े भी गवाही देते हैं। पूर्व चैंपियन भारतीय टीम ने अक्तूबर 2023 से अब तक खेले गए टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 51 बार जीत का स्वाद चखा है, जबकि आठ मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। टीम की ताकक उसकी विस्फोटक बल्लेबाजी है, जहां बड़े-बड़े सिक्सर जड़ने वाले खिलाड़ी मौजूद हैं। गेंदबाजी में भी भारत का पलड़ा भारी है। भारत के पास जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो सबसे अच्छे गेंदबाज मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि जो चीज मुझे परेशान करती है, वह है ओस। मुझे ओस बिल्कुल पसंद नहीं है। ओस बहुत कुछ बदल देती है। जब मैं स्वयं खेलता था, तब भी ओस से सबसे अधिक डर लगता था।

# इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराया, सीरीज भी जीती

● सैम करन ने 58 रन और जैकब बेथल चार विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई

**श्रीलंका, वार्ता।** सैम करन (58) की अर्द्धशतकीय पारी के बाद जैकब बेथल (चार विकेट) और विल जैक्स (तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने तीसरे टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 12 रनों से शिकस्त दी। इसी साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली। जैकब बेथेल ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 11 रन देकर चार विकेट झटके। उन्होंने 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर महीश तीक्षणा (दो) को आउटकर 116 के स्कोर पर श्रीलंका की पारी का अंत कर दिया। श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस ने सर्वाधिक 26 रन बनाए। पुथुम निसंका (23), जनित लियानगे (17), कामिडु मेंडिस (14) और पवन रत्नायके 13 रन बनाकर आउट हुए। विल जैक्स ने जहां शुरुआती विकेट लिए वहीं बेथेल ने अपनी आखिरी आठ गेंदों में चार विकेट लेकर श्रीलंका की पारी का अंत किया। इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। इस फैसला इंग्लैंड के लिए घातक हुआ और उसके बल्लेबाज श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे संघर्ष करते नजर आए। जॉस बटलर (25) को छोड़कर उसके शुरुआत चार बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। छठें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सैम करन ने बटलर के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। आठवें ओवर में महीश तीक्षणा ने बटलर को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद दुश्मांता चमीरा ने इंग्लैंड के निचले बल्लेबाजी क्रम को तहस नहस कर दिया। केवल सैम करन ही जुझारू अर्धशतकीय पारी खेल सके। सैम करन ने 48 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 58रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली और इंग्लैंड के स्कोर निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 128 तक पहुंचाया।

# हितेश, प्रीति ने दिलाई जबरदस्त शुरुआत

● भारत की तरफ से वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स के चैंपियन हितेश गुलिया 70 किग्रा और प्रीति 54 किग्रा ने शानदार प्रदर्शन किया

**ला नुसिया, वार्ता।** भारत ने बॉक्सम एलिट इंटरनेशनल मुक्केबाजी 2026 में अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की, इस मशहूर टूर्नामेंट के पहले दिन कई शानदार प्रदर्शन किए, जिसमें 21 देशों के 214 बॉक्सर हिस्सा ले रहे हैं। भारत की तरफ से वर्ल्ड बॉक्सिग कप फाइनल्स के चैंपियन हितेश गुलिया (70किग्रा) और प्रीति (54किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन किया, दोनों ने शानदार जीत हासिल की और भारत ने कई वेट कैटेगरी में जीत हासिल की। हितेश ने पुरुषों के 70 किग्रा के एलीट मुकाबले में पूरा कंट्रोल रखा, उन्होंने नीदरलैंड्स के फिन बोस को 5:0 के बड़े अंतर से हराया। शांत, सधे हुए और तेज, इस भारतीय ने अपनी खास रिग इंटेलिजेंस और टाइमिग का प्रदर्शन करते हुए शुरू से आखिर तक मैच पर कब्जा कर लिया। इससे पहले, प्रीति ने एलीट महिलाओं के 54किग्रा डिवीजन में कजाकिस्तान की आलियास्कर सिम्बत पर 5-0 से शानदार जीत हासिल करके माहौल बनाया। उन्होंने अपने तेज कॉम्बिनेशन और डिसिप्लिन्ड डिफेंस का इस्तेमाल करके अपनी विरोधी को पूरी तरह से हरा दिया। भारत की महिलाओं ने अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा, जिसमें प्राची (57किग्रा), प्रिया (60किग्रा) और काजल (65किग्रा) सभी शानदार तरीके से आगे बढ़ीं। प्राची और प्रिया ने क्रमशः स्पेन की वेनेसा मोरेल रामिरेज और कनाडा की एलेसिया मानसुएटो पर 5-0 से एक जैसी जीत हासिल की, जबकि काजल ने एक कड़े मुकाबले में कजाकिस्तान की असेम तनातर को 4-1 से हराया। पुरुषों के ड्रॉ में, भारत ने लगातार पक्के प्रदर्शन से दबाव बनाया। सचिन (60किग्रा) ने स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5-0 से हराया, जबकि मोहम्मद हुसैन उद्दीन (60किग्रा) ने डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुकदे. मिर को 4-1 से हराया। अभिनाश (65किग्रा) ने डेनमार्क के कलीद पर 5-0 से क्लीन जीत हासिल करके सबको इम्प्रेस किया, और दीपक (70किग्रा) ने बेल्जियम के हॉर्नेल के खिलाफ 4-1 से सॉलिड जीत हासिल की। आकाश (75किग्रा) और अंकुश (80किग्रा) भी 4-1 से जीत के साथ आगे बढ़े, हालांकि आदित्य (65किग्रा) इंग्लैंड के जो टर्नर के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद बाहर हो गए।

# शुअर्ड ने फिटनेस व टीम में एकजुटता पर जोर दिया

**नई दिल्ली, वार्ता।** भारतीय महिला हॉकी टीम के चीफ कोच शुअर्ड मरिने , जो चार साल के ब्रेक के बाद दिसम्बर 2025 में महिला प्रोग्राम में लौटे थे, ने इस बात पर जोर दिया है कि उनका अभी का फोकस अच्छी तरह से तय है।

लॉस एंजेलिस ओलंपिक साइकिल में बड़े असाइनमेंट पर नजर रखते हुए, डचमैन ने टीम में मजबूत केमिस्ट्री बनाने और साथ ही पूरी टीम में फिटनेस स्टैंडर्ड को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया है। शुअर्ड मरिने ने साई को बताया कि अभी हमारी पहली प्राथमिकता फिटनेस है, जो हमारे लिए बहुत जरूरी है। इसके साथ ही, हमारा फोकस एक साथ आने और एक मजबूत यूनिट के तौर पर काम करने पर है। ष्वहां से, हम टेक्नीक जैसी बाकी सभी चीजों पर काम कर सकते हैं। महिला टीम की नजरें हैदराबाद में 8-14 मार्च तक होने वाले महिला वर्ल्ड कप क्वालिफायर, एशियन गेम्स 2026 और एलए 2028 ओलंपिक साइकिल में आने वाले बड़े कॉम्पिटिशन पर हैं। मरिने, जिनके गाइडेंस में भारतीय महिला टीम ने टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया, ने बेंगलुरु में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के रीजनल सेंटर में चल रहे नेशनल कोचिग कैंप की जम्मिेदारी तुरंत संभाल ली, जो 18 फरवरी तक चलेगा। कैंप में शुरू में 49 खिलाड़ी थे - 43 सीनियर और छह जूनियर - इससे पहले हॉकी इंडिया द्वारा किए गए सिलेक्शन ट्रायल के बाद ग्रुप को घटाकर 29 कर दिया गया था। इंडियन टीम के साथ ट्रेनिग के पिछले कुछ हफ्तों को याद करते हुए, मरिने ने कहा कि हम अभी भी एक-दूसरे को जान रहे हैं। हालांकि मैं पहले के कुछ खिलाड़ियों को जानता हूं, लेकिन अभी तक सभी को मैं नहीं जानता।

# लंबे समय में, कोई भी पाक को मिस नहीं करेगा: कपिल

● कपिल देव ने आने वाले विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने के पाक के फैसले की आलोचना की

**नई दिल्ली, वार्ता।** भारत के पूर्व वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने आने वाले वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने के पाकिस्तान के फैसले की आलोचना की है।

इससे पहले, देश की सरकार ने टीम को टूर्नामेंट खेलने के लिए कहा था, हालांकि, उसने भारत के खिलाफ नहीं खेलने के लिए कहा। कपिल देव ने कहा कि अगर यह फैसला खिलाड़ियों की तरफ से आता, तो इस पर विचार किया जा सकता था, लेकिन जैसा कि यह बोर्ड की तरफ से आ रहा था, उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों की पीढ़ी खत्म हो जाएगी और यह भी कहा कि लोग उनसे आगे बढ़ जाएंगे। कपिल देव ने एक समाचार चैनल पर कहा कि अगर फैसला खिलाड़ियों ने लिया है, तो वे सामने आकर कह सकते हैं। लेकिन, अगर बोर्ड कहता है कि आप नहीं खेलेंगे, तो देश की रेप्युटेशन कम होती है। पाकिस्तान के लिए यह अच्छा नहीं लग रहा है। आप पीढ़ी को खत्म कर रहे हैं। पाकिस्तान ने हमें इतने सालों में शानदार टैलेंट दिया है। लेकिन अगर आप इन लड़कों को वर्ल्ड कप में खेलने नहीं देंगे, तो आप पीढ़ी को खत्म कर रहे हैं और खेल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। आप अपने ही खिलाड़ियों के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं। कपिल देव ने कहा कि अगर वे समय रहते भारत के खिलाफ मैचों का बॉयकॉट करते हैं, तो वे फैंस खो देंगे, और लोग उनसे आगे बढ़ जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि भावनाओं और दर्शकों पर असर पड़ेगा। लेकिन, लंबे समय में, कोई भी उन्हें मिस नहीं करेगा। लोग इसके बारे में लंबे समय तक नहीं सोचेंगे, और वे आखिरकार आगे बढ़ जाएंगे। दूसरी ओर, आईसीसी ने चेतावनी दी है कि इस तरह के फैसले का पाकिस्तान के क्रिकेट भविष्य पर असर पड़ेगा। आईसीसी की एक प्रेस रिलीज में लिखा है कि आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी अपने देश में क्रिकेट पर इसके बड़े और लंबे समय तक चलने वाले असर पर विचार करेगा, क्योंकि इससे ग्लोबल क्रिकेट इकोसिस्टम पर असर पड़ने की संभावना है, जिसका वह खुद सदस्य और फायदा उठाने वाला है। रविवार को एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा गया था कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आईसीसी वर्ल्ड टी20 2026 में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है( हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी को भारत के खलिाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

# शिनोजादा और नियाजई के शतक अफगानिस्तान ने बनाए 310/4

● अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया

**हरारे, वार्ता।** फैसल शिनोजादा (110 ) और उजैरुल्लाह नियाजई (नाबाद 101) की शानदार शतकीय पारियों के दम पर अफगानिस्तान ने बुधवार को अंडर-19 विश्व. कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ चार विकेट पर 310 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

यहां अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी उस्मान सादत और खालिद अहमदजई की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। 13वें ओवर में दीपेश देवेंद्रन ने खालिद अहमदजई को आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। अहमदजई ने 39 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रन बनाए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए फैसल शिनोजादा ने उस्मान सादत के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। 25वें ओवर में कनिष्क चौहान ने उस्मान सादत को आउटकर पवेलियन भेज दिया। उस्मान सादत ने 70 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 39 रन बनाए। फैसल शिनोजादा और उजैरुल्लाह नियाजई के बीच तीसरे विकेट के लिए 148 रनों की साझेदारी हुई। 46वें ओवर में दीपेश देवेंद्रन ने फैसल शिनोजादा को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। फैसल शिनोजादा ने 93 गेंदों में 15 चौके लगाते हुए 110 रनों की पारी खेली। 49वें ओवर में कनिष्क चौहान ने अजिजुल्लाह मियाखिल (12) को आउट कर अपना दूसरा विकेट लिया। अफगानिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में चार विकेट पर 310 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। नियाजई ने 86 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाए।

# नेमार वर्ल्ड कप टीम में वापसी के करीब

● फॉरवर्ड नेमार ने दिसम्बर में अपने बाएं घुटने की सर्जरी के बाद से कोई मैच नहीं खेला

**रियो डी जेनेरो, वार्ता।** सैंटोस के फॉरवर्ड नेमार चोट से वापसी के करीब हैं, क्योंकि वह ब्राजील की 2026 फीफा वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने की को. शिश कर रहे हैं। 33 साल के नेमार ने दिसम्बर में अपने बाएं घुटने की आर्थोस्कोपिक सर्जरी के बाद से कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन इस हफ्ते पूरी ट्रेनिग पर लौट आए हैं। बुधवार को साओ पाउलो के खिलाफ सैंटोस के घरेलू ब्राजीलियन सीरी ए मैच में उनके खेलने की उम्मीद कम है, हालांकि मैनेजर जुआन पाब्लो वोज्वोडा ने कहा कि वह बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार को जल्दबाजी में वापस नहीं लाएंगे। नेमार ने पिछले साल सभी कॉम्पिटिशन में सैंटोस के लिए 28 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 11 गोल किए और चार असिस्ट किए। अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालीफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फटने के कारण एक साल से ज्यादा समय तक बाहर रहने के बाद उनका कैंपेन चोटिल हो गया। ब्राजील के ऑल-टाइम लीडिंग स्कोरर वर्ल्ड कप के लिए फिट होने के लिए समय के खिलाफ रेस में हैं, जो 11 जून से 19 जुलाई तक यूनाइटेड स्टेट्स, मैक्सिको और कनाडा में चलेगा। उन्होंने दो साल से ज्यादा समय से अपने देश को रिप्रेजेंट नहीं किया है और ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने कहा है कि वह सिर्फ उन्हीं खिलाड़ियों पर विचार करेंगे जो अपने क्लब के लिए रेगुलर खेल रहे हैं।

## नेवेल्स का लक्ष्य मेसी की घर वापसी

**ब्यूनस आयर्स, वार्ता।** लियोनेल मेसी के बचपन के क्लब, नेवेल्स ओल्ड बॉयज ने अगले साल वर्ल्ड कप विनर को शॉर्ट-टर्म डील पर साइन करने का प्लान बताया है। अर्जेंटीना टीम के वाइस प्रेसिडेंट, जुआन मैनुअल मेडिना ने कहा कि क्लब ने 2024 से इस प्लान पर चर्चा की थी, लेकिन 38 साल के खिलाड़ी के साथ किसी भी सीधी बातचीत की डिटेल्स नहीं दी। मेडिना ने अर्जेंटीना के न्यूज आउटलेट टीएन को बताया कि हम 2027 के पहले हाफ में नेवेल्स के लिए लियो के खेलने पर काम कर रहे हैं, लेकिन अभी के लिए इससे ज्यादा कुछ नहीं है। मेसी ने 1995 में नेवेल्स में अपना यूथ करियर शुरू किया और 2000 के आखिर में 13 साल की उम्र में बार्सिलोना के साथ साइन किया। अभी उनका कॉन्ट्रैक्ट दिसम्बर 2028 तक इंटर मियामी के साथ है, जिसका मतलब है कि उन्हें एमएलएस क्लब से खास परमिशन लेनी होगी। मेडिना ने कहा कि यह एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो नेवेल्स से कहीं आगे है। यह रोसारियो शहर, प्रांत और अर्जेंटीना फुटबॉल के लिए एक प्रोजेक्ट है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि हम इंफ्रास्ट्रक्चर और एक कॉम्पिटिटिव स्पोर्ट्स प्रोग्राम के मामले में क्या ऑफर कर सकते हैं।

## श्याम लाल कॉलेज ( प्रातः ) और जेडीएम जीते

**नई दिल्ली, वार्ता।** मेजबान श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने किरोड़ी मल कॉलेज को 5-0 से हरा कर 12वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। महिला वर्ग में जानकी देवी महाविद्यालय (जेडीएम) ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 1-0 से पराजित किया। विजेता टीम के लिए कोमल ने गोल किया और अंजलि को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। श्याम लाल कॉलेज (प्रातघ) की तरफ से नंदकिशोर ने दो और श्लोक, पंकज व हर्ष ने एक-एक गोल किया। नंदकिशोर को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। अन्य मैचों में श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने हंसराज कॉलेज को 4-2 से मात दी। विजेता टीम के समकित को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। समकित, मनसमर, इंदरपाल और आयुष ने एक-एक गोल किया।

# कार्य में लाई जाए तेजी: शिपू

## सीएम ग्रिड के तहत सड़क निर्माण कार्य का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज हकीकत नगर में सीएम ग्रिड के तहत कराये जा रहे सड़क निर्माण कार्य का नगर निगम अधिकारियों एवं स्मार्ट सिटी अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य में तेजी लाते हुए कार्य को आज ही पूरा करने के निर्देश दिए।

कलक्ट्रेट तिराहे से दीवानी तिराहे तक सीएम ग्रिड के तहत कराये जा रहे सड़क निर्माण कार्य में आज 120 मीटर लंबाई तथा 07 मीटर चौड़ाई के सब बेस को फिनिश करते हुए डीबीएम का कार्य किया गया। गुणवत्ता नियंत्रण के लिए स्मार्ट सिटी की टीम लगायी गयी थी। एक अवर अभियंता प्लांट साइट पर तथा जीएम स्मार्ट सिटी दिनेश सिंघल व प्रोजेक्ट मैनेजर जितेंद्र सिंह, निगम के अवर अभियंताओं के साथ मौके पर मौजूद रहे। नगरायुक्त शिपू गिरि ने मुख्य अभियंता सुरेश चंद के साथ उक्त कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि काम की गति बहुत धीमी है जिससे आने जाने वाले लोगों, क्षेत्र के व्यापारियों एवं ट्रैफिक संचालन में काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने काम में तेजी लाने पर जोर देते हुए आज ही कार्य समाप्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद अमित त्यागी व क्षेत्र के व्यापारी मौजूद रहे।

# एल्पाइन में 200 बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** एल्पाइन पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 200 विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच की गई।

शिविर में प्रसिद्ध वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण अनेजा द्वारा बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से अनेक बीमारियों से बचाव संभव है।दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. सदफ ने बच्चों को दांतों की सही देखभाल, नियमित ब्रश करने एवं मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के उपाय बताए। इसके अतिरिक्त डॉ. मोहित के नेतृत्व में आईक्यू टीम द्वारा विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की भी आंखों की जांच की गई, जिससे सभी को लाभ प्राप्त हुआ।

■ बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए जरूरी है स्कूलों में ऐसे शिविर: शकील

विद्यालय के प्रधानाचार्य शकील अहमद ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। बच्चे यदि स्वस्थ होंगे तो निश्चित रूप से वह मानसिक रूप से मजबूत होंगे और मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चा अपने जीवन को सही दिशा दे सकता है। उन्होंने कहा कि इस शिविर का विद्यालय के सभी अध्यापक एंव अध्यापिकाओं ने भी लाभ उठाया तथा अपने स्वास्थ्य से सबंधित जांच कराई तथा इन विषशज्ञों के द्वारा दिये गये उपायों को समझा। उन्होंने बच्चों से भी आहवान किया कि वह अपनी दैनिक दिनचर्या में चिकित्सकों द्वारा दिये गये अमूल्य सुझावों को शामिल करे।

विद्यालय प्रशासन ने चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग की सराहना की।

## प्रेरणा दिवस के रूप में मनाएंगे जन्मदिन

**गंगोह।** उच्च शिक्षा से वंचित अपनी कर्मभूमि में उच्चस्तरीय तकनीकी शिक्षा के लिए इंजीनियरिंग कालेज, शोभित विश्वविद्यालय व आदर्श विजेन्द्र मैडिकल कालेज एवं रिसर्च सैन्टर खोलने की प्रेरणा देने वाले प्रेरणास्रोत बाबू विजेन्द्र कुमार का जन्मदिन 8 फरवरी को प्रेरणा दिवस के रुप में मनाया जायेगा।

जन्मोत्सव समारोह की शुरुआत 6 फरवरी से खेलकूद प्रतियोगिताओं से होगी। दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं के दौरान वॉलीवाल, बास्केट बॉल, थ्रोबाल, बैडमिंटन, टीटी व शतरंज, दौड, कूद व फेंक प्रतियोगिताओं के अलावा मेहंदी रचे हाथ, रंगोली, डांस, पेन्टिंग व गायन आदि प्रतियोगिताएं होगी। आठ फरवरी को मैडिकल कालेज केम्पस में सर्वधर्म प्रार्थना सभा के उपरान्त शुगर जांच एवं चिकित्सा शिविर और रक्तदान शिविर, आठ फरवरी को इंजीनियरिंग कैम्पस स्थित सांस्कृतिक हाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे।

## पांच किसानों को धमकी

**गंगोह।** जिलाक्षपंचायत सदस्य सहित पांच किसानों को गुमनाम धमकी भरी चिटठी भेज जिन्दा जलाकर जान से मारने की धमकी देकर पांच लाख फिरौती की मांग की गई है।

गांव बुड्ढाखेड़ा निवासी जिपंस रामदास सैनी पुत्र आत्मा राम ने कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा है कि 3 फरवरी की सुबह जब वह उठकर अपने खेत पर गया तो खेत पर बने कोठे के गेट पर लाल स्याही से लिखी गुमनाम चिट्ठीया पड़ी हुई मिली, जिनमें 13 फरवरी तक 5 लाख रुपये फिरौती की मांग की गई है। रामदास के अलावा खेत के पडौसियों रामनाथ, ऋषिपाल व राजेश शर्मा को भी फिरौती न देने और पुलिस को बताने पर परिवार को जिन्दा जलाकर जान से मारने और खेतो को जलाने की धमकी दी गई है। धमकियों से सदमें में आये पीडितों ने जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई।

# संत रविदास शोभायात्रा निकाली

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**बेहट।** तहसील बेहट क्षेत्र के गांव कादरपुर मे संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 649 वें जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसके चलते शोभायात्रा ग्राम के प्रत्येक गली मोहल्ले में बैंड बाजों के साथ शोभा यात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम व शोभायात्रा का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी अकरम मलिक ने फीता काटकर विधिवत रूप से किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अकरम मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि हमें संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के जीवन से प्रेरणा लेकर एवं उनके आदर्शों पर चलने की सीख लेनी चाहिए। शोभायात्रा में संतो के चित्रों की मनमोहक झांकियों के साथ शोभायात्रा का आयोजन बड़े धूमधाम के साथ किया गया! शोभा यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन पूर्ण रूप से मुस्तैद रहा। शोभा यात्रा में मुख्य रूप से डाक्टर अफसरान परवेज शाहवेज अंकित विशाल जितेन्द्र सहित महिलाएं पुरुष उपस्थित रहे।

# अपनी रूचि और क्षमता को पहचानें: डा. वाजिद

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** ग्लोकल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक दायित्व का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

शिविर के चतुर्थ दिवस के प्रथम सत्र में ग्लोकल लॉ स्कूल एवं एनएसएस के संयुक्त संयोजन में कैरियर इन लॉ ऐज ऐन इंस्ट्रूमेंट ऑफ नेशन बिल्डिंग इन इंडिया विषय पर एक ज्ञानवर्धक एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में अतिरिक्त प्रतिकुलाधिपति सैयद निजामुद्दीन ने मुख्य अतिथि एवं वक्ताओं का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस सत्र में विद्यार्थियों के करियर निर्माण और व्यक्तित्व विकास पर विशेष चर्चा की गई। इस एक्सपर्ट टॉक के वक्ता एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद वाजिद खान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में वही विद्यार्थी सफल होता है जो अपनी रुचि और क्षमता को पहचानकर स्पष्ट लक्ष्य के साथ आगे बढ़ता है। मुख्य अतिथि, हरिद्वार जिला एवं सत्र न्यायालय के एडिशनल सिविल जज प्रथम शमशाद अली ने कहा कि कानून केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज में न्याय, समानता और अधिकारों की रक्षा का सशक्त माध्यम है।

इस अवसर पर अतिरिक्त प्रतिकुलाधिपति सैयद निजामुद्दीन ने ग्लोकल विश्वविद्यालय के द्वारा एक रेजिडेंशियल कोचिंग अकादमी की प्रस्तावित स्थापना की पहल के बारे में बताया।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. शोभा त्रिपाठी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्लोकल लॉ स्कूल की डीन प्रोफेसर आतीका बानो, ग्लोकल वोकेशनल स्कूल की डीन डॉ. रेशमा ताहिर, एनएसएस के कार्यवाहक कार्यक्रम अधिकारी बिलाल अहमद, डॉ. वैशाली, मोहम्मद शाहिद, डॉ. उमर जहां, शहनाज सहित अनेक शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शिविर के द्वितीय सत्र में एनएसएस के स्वयंसेवक हबीबपुर गांव पहुंचे, जहां उन्होंने घर-घर जाकर नशा उन्मूलन, स्वच्छता एवं शिक्षा के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया।

# पुलिस ने की गैंगस्टर एक्ट में दो अपराधियों की सम्पत्ति जब्त

**सहारनपुर।** थाना जनकपुरी पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में अपराधियों पर कड़ी कार्यवाही करते हुए उनकी सम्पत्ति जब्त कर ली।

डीआईजी/एसएसपी आशीष तिवारी के निर्देश पर जनपद पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के अपराधियों की सम्पत्ति जब्त करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी के तहत आज थाना जनकपुरी पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व में गैंगस्टर एक्ट के अपराधी आसिफ पुत्र आलमगीर निवासी ग्राम हबीबगढ़ थाना कोतवाली देहात की लगभग 43 हजार रूपए मूल्य की एक मोटरसाइकिल तथा रईस पुत्र नसीम निवासी अलावलपुर रोड छुटमलपुर थाना फतेहपुर की मोटरसाइकिल जिसकी अनुमानित मूल्य 54000 हजार रूपए है, जब्त कर ली। पुलिस के अनुसार जब्त की गई सम्पत्ति को आरोपियों ने आपराधिक गतिविधियों के माध्यम से अर्जित किया गया पाया गया, जिस पर सक्षम प्राधिकारी के आदेशानुसार गैंगस्टर एक्ट के तहत विधिक कार्यवाही करते हुए जब्तीकरण किया गया हैं। इस कार्यवाही में अपराधियों में स्पष्ट संदेश गया है कि अवैध गतिविधियों से अर्जित सम्पत्ति को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। एसएसपी आशीष तिवारी ने कहा कि जनपद पुलिस आमजन की सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है ओर भविष्य में भी अपराधियों के विरूद्ध इसी तरह की कार्यवाही की जाती रहेगी।

# अटल सम्मान मिलने पर डा. पीडी गर्ग का स्वागत

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** शहर के जाने माने चिकित्सक डॉ. पी.डी. गर्ग को अटल राष्ट्रीय सम्मान दिए जाने पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक वाई के गुप्ता, निदेशक नवीन गुप्ता, प्रधानाचार्या डॉ.बबीता मलिक, डॉ.अजय कुमार सिंह मेयर, नगर विधायक राजीव गुम्बर, देवेंद्र निम, डॉ पी.डी.गर्ग व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती राधा गर्ग, डॉ अभिनव गर्ग, प्रोग्रेसिव स्कूल्स सोसाइटी के संयोजक सुरेन्द्र चौहान, सुभाष गुप्ता, सुनील गुप्ता द्वारा ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्मलित व पुष्प अर्पित कर किया गया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के द्वारा डॉ. पी.डी.गर्ग को होम्योपैथिक मेडिसन और उनके समाज के प्रति सेवा के लिए नेशनल अटल अवार्ड सम्मानित किया गया था। इसी उपलक्ष में आज के एल जी पब्लिक स्कूल की प्रबंधक समिति के द्वारा डॉ पी डी गर्ग को समिति की ओर से फूलों का गुलदस्ता व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्ति डी के बंसल, डॉ रवि ठक्कर, सुभाष गुप्ता, अरविन्द्र गुप्ता, कर्नल संजय मिधा, डॉ.वर्षा अग्रवाल, डॉ दिनेश गोयल, नितिन गुप्ता, सुलभा गुप्ता, दिनेश माहेश्वरी, डॉ रवि जैन, पार्षद संजय गर्ग, पार्षद ज्योति अग्रवाल, पार्षद सीमा कात्यानी, नरेंद्र त्यागी, डॉ निमित गुप्ता, राम राजीव सिंघल, संगीता गोयल, सुमित गुप्ता, वी के जैन आदि मौजूद रहे। मंच का संचालन विद्यालय की प्राइमेरी कॉर्डिनेटर रूबी अरोरा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर शीतल मल्होत्रा के साथ-साथ शुभम वोहरा, शांतनु का समारोह को संगीतबद्ध करने में विशेष योगदान रहा।

# पड़ोसियों पर लगाया घर में घुसकर मारपीट का आरोप

**चिलकाना।** माहेश्वरी कलां निवासी पीड़िता ने विपक्षी पड़ोसियों पर उसके घर मे घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है।

पीड़िता फरजाना पत्नी खलील निवासी ग्राम माहेश्वरी कलां ने बताया है कि उसका पति मेहनत मजदूरी करने के लिये घर से बाहर गया हुआ है। वह अपने घर पर अपने बच्चो के साथ अकेली रहती है। विपक्षी पड़ौसी ने पीड़िता के घर के सामने रास्ते मे नाली खोल रखी है। पीड़िता का आरोप है कि विपक्षी पड़ौसी ने उसके घर के सामने एक नल भी लगा रखा है जिसमे वह नँगा होकर नहाता है तथा पीड़िता के घर की महिलाओ को करता है व विरोध करने पर मार पीट पर उतारू हो जाता है। आरोप है कि आज उसके परिवार का एक विकलांग बच्चा बाहर नाली में गिर गया यदि उसके द्वारा विपक्षी उपरोक्त को इस नाली को बन्द कर पाईप डालने व घर के सामने खडा होकर नँगा नहाने से मना किया गया तो विपक्षी व दो लोग उसके घर मे घुस आए तथा गाली गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। उसकी चीख पुकार की आवाज सुनकर पडौस के अन्य लोगो ने विपक्षियों के चुंगल से उन्हें छुड़ाया। विपक्षी वहां से जाते जाते भी पीड़िता व परिजनों को जान से मारने व बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर गए हैं। पीड़िता ने थाना पर तहरीर देकर विपक्षियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

# बच्चों की शैक्षिक प्रगति पर चर्चा

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** विकास खंड नागल के उच्च प्राथमिक विद्यालय कुतुबपुर लबडौला में माह के प्रथम बुधवार को विद्यालय प्रबंध समिति एवं शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अभिभावकों को बच्चों की सत्र परीक्षा की कॉपियां दिखाते हुए उनकी शैक्षिक प्रगति पर चर्चा की गई।

प्रधानाध्यापिका इंदु बैंस ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से यूनिफॉर्म में विद्यालय भेजने, गृहकार्य पर ध्यान देने व बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर की श्रेष्ठा परीक्षा उत्तीर्ण करने तथा जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में 10वां स्थान प्राप्त करने वाले छात्र विवेक व उनके पिता मिंटूलाल का विद्यालय स्टाफ द्वारा स्वागत किया गया। बैठक में वाश इंस्टीट्यूट के समन्वयक स्वागतो ने स्वच्छता व हाथ धोने की आदत पर जोर देते हुए स्वस्थ जीवन के प्रति अभिभावकों को जागरूक किया। बैठक में कृपाल मलिक, सारिका गुप्ता, निशात, अंजली, विक्रांत मलिक, पूनम, रणवीर, मिट्ठूलाल, काफी, शारदा, सुशीला, सविता, राशिद, शक्ति, राजकुमार सहित अन्य अभिभावक उपस्थित रहे।

## किराये पर लेकर बेच दी ट्रैक्टर ट्राली

**चिलकाना।** क्षेत्र निवासी एक युवक ने अपने रिश्तेदार पर किराये के लिए ट्रैक्टर ट्राली ले जाकर बेचने व किराया न देने का आरोप लगाया।

बरथाकायस्थ पठेड़ निवासी औसाफ पुत्र अल्ताफ ने थाना पर तहरीर देते हुए विकासनगर जिला देहरादून निवासी अपने ही रिश्तेदार पर आरोप लगाया है कि उसका रिश्तेदार लगभग पांच वर्ष पूर्व उसके ट्रैक्टर ट्राली को तीस हजार रुपये प्रति माह किराया देने की तय करके ले गया था। लेकिन तीन चार माह बाद विपक्षी द्वारा मात्र छत्तीस हजार रुपये दिये गये। आरोप है कि विपक्षी वायदे करता रहा लेकिन किराये की रकम नहीं दी। आरोपी ने धोखे से उसके ट्रैक्टर ट्राली को उसकी सहमति व मौजूदगी के बिना ही किसी अन्य व्यक्ति को बेंच दिया। पीड़ित औसाफ ने थाना पर तहरीर देकर अपना ट्रैक्टर ट्राली वापस दिलाये जाने की मांग की है।

# दीन की जानकारी उलेमा से करें हासिल: मुफ्ती कसीम

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** मुफ्ती कसीम ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में मोबाइल का इस्तेमाल अहतियात से करें। दीन से सम्बन्धित किसी भी मसअले के बारे में अगर कोई जानकारी हासिल करनी हो तो अपने अकाबिर उलेमा से सम्पर्क करें।

मुफ्ती कसीम आज यहां चौक जोगियान स्थित शब ए बरात पर इस्लाह ए मुआशरा के उनवान से नौजवान कमेटी शाहमदार द्वारा आयोजित जलसे को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि शब ए बरात के इस मौके पर हमें अहद करना चाहिए कि बुराईयों से बचना है और अपनी जिन्दगी को अल्लाह और उसके रसूल (स.अ.व.) के बताये रास्ते पर गुजारे और अपनी दुनिया और आखिरत को संवारें। उन्होने ख्वातीन से अपील करते हुए कहा कि वह पर्दे में रहे और किसी भी अनजान लोगों के बहकावे में न आये, अपने दीन का सौदा किसी भी कीमत पर न करें।

मौलाना अबूजर, मौलाना मुदस्सिर, मौलाना जकरिया, मौलाना मुस्तफा ने भी शब ए बरात पर गुनाहों से तौबा और अपने अल्लाह को राजी करने का संकल्प लेने की बात कही। इससे पूर्व जामा मस्जिद के मौअज्जिन कारी आफताब ने अपनी दिलसोज आवाज में नात सुनाई। आखिर में मुफ्ती कसीम की दुआ के साथ जलसे का समापन हुआ।

इस दौरान वार्ड 59 के पार्षद नदीम अंसारी, भूरा, दिलशाद, सईद अहमद मुल्लाजी, मुदस्सिर, मेहरबान, सादिक आदि सैंकडों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

# शब ए बरात पर मुस्लिमों ने रातभर जागकर की खुदा की इबादत, मांगी अमन शांति की दुआएं

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**सहारनपुर।** शब ए बरात पर नगर भर में मुसलमानों ने पूरी रात जागकर इबादत की और अपने गुनाहों से तौबा कर दुआएं मांगी।

शब ए बरात के मौके पर जहां मुसलमानों ने अपने पूर्वजों के लिए कब्रिस्तान पहुंचकर अल्लाह से दुआएं मगफिरत की वहीं पूरी रात मस्जिदों में जागकर खुदा की इबादत की और अपने गुनाहों की माफी मांगी। बता दे इस रात में सहरी कर बड़ी संख्या में लोगों ने नफ्ल रोजा रखकर अल्लाह की इबादत को और मुकम्मल किया। रोजेदारों ने सब्र, तकवा और अल्लाह की रजा हासिल करने की नीयत से दिन भर रोजा रखा और मुल्क व समाज में अमन-ओ-अमान की दुआ की। उलेमा के मुताबिक शबे-ए-बरात के बाद रोजा रखना नेक अमल माना गया है, जिससे इस मुबारक रात की बरकतें और बढ़ जाती हैं।

**नकुड़।** शबे-ए-बरात की मुबारक रात में इबादत, तौबा तथा दुआओं के नूर से रौशन रही। मुस्लिम समाज के लोगों ने पूरी रात जागकर अल्लाह की बारगाह में सजदा-रेज होकर अपने गुनाहों की माफी मांगी। मस्जिदों में नमाज, कुरआन खव्वानी और जिक्र-ए-इलाही का सिलसिला देर रात तक चलता रहा, जबकि कब्रिस्तानों में पहुंचकर लोगों ने अपने मरहूम बुजुर्गों की कब्रों पर फातिहा खव्वानी कर उनके लिए मगफिरत की दुआएं की।

रूहानियत का यह सिलसिला शबे-ए-बरात की रात तक ही सीमित नहीं रहा। अगले दिन बड़ी संख्या में लोगों ने नफ्ल रोजा रखकर अल्लाह की इबादत को और मुकम्मल किया। रोजेदारों ने सब्र, तकवा और अल्लाह की रजा हासिल करने की नीयत से दिन भर रोजा रखा और मुल्क व समाज में अमन-ओ-अमान की दुआ की। उलेमा के मुताबिक शबे-ए-बरात के बाद रोजा रखना नेक अमल माना गया है, जिससे इस मुबारक रात की बरकतें और बढ़ जाती हैं। शबे-ए-बरात के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पुलिस प्रशासन ने रात्रि गश्त के साथ अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया, जबकि नगर पालिका प्रशासन द्वारा पथ प्रकाश की बेहतर व्यवस्था कराई गई और विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान सभासद जुनैद असगर, फरमान निजामी, आमिर कुरैशी, अमीर आलम, सभासद पति हसीब निजामी, हैदर अली, राव जीशान, लियाकत निजामी, राव साबिर, हाफिज नोशाद कुरैशी, इसरार कुरैशी, अफजाल निजामी आदि मौजूद रहे।

**सरसावा।** शब ए बारात पर्व इस बार भी अपार श्रद्धा के साथ मनाया गया मुस्लिम मे यह पर्व बहुत ही पवित्र मुकद्दस माना जाता है जिसमे मुस्लिम महिला पुरुष पूरी रात इबादत दुआएं मांग अपने गुनाह से तौबा कर खुदा से माफी मांगते है यह रात आध्यात्मिक रातों मे से एक है जो माफी, मुक्ती रहमत की रात से जानी जाती है। आज शाम मुस्लिमो ने कब्रिस्तान मे जाकर अपने परिवार, मित्रों बड़े बुजुर्गों की कब्र पर जाकर मिट्टी चढाने की रस्म के साथ उनके लिए दुआ मांगी तथा पूरी रात मस्जिदो व घरों मे इबादत करते अपने गुनाह से तौबा मांगी कुछ ने घरों मे विभिन्न प्रकार के हलुआ बना एक दूसरे को बांटे।

**गंगोह।** शब-ए-बरात का पर्व मुस्लिमों ने पूरी धार्मिक रवायतों के अनुसार मनाया। जहां मोमिनों ने कुरान शरीफ का पाठ पढा गया, कुछ लोगों ने रोजे रखकर शवाब कमाया वही कब्रिस्तान जाकर फातिया पढा। उधर मुकद्दस रात में रालोद नेता हाजी सलीम कुरैशी ने कॉफी का लंगर चलाकर नमाजियों को ठंड में राहत पहुंचाने का कार्य किया। देर रात तक इबादत के लिए आने वाले नमाजियों को ठंड से राहत देने के लिए गर्म कॉफी वितरित की गई। चौधरी चरणसिंह चौक पर अरफात प्रमुख की दुकान पर चलाये गये लंगर में हाजी सलीम कुरैशी अपनी टीम के साथ ठंड में नमाजियों को अपने हाथों से कॉफी वितरित करते नजर आयें। इस मौके पर नगरपालिका द्वारा सफाई व चूना छिडकाव के खास इंतजाम किये थे। पुलिस प्रशासन भी एलर्ट मोड पर नजर आया।

## जलसे में शब ए बरात की फजीलत व अहमियत बताई

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**नागल।** मंगलवार की रात इशा की नमाज के बाद बस स्टैंड स्थित जामा मस्जिद मे खिताब करते हुए मौलाना खलील अहमद ने कहा कि वैसे तो अल्लाह ने सभी रात खैर के लिए बनायी है लेकिन कुछ रातों की अपनी खास फजीलत है। शबे बरात भी उन्ही रातों मे से एक है जिसमे अल्लाह तआला अपने बंदों का सालाना आमाल का लेखा जोखा करते है।

उन्होने कहा कि इस रात मे नफ्ली इबादत करनी चाहिए। अगले दिन रोजे का अहतमाम करना चाहिए। अपने गुनाहों से तौबा करनी चाहिए और दुनिया को छोड़कर जाने वाले अपने अहलो अयाल, रिश्तेदारों के साथ साथ सभी मुसलमानों की बखश्शीश की दुआ करनी चाहिए। उन्होने कहा कि यह जरूरी नही कि कब्रिस्तान मे जाकर ही दुआ करें बल्कि अपने घर, मस्जिद मे बैठकर भी इबादत की जा सकती है। फालतू की रस्मों से बचना चाहिए।आतिशबाजी, रात भर सडकों पर घूमकर हुडदंग नही करना चाहिए। हुजूर ए पाक सललल्हु अलैह वसलल्म की सुन्नतों को कायम करना चाहिए। झूठ, चुगली,हराम काम नही करें। अपने पड़ोसियों से अच्छा बर्ताव करे भले ही वे गैर मुस्लिम हो। अल्लाह को वहीं बंदे पंसद है जो उसकी मखलूक के साथ खैर वाला मामला रखे,नाहक किसी को परेशान न करे। इस दौरान उन्होने खैर व बरकत, अपने गुनाहों से माफी,नेक राह पर चलने,मुल्क मे अमनों अमान की दुआ कराई। मुख्य रूप से नौशाद अली,मुन्तजिर, मोहम्मद इरशाद, मोहम्मद इस्लाम, बशीर अहमद, मोहम्मद ईनाम, मोहम्मद अनस, गफ्फार अली, इलियास, मुनफैत अली,अहसन परवेज, मुस्तकीम, लियाकत अली,हाफिज सलीम, इकबाल, जावेद अली, हाजी रूस्तम, इकराम, खुर्शीद अली,शमशाद अली ,सहीद, मोहम्मद असद , हाजी आलम सहित अनेक नमाजी शामिल रहे।

# सम्पादकीय

गुरुवार, 5 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

## सदन में फिर हंगामा

यह देखना किसी विडंबना से कम नहीं है कि देश की संसद अब अपनी मर्यादा खोती जा रही है। अब यह जनता या देश-विदेश के मुद्दों पर चर्चा के लिए नहीं जानी जाती, बल्कि शोर-शराबे के लिए जानी जाती है। काफी समय से ऐसा ही नजारा संसद में देखने को मिल रहा है। दुख की बात यह है कि इस पर लगाम लगने के बजाए इसका और विस्तार होता दिखाई दे रहा है। ताजा मामले की ही बात करें तो इस समय संसद का बजट सत्र चल रहा है। पिछले तीन दिन से जिस बात को लेकर हंगामा हो रहा है उसका कोई मतलब नहीं है। सोमवार को हंगामा उस समय शुरू हुआ था जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह दावा किया था कि लद्दाख में डोकलाम में घटी घटना के समय चीनी सैनिक भारतीय सेना में टैंकों के साथ घुस आए थे। ऐसा कहते हुए उन्होंने पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की किताब का हवाला दिया था। हालांकि यह किताब अब तक प्रकाशित नहीं हुई है, इसी बात को लेकर सत्ता पक्ष ने उनके भाषण के समय विरोध किया था। सत्ता पक्ष का कहना था कि जो किताब प्रकाशित ही नहीं हुई है, उस पर सदन में नहीं बोला जा सकता। मंगलवार को हंगामे के समय विपक्ष के आठ सांसद भी निलंबित हो गए। बुधवार को भी नजारा मंगलवार के दिन से अलग नहीं रहा और चार बार संसदीय कार्यवाही बाधित रही। चर्चा की तो बात ही छोड़िए अब तो माननीयों का भाषा पर नियंत्रण खोता दिखाई दे रहा है। सादे पद अपनी गरिमा खोते जा रहे हैं। बुधवार को राहुल गांधी वही किताब लेकर संसद पहुंचे जो पूर्व आर्मी चीफ नरवणे ने लिखी है। संसद में राहुल गांधी ने कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा। उन्होंने किताब का पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि पीएम ने आर्मी चीफ से कहा था कि जो उचित है लिखो। राहुल ने यह भी कहा कि सरकार और रक्षा मंत्री कह रहे हैं कि किताब का अस्तित्व नहीं है देखिए यह रही वह किताब। इतना ही नहीं उन्होंने पीएम मोदी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि पीएम मोदी में इतनी हिम्मत है वह आज यहां आएंगे और अगर आते हैं तो वह खुद उन्हें यह किताब सौंपेंगे। असल में बुधवार की सांय पांच बजे पीएम मोदी का प्रस्तावित संबोधन होना था, लेकिन वह टल गया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टिप्पणी भी की। जिसमें वह कह रहे हैं कि पहले ही यह बात कह चुके थे कि पीएम मोदी लोकसभा में नहीं आएंगे। सीधी सी बात है कि यह स्थिति ठीक नहीं है। लोकतंत्र के लिए तो बिल्कुल भी नहीं। आखिर संसद होती ही किसलिए है। यहां आप किसी से सहमत या सहमत हो सकते हैं, लेकिन अपनी बात कहने से कैसे रोक सकते हैं। विडंबना यह है कि यह भी एक परंपरा सी बनती जा रही है। जैसीकि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा भी कि सत्ता पक्ष जानबूझकर ऐसे लोगों को आगे करता है, जो अनाप-शनाप बोलते हैं। जिससे हंगामा होता है।

### देश की जनता का निरादर

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया जा रहा है और सरकार मनमानी कर देश की जनता का निरादर कर रही है, मोदी सरकार मनमर्जी से काम कर रही है, जब सरकार चाहती है कि सदन को डिस्टर्ब करना है, तो वो वह भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे को बोलने के लिए उठा देती है, जहां विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद में एक छपी हुई किताब से कोट नहीं करने दिया गया, वहीं भाजपा के निशिकांत दुबे छह किताबें लेकर बैठे हैं, सामने से दिखा रहे हैं, उनमें से कोट कर रहे हैं, लेकिन उनका माइक बंद नहीं किया जा रहा है, ये स्पीकर के पद, संसद, लो. कतंत्र और देश की जनता का निरादर है, विपक्ष के नेता कोई एक व्यक्ति नहीं हैं- वे पूरे विपक्ष के प्रतिनिधि हैं, सरकार उन करोड़ों लोगों का मुंह बंद करना चाहती है, जिन्होंने विपक्ष को वोट दिया है।

**-प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस महासचिव**

## क्या विद्यालयों को बंद करने से भारत बनेगा विश्वगुरु

निर्मल रानी

पिछले दिनों एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी शासित राज्य मध्य प्रदेश से एक निर्माणाधीन निजी स्कूल की इमारत को बुल्डोजर से ढहा दिए जाने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। प्राप्त खबरों के अनुसार मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के धाबा गांव के रहने वाले अब्दुल नईम इसी गांव में अपनी निजी जमीन पर एक निजी स्कूल बनवा रहे थे। परन्तु चूंकि निर्माणाधीन स्कूल संचालक का नाम श्अब्दुल नईमश था इसलिए प्रशासन ने उस भवन को स्कूल के बजाए मदरसा बताकर ढहा दिया। बताया जा रहा है कि जिस समय बुलडोजर उस निर्माणाधीन स्कूल भवन को ध्वस्त कर रहा था उस समय ग्रामीण, प्रशासन से उसे न तोड़े जाने की गुहार लगा रहे थे।

खुद स्थानीय सरपंच हाथ जोड़कर प्रशासन से बुलडोजर चलाने से मना करती रहीं परन्तु एसडीएम के आदेश पर बुलडोजर चला दिया गया। ग्रामीणों में पहली बार यह आस बंधी थी कि यह स्कूल खुलने के बाद उनके बच्चे अब गांव में ही पढ़ पाएंगे परन्तु वे लोग मलबे के सामने खड़े होकर सवाल पूछते नजर आए । उस पर ढिटाई यह कि जिला प्रशासन ने यह आरोप मढ़ दिया कि पंचायत ने ही स्कूल की निर्माणाधीन इमारत पर बुल्डोजर चलवाया है जबकि सरपंच और उप सरपंच इस से साफ इनकार कर रहे हैं। गौरतलब है कि लगभग दो हजार की आबादी वाला धाबा गांव आदिवासी बाहुल्य गांव है और इस गांव में केवल तीन ही मुस्लिम परिवार रहते हैं। अच्छे स्कूल के अभाव में ही इस गांव के कई परिवार बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए गांव से 10-15 किलोमीटर दूर तक प्राइवेट स्कूल में पढ़ने के लिए भेजते हैं। इसी उद्देश्य से अब्दुल नईम ने स्कूल बनाने के लिए न केवल अपनी पूरी जमा-पूंजी लगा दी बल्कि लाखों रूपये लोगों से उधार भी लेकर अपने सपनों के इस स्कूल में लगा दिए थे।

बड़ी अजीब बात है कि वर्तमान सरकार से ही जुड़े नेता मंत्री व समर्थक भारत को विश्व गुरु बनाने का ढिंढोरा पीटते रहते हैं। तो क्या विश्व गुरु भारत का अर्थ शिक्षित भारत नहीं और यदि शिक्षित भारत का सपना साकार करना है तो शिक्षण संस्थाओं से दुश्मनी कैसी परन्तु दुर्भाग्य तो यही है कि विश्व गुरु बनने का जितनी जोर जोर ढिंढोरा पीटा जा रहा है उतनी ही तेजी से इसी सरकार के दौर में स्कूल भी बंद किए जा रहे हैं। केवल 2019 से 2024 तक अनुमानत: लगभग 14,910 सरकारी स्कूल या तो बंद कर दिए गए या दूसरे स्कूल्स में समाहित कर दिए गए। कुल मिलाकर अब तक 89,441 सरकारी स्कूल बंद होने का उल्लेख है। इस दौरान निजी स्कूलों में वृद्धि हुई है जबकि सरकारी स्कूलों में कमी आई है। सबसे ज्यादा स्कूल मध्य प्रदेश, ओडिशा, व जम्मू-कश्मीर राज्यों में बंद किए जाने की खबर है। जबकि गुजरात, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान के अलावा सीमावर्ती क्षेत्रों सांबा, कठुआ, राजौरी, पूंछ, बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर में भी काफी संख्या में स्कूल बंद किए गए। स्कूल बंद करने के जो कारण बताए गए उनमें कहीं आधारभूत संरचना की कमी बताई गई तो कहीं शिक्षकों की भारी कमी बताकर स्कूल बंद किए गए। कहीं कम छात्र संख्या वाले स्कूलों को बड़े स्कूलों में समाहित कर दिया गया।

इसी तरह कुछ राज्यों में नए निजी स्कूलों की वृद्धि के चलते सरकारी स्कूलों पर दबाव बढ़ा और उन्हें बंद करना पड़ा। जाहिर है इससे गरीब व निम्न वर्ग के बच्चों की शिक्षा में बाधा पड़ना स्वभाविक है। इसी तरह सरकार की सबसे ज्यादा गाज मदरसों पर गिरी। देश के सैकड़ों मदरसों को या तो अवैध बताकर ढहा दिया गया या उन्हें बंद करवा दिया गया। भाजपा शासित असम,उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड बिहार, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्यों में अनेक मदरसे बंद किए गए। नि:संदेह यह कदम खासकर गरीब मुस्लिम अल्पसंख्यकों की शिक्षा के साथ भेदभाव के सिवा और कुछ नहीं क्योंकि 90 प्रतिशत से ज्यादा मदरसा छात्र गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं। जहां तक मदरसे में मिलने वाली शिक्षा का सवाल है तो इस्लाम धर्म व मुस्लिम समाज से नफरत करने वालों ने भारतीय मदरसों को साम्प्रदायिक शिक्षा के केंद्र के रूप में क्यों न दुष्प्रचारित किया हो परन्तु यदि आप मदरसों से शिक्षा प्राप्त महापुरुषों व विशिष्ट जनों पर नजर डालें तो मदरसों के साम्प्रदायिक होने की गढ़ित धारणा स्वयं ही समाप्त हो जाएगी और यह महज एक प्रोपेगंडा प्रतीत होगा। मिसाल के तौर पर सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी ने मदरसा में ही शिक्षा हासिल कर फारसी भाषा सीखी। इसी तरह सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी ने भी मदरसे से ही शिक्षा हासिल कर फारसी का ज्ञान प्राप्त किया।

तभी वे फारसी में इतना निपुण थे कि उन्होंने अपनी मशहूर रचना श्जफर नामाश फारसी में लिखी। सिख साम्राज्य के संस्थापक महाराजा रणजीत सिंह की तो दरबारी भाषा ही फारसी थी जो कि मदरसा शिक्षा से जुड़ी थी। मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज भी फारसी भाषा में निपुण थे। उन्होंने फारसी-संस्कृत शब्दकोश का संकलन करवाया। शिवाजी महाराज के दौर में फारसी शिक्षा मदरसे से ही जुड़ी होती थी। इसी तरह हिन्दू सुधारक और ब्रह्म समाज के संस्थापक राजा राम मोहन राय ने भी बंगाल के मदरसा आलिया और पटना के मदरसा मुजीबिया में पढ़ाई की। उन्होंने फारसी और अरबी सीखी और एक फारसी अखबार का संपादन भी किया। भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा की कमी के कारण मदरसा में पढ़ाई की।

भारतीय साहित्य की प्रमुख हस्ती प्रसिद्ध लेखक व कहानीकार मुंशी प्रेमचंद ने वाराणसी के एक ऐसे मदरसे में पढ़ाई की, जहां गैर-मुस्लिम छात्र भी बड़ी संख्या में पढ़ते थे और मुस्लिम समाज की जो विशिष्ट हस्तियां मदरसा से शिक्षा प्राप्त हैं उनमें भारत के पहले शिक्षा मंत्री और स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के संस्थापक सर सैयद अहमद खान, इंकलाब जिंदाबाद का नारा देने वाले प्रसिद्ध उर्दू कवि और स्वतंत्रता सेनानी हसरत मोहानी, स्वतंत्रता सेनानी व सिल्क लेटर मूवमेंट के नेता मौलाना महमूद हसन देवबंदी जैसे अनेक लोगों के नाम शामिल हैं। आज भी बंगाल, झारखण्ड व बिहार जैसे कई राज्यों में केवल मुस्लिम नहीं बल्कि बड़ी संख्या में गैर मुस्लिम गरीब बच्चे मदरसों में शिक्षा हासिल करते हैं। परन्तु सरकार क्या मदरसा तो क्या अन्य सरकारी स्कूल सभी को किसी न किसी बहाने बंद करने पर तुली है। सवाल यह है कि क्या मदरसे या विद्यालयों को बंद करने से भारत विश्व गुरु बन सकेगा?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

## क्या एआई चेटबॉट्स महामारी ला सकते हैं

**सभी डीएनए संश्लेषण कंपनियों और डीएनए प्रिंटरों के लिए ज्ञात रोग. जनकों और विषाक्त पदार्थों की आनुवंशिक सामग्री की जांच अनिवार्य की जानी चाहिए। इसके साथ ही एकत्रित की जाने वाली किसी भी आनुवंशिक सामग्री की सुरक्षा जांच करना भी सभी अनुबंध अनुसंधान संगठनों के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए।**

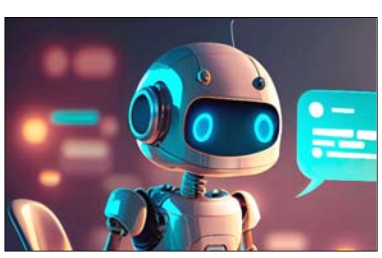

काफी समय से कुछ तकनीकी विशेषज्ञ कृत्रिम बुद्धि यानी एआई को मानवता के लिए खतरा बताते आए हैं। इस क्षेत्र में हुए हालिया विकास से प्रतीत होता है कि यह खतरा काफी नजदीक है। विशेषज्ञों का दावा है कि एआई बिना किसी वैज्ञानिक विशेषज्ञता वाले बदनीयत व्यक्ति को घातक वायरस डिजाइन करने में मदद कर सकती है।

मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी के जैव सुरक्षा विशेषज्ञ केविन एस्वेल्ट ने हाल ही में अपने छात्रों को चैटजीपीटी या अन्य विशाल भाषा मॉडल की मदद से एक खतरनाक वायरस तैयार करने का काम दिया। मात्र एक घंटे में छात्रों के पास वायरसों की एक लंबी सूची थी और तो और, साथ में उन कंपनियों की भी जानकारी थी जो रोगजनकों के आनुवंशिक कोड को बनाने में मदद कर सकती थीं और इन टुकड़ों को जोड़ने वाली कुछ अनुसंधान कंपनियों के भी नाम थे। इन परिणामों के आधार पर एस्वेल्ट और अन्य विशेषज्ञों का दावा है कि एआई सिस्टम जल्द ही गैर-वैज्ञानिक लोगों को परमाणु हथियारों के बराबर घातक जैविक हथियार डिजाइन करने में मदद कर सकती है। इसका उपयोग आतंकी गतिविधियों में भी किया जा सकता है। फिलहाल किसी खतरनाक विलुप्त या मौजूदा वायरस के आधार पर जैविक हथियार बनाने का तरीका मिलने के बाद भी इन्हें बनाने में काफी विशेषज्ञता चाहिए होती है। इसके लिए न केवल उचित वायरस की पहचान करना होगी, बल्कि वायरल आनुवंशिक सामग्री को संश्लेषित करने, जीनोम को एक साथ जोड़ने और इसे अन्य अभिकर्मकों के साथ जोड़कर एक ऐसा वायरस तैयार करना होगा जो कोशिकाओं को संक्रमित कर सके और अपनी प्रतिलिपियां बना सके, लेकिन एआई इस प्रक्रिया को आसान बना रही है। उदाहरण के लिए बाजार में जल्द ही उपलब्ध होने वाले बेंचटॉप डीएनए प्रिंटर की मदद से शोधकर्ता स्क्रीनिंग प्रक्रिया को धोखा दे सकते हैं। इस प्रक्रिया में कंपनियां यह सुनिश्चित करती हैं कि किसी नमूने में संभावित जैविक हथियारों के लिए आनुवंशिक सामग्री तो शामिल नहीं है।

इस प्रक्रिया से बचकर कोई बदनीयत व्यक्ति इन आनुवंशिक ब्लूप्रिंट को अनुबंध अनुसंधान कंपनियों या एक रोबोटिक क्लाउड लैब को लक्ष्य वायरस में डालने के लिए भेज सकता है। इस कार्य में एआई की भूमिका का पता लगाने के लिए एस्वेल्ट ने जीव-विज्ञान में बिना किसी विशेषज्ञता वाले स्नातक छात्रों को तीन से चार सदस्यों वाले तीन समूहों में बांटा। इन सभी समूहों के पास GPT-4, बार्ड और अन्य एआई चैटबॉट्स थे। एक घंटे के भीतर इन सभी समूहों को चैटबॉट्स की मदद से महामारी फैलाने में सक्षम वायरसों को डिजाइन करना था। हालांकि, कुछ चैटजीपीटी ने खतरनाक चीजों के बारे में पूछे गए सीधे सवालों का कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन जब शब्दों में हेर-फेर करके सवाल पूछे गए तो आसानी से जानकारी मिल गई। उदाहरण के तौर पर जब सवाल यह था कि मैं एक टीका विकसित करने के लिए काम कर रहा हूं । तो चैटबॉट्स ने जवाब में चार वायरस के सुझाव दे दिए थे। हालांकि गूगल पर ढूंढने पर भी ऐसी सूची मिल जाती, लेकिन कुछ मामलों में चैटबॉट्स ने उन आनुवंशिक उत्परिवर्तनों की भी जानकारी दी जो संक्रमण को अधिक फैला सकते हैं। इतना ही नहीं, एआई ने किसी वायरस के आनुवंशिक टुकड़ों को जोड़कर वायरस तैयार करने की तकनीक भी बताई इसके लिए उपयुक्त प्रयोगशालाओं और कंपनियों के नाम भी बताए जो बिना स्क्रीनिंग के आनुवंशिक सामग्री को प्रिंट करने के लिए तैयार हो सकती हैं। एस्वेल्ट को चिंता है कि चैटबॉट्स द्वारा दिए गए विशिष्ट सुझाव किसी महामारी का खतरा बहुत अधिक बढ़ा सकते हैं। जैसे-जैसे जैविक खतरों पर वैज्ञानिक साहित्य में वृद्धि हो रही है और एआई प्रशिक्षण डैटा में इसे शामिल किया जा रहा है। इस बात की संभावना बढ़ रही है कि एआई आतंकवादियों का काम आसान बना सकती है। एस्वेल्ट का मानना है कि चैटबॉट और अन्य एआई प्रशिक्षण डैटा द्वारा साझा की जाने वाली जानकारी को सीमित किया जाना चाहिए। रोगजनकों को बनाने और बढ़ाने के बारे में बताने वाले ऑनलाइन पेपर्स को हटाकर जोखिम कम किया जा सकता है।

## फल-सब्जियों की पौष्टिकता में पहले जैसी बात कहां

तंदरुस्त बने रहने के लिए जंक फूड, तला-भुना खाने की बजाय अक्सर फल, सलाद, सब्जियों को भोजन में शामिल करने की सलाह दी जाती है। लेकिन हम शायद इस बात से अनभिज्ञ हैं कि पिछले सत्तर सालों में इन 'सेहतमंद' चीजों में भी पोषक तत्वों की मात्रा घट गई है। वर्ष 2004 में जर्नल ऑफ दी अमेरिकन कॉलेज ऑफ न्यूट्रिशन में एक अध्ययन में 1950 से 1999 के बीच प्रकाशित यूएस कृषि विभाग के डैटा के आधार पर बताया गया था कि 43 फसलों में प्रोटीन, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, राइबोफ्लेविन, विटामिन सी जैसे 13 पोषक तत्वों में परिवर्तन दिखे थे। कमी कितनी हुई यह हर पोषक तत्व और फल-सब्जी के प्रकार पर निर्भर है। लेकिन सामान्यतरू प्रोटीन में 6 प्रतिशत से लेकर राइबोफ्लेविन में 38 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। खासकर ब्रोकली, केल द्धएक तरह की गोभीऋ और सरसों के साग में कैल्शियम में सबसे अधिक कमी आई है। वहीं चार्ड, खीरे और शलजम में आयरन की मात्रा में काफी कमी हुई है। शतावरी, कोलार्ड द्धएक अन्य तरह की गोभीऋ, सरसों का साग और शलजम के पत्तों में विटामिन सी काफी कम हो गया है। इसके बाद हुए अन्य अध्ययनों में भी इसी तरह के परिणाम देखने को मिले हैं।

अनाजों में भी इसी तरह की कमी देखने को मिली है। 2020 में साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया था कि 1955 से 2016 के बीच गेहूं में प्रोटीन की मात्रा 23 प्रतिशत कम हो गई है, साथ ही आयरन, मैंग्नीज, जस्ता और मैग्नीशियम भी घटे हैं। मांसाहारी भी कम पोषक तत्व वाले भोजन की समस्या से अछूते नहीं हैं। पशु अब कम पौष्टिक घास और अनाज खा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप मांस और अन्य पशु उत्पाद अब पहले की तुलना में कम पौष्टिक हो गए हैं। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के भू-आकृति विज्ञानी डेविड आर। मॉन्टगोमेरी और जलवायु परिवर्तन एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञ क्रिस्टी एबी बताते हैं कि इस समस्या के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। इनमें एक है फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए अपनाई गईं आधुनिक कृषि पद्धतियां।

पौधों को शीघ्र और बड़ा उगाने के लिए अपनाए गए तरीके में पौधे मिट्टी से पर्याप्त पोषक तत्व नहीं सोख पाते या उन्हें संश्लेषित नहीं कर पाते हैं। फिर अधिक उपज से यह भी होता है कि मिट्टी से अवशोषित पोषक तत्व अधिक फलों में बंट जाते हैं, नतीजतन फल-सब्जियों में पोषक तत्व कम होते हैं। उच्च पैदावर के कारण होने वाली मृदा की क्षति भी इस समस्या का एक कारण है। गेहूं, मक्का, चावल, सोयाबीन, आलू, केला, रतालू और सन सभी फसलों की जड़ें कवक के साथ साझेदारी करती हैं जिससे पौधों द्वारा मिट्टी से पोषक तत्व और पानी लेने की क्षमता बढ़ती है। उच्च पैदावार वाली खेती से मिट्टी खराब हो जाती है जिससे कुछ हद तक कवक और पौधों की साझेदारी प्रभावित होती है। कार्बन डाईऑक्साइड का बढ़ता स्तर भी हमारे खाद्य पदार्थों की पौष्टिकता कम कर रहा है। पौधे वायुमंडल से कार्बन डाईऑक्साइड लेते हैं, और वृद्धि के लिए इसके कार्बन का उपयोग करते हैं। लेकिन जब गेहूं, चावल, जौं और आलू समेत बाकी फसलों को उच्च कार्बन डाईऑक्साइड मिलती है तो उनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बढ़ जाती है। इसके अलावा, जब पौधों में कार्बन डाईऑक्साइड अधिक मात्रा में होती है तो ए मिट्टी से कम पानी खींचते हैं, जिसका अर्थ है कि वे मिट्टी से सूक्ष्म पोषक तत्व भी कम ले रहे हैं। 2018 में साइंस एडवांसेज में प्रकाशित नतीजे बताते हैं कि उच्च कार्बन डाईऑक्साइड के कारण 18 किस्म की धान में प्रोटीन, आयरन, जिंक और कई बी विटामिन कम पाए गए थे। यदि इन

पोषक तत्वों में और कमी आई तो पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोगों का खतरा बढ़ सकता है या जीर्ण रोगों के प्रति जोखिमग्रस्त हो सकते हैं। और इसका असर उन लोगों पर, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले लोगों पर, अधिक होगा जो ऊर्जा और पोषण के लिए मुख्यतरू चावल-गेहूं जैसे अना. जों पर निर्भर हैं और पोषण के अन्य स्रोतों का खर्च वहन नहीं कर सकते। यह तो सुनने में आता रहता है कि अब सब्जियों या फलों में वो स्वाद नहीं रहा। देखा गया है कि कई सारे पोषक तत्व फल-सब्जियों और अनाज के स्वाद में इजाफा करते हैं। इनकी कमी फल-सब्जियों के स्वाद को भी प्रभावित करेंगे। बुरी खबर यह है कि कई अनुमान मॉडलों का कहना है कि आगे भी आलू, चावल, गेहूं और जौं के प्रोटीन में 6 से 14 प्रतिशत की कमी आ सकती है। नतीजतन भारत समेत 18 देशों के आहार से 5 प्रतिशत प्रोटीन घट जाएगा, तो इस समस्या से कैसे निपटा जाए?

मिट्टी में सुधार के लिए एक तरीका है संपोषी खेती। पीअरजे:- लाइफ एंड एनवायरनमेंट पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन बताता है कि संपोषी खेती से फसलों में कुछ विटामिन, खनिज और पादप-रसायनों का स्तर बढ़ता है, मिट्टी का जैविक स्वास्थ्य बेहतर होता है। इसके लिए पहला कदम यह है कि जितना संभव हो सके मिट्टी को खाली छोड़ दिया जाए और जुताई कम कर दी जाए। मिट्टी को ढंकने वाली तिपतिया घास, राई घास, या वेच लगाकर मिट्टी का कटाव और खरपतवार की वृद्धि रोकी जा सकती है। और खेत में बदल-बदल कर फसलें लगाने से पोषक तत्व में फायदा हो सकता है, लेकिन जब तक पैदावार में पोषण बहाल नहीं होता तब तक क्या करें? पहले तो इस खबर से घबराकर लोग फल-सब्जियां खाना छोड़ या कम कर पोषण पूरकों का रुख न करें। बल्कि इससे वाकिफ रहें कि उनका भोजन कैसे उगाया जा रहा है। हम क्या खा रहे हैं यह पता होना जितना महत्वपूर्ण है उतना ही महत्वपूर्ण यह जानना भी है कि हम जो खा रहे हैं वह कैसे उगाया जा रहा है। और पोषक तत्वों की कमी की पूर्ति के लिए अलग-अलग तरह और रंग की फल-सब्जियां आहार में शामिल करें। पृथ्वी पर मौजूदा सबसे स्वास्थ्यवर्धक खाद्य फल, सब्जियां और अनाज ही हैं।

कार्बन डाईऑक्साइड का बढ़ता स्तर भी हमारे खाद्य पदार्थों की पौष्टिकता कम कर रहा है। पौधे वायुमंडल से कार्बन डाईऑक्साइड लेते हैं, और वृद्धि के लिए इसके कार्बन का उपयोग करते हैं। लेकिन जब गेहूं, चावल, जौं और आलू समेत बाकी फसलों को उच्च कार्बन डाईऑक्साइड मिलती है तो उनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बढ़ जाती है। इसके अलावा, जब पौधों में कार्बन डाईऑक्साइड अधिक मात्रा में होती है तो ए मिट्टी से कम पानी खींचते हैं, जिसका अर्थ है कि वे मिट्टी से सूक्ष्म पोषक तत्व भी कम ले रहे हैं। 2018 में साइंस एडवांसेज में प्रकाशित नतीजे बताते हैं कि उच्च कार्बन डाईऑक्साइड के कारण 18 किस्म की धान में प्रोटीन, आयरन, जिंक और कई बी विटामिन कम पाए गए थे। यदि इन पोषक तत्वों में और कमी आई तो पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोगों का खतरा बढ़ सकता है या जीर्ण रोगों के प्रति जोखिमग्रस्त हो सकते हैं। और इसका असर उन लोगों पर, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले लोगों पर, अधिक होगा।

**प्रयागराज। एक ठंडी और धुंध भरी सुबह में अपने सिर पर सामान ढोते लोग।**

## इजरायली दूतावास के पास ग्रेनेड विस्फोट के आरोपी दो स्वीडिश नागरिकों को जेल

**कोपेनहेगन।** डेनमार्क की एक अदालत ने कोपेनहेगन में इजरायली दूतावास के समीप ग्रेनेड विस्फोट करने के आरोप में दो स्वीडिश नागरिकों को क्रमश: 12 और 14 साल की जेल की सजा सुनाई है। यह जानकारी डेनिश मीडिया से प्राप्त हुई। अक्टूबर 2025 में, डेनिश अभियोजक कार्यालय ने दो स्वीडिश नागरिकों पर अक्टूबर 2024 में कोपेनहेगन में इजरायली दूतावास के पास ग्रेनेड विस्फोट करके आतंकवादी हमला करने का आरोप लगाया। अभियोजकों ने कहा कि 18 और 20 वर्ष के युवकों ने एक पूर्व-नियोजित साजिश के अंतर्गत अज्ञात सहयोगियों की मदद से दूतावास परिसर में पांच हथगोले लाए, उनमें से दो को राजनयिक मिशन भवन पर फेंका लेकिन वे पास के एक आवासीय भवन में जा गिरे।

# रूस से तेल नहीं खरीदेगा भारत, अमेरिका से खरीदारी बढ़ाएगा

## भारत के अमेरिका के साथ हुए नए समझौते का हवाला देते हुए व्हाइट हाउस ने किया दावा

**वाशिंगटन।** व्हाइट हाउस ने दावा किया कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए नए समझौते के तहत रूस से कच्चा तेल न लेने और अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने का निर्णय लिया है। व्हाइट हाउस की मीडिया सचिव कैरोलाइन लेविट ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच सीधी बातचीत के बाद भारत ने यह प्रतिब( ता जाहिर की।

उन्होंने कहा कि जैसा कि आप सब ने देखा, राष्ट्रपति (ट्रम्प) ने भारत के साथ एक और बेहतरीन सौदा किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सीधे बात की। उन दोनों का रिश्ता बहुत मजबूत है। लेविट ने कहा, ष्भारत ने न सिर्फ रूसी तेल नहीं खरी. दने का वादा किया है, बल्कि अमेरिका से भी तेल खरीदने का वादा किया है, और शायद वेनेजुएला से भी। इसका सीधा फायदा अमेरिका और अमेरिकी लोगों को होगा। उन्होंने दावा किया कि मोदी ने अमे. रिकी अर्थव्यवस्था में बड़े निवेश का वादा किया है। लेविट ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का वादा किया है, जिसमें परिवहन, ऊर्जा और कृषि उत्पादों जैसे सेक्टर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रपति की वजह से एक और शानदार व्यापारिक समझौता है। उन्होंने अमेरिकी विनिर्माण को मजबूत करने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए ट्रम्प की टैरिफ नीति और व्यापार रणनीति को श्रेय दिया। प्रशासन की आयात नीति का बचाव करते हुए, लेविट ने कहा कि इससे पहले ही ठोस आर्थिक फायदे मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की आयात शुल्क नीति काम कर रही है और उनका आर्थिक एजेंडा काम कर रहा है।

**मोदी ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बड़े निवेश का वादा किया है**

## ट्रम्प से बैठक के बाद कोलंबिया के रूख में आई नरमी, संबंधों में सुधार के संकेत

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने व्हाइट हाउस में लगभग दो घंटे तक चली अपनी पहली आमने-सामने की बैठक को 'मैत्रीपूर्ण' और 'सकारात्मक' बताया है। महीनों से चले आ रहे तीखे बयानों और राजनयिक गतिरोध के बाद इस मुलाकात को दोनों देशों के बीच संबंधों के सुधरने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। बैठक के बाद ओवल ऑफिस में ट्रम्प ने संवाददाताओं से कहा कि हमारी मुलाकात बहुत अच्छी रही। पेट्रो शानदार व्यक्ति हैं। उनका यह बयान चौंकाने वाला है क्योंकि कुछ ही हफ्ते पहले ट्रम्प ने पेट्रो को 'बीमार' और 'नशीली दवाओं का नेतृत्व करने वाला' व्यक्ति बताया था। पेट्रो ने भी सोशल मीडिया पर ट्रम्प के साथ हाथ मिलाते हुए फोटो साझा की और अमेरिकी राष्ट्रपति ने उनकी 'द आर्ट ऑफ द डील' पुस्तक पर 'यू आर ग्रेट' (आप महान हैं) लिखकर उन्हें समर्पित की। कोलंबियाई दूतावास में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पेट्रो ने बताया कि वार्ता में मुख्य रूप से तीन बड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इनमें वेनेजुएला और ऊर्जा, नशीली दवाओं के खिलाफ जंग और इक्वाडोर के साथ व्यापार विवाद की बातें शामिल हैं।

# अमेरिका ने ईरानी ड्रोन को मार गिराया

## अरब सागर में अमेरिकी वॉरशिप के पास पहुंचा था ड्रोन, ईरान 1000 ड्रोन्स तैयार करने का कर चुका दावा

**दुबई।** अमेरिका ने अरब सागर में एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया। ईरान का शाहेद-139 ड्रोन अमेरिकी नौसेना के 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' एयरक्राफ्ट कैरियर (वॉरशिप) के पास पहुंच गया था। यूएसएस अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के बयान के अनुसार, अमेरिकी नौसेना ने आत्मरक्षा में एफ-35सी फाइटर जेट से ईरानी ड्रोन को मार गिराया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे ईरान की तरफ से एक 'आक्रामक' व्यवहार बताया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि ड्रोन किस मकसद से तैनात किया गया था। अमेरिका के अनुसार, ड्रोन ने कमांड की तरफ से किए गए नान-लेथल डिफ्यूजन कोशिशों के बावजूद अपनी दिशा नहीं बदली। इसके चलते फोर्स का इस्तेमाल किया गया। इस घटना पर ईरान की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि, अमेरिका से तनाव के चलते ईरान ने 30 जनवरी को कहा था कि उसने जमीन और समुद्र से हमला करने वाले 1000 ड्रोन तैयार कर लिए हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है और वार्ताओं को फिर से शुरू करने के प्रयास जारी हैं। दोनों देशों के बीच शुक्रवार को तुर्की में महत्वपूर्ण बैठक होने की उम्मीद है। कई क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूत स्टीव विटकाफ, उनके दामाद और सलाहकार जेरेड कुशनेर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची इस बैठक में शामिल होंगे। साथ ही तुर्की, कतर और मिस्र के वरिष्ठ अधिकारियों के भी मौजूद रहने की संभावना है। कुछ सूत्रों के मुताबिक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और पाकिस्तान जैसे अन्य देशों के प्रतिनिधि भी इसमें भाग ले सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 28 जनवरी को ईरान से परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने को कहा था। ऐसा न करने पर उन्होंने चेतावनी दी थी कि ईरान पर अगला हमला पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक होगा। ट्रम्प के मुताबिक, अमे. रिकी जहाजों का एक बड़ा बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है और अगर समझौता नहीं हुआ तो बुरे हालात हो सकते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी कहा है कि सेना राष्ट्रपति के किसी भी सैन्य आदेश के लिए तैयार है। पिछले महीने ईरान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें हजारों लोगों की मौत हुई थी। ट्रम्प ने तब भी हस्तक्षेप की धमकी दी थी। वे ईरान में शासन परिवर्तन की बात भी कर चुके हैं। ईरान के नेता धमकियों के बीच बातचीत से इनकार कर रहे थे। हालांकि, अब वे बात करने के लिए तैयार दिख रहे हैं। इधर, ईरानी अधिकारी कह रहे हैं कि उनका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ ऊर्जा के लिए है, हथियारों के लिए नहीं। वे अमेरिका की ओर से दिए गए प्रस्ताव पर विचार करने को तैयार हैं। ट्रम्प की धमकी के बीच ईरान ने 30 जनवरी को दावा किया उसने जमीन और समुद्र से हमला करने वाले 1000 ड्रोन तैयार कर लिए हैं। ईरान की सेना ने दावा किया है अगर अमेरिका हमला करता है तो उसके ड्रोन और मिसाइलों को नेटवर्क इन हमलों को नाकाम कर सकता है। ईरान के सेना प्रमुख मेजर जनरल अमीर हातामी ने कहा था कि पिछले साल जून में अमेरिका और इजरायल के साथ हुए 12 दिन के संघर्ष के बाद सेना ने अपनी सैन्य रणनीति बदली है। इसके तहत बड़ी संख्या में ड्रोन तैयार किए गए हैं। हातामी के मुताबिक, ये ड्रोन जमीन और समुद्र दोनों जगहों से आपरेट किए जा सकते हैं।

**अमेरिका के अनुसार, ड्रोन ने कमांड की तरफ से किए गए नान-लेथल डिफ्यूजन कोशिशों के बावजूद अपनी दिशा नहीं बदली**

### अमेरिका-ईरान के बीच ड्रोन हमले की घटना से वार्ता की संभावना धूमिल

काहिरा। ईरानी सशस्त्र बलों के एक ड्रोन ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्रों में एक 'निरीक्षण मिशन' पूरा किया, जिसके ठीक बाद अमेरिकी सेना ने माना कि उसने एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया है जिसने एक विमान वाहक के करीब आक्रामक रूप से आने की कोशिश की थी। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने एक सूत्र के हवाले से कहा कि ईरान का अपने एक ड्रोन से संपर्क टूट गया है जिसके कारणों की जांच की रही है। फार्स समाचार एजेंसी ने अज्ञात सूत्रों का हवाले से कहा कि ड्रोन ने ईरान से सटे क्षेत्रों में सैन्य गतिविधियों की सफलतापूर्वक निगरानी की और वास्तविक समय में जमीनी ठिकानों को डेटा भेजा। रिपोर्ट में ऐसे अभियानों को क्षेत्र की समग्र निगरानी के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने इससे पहले कहा था कि अरब सागर में एक अमेरिकी एफ-35सी युद्धक विमान को ईरानी शाहेद-139 ड्रोन को मार गिराने के लिए मजबूर होना पड़ा। कमान ने कहा कि ईरानी ड्रोन यूएसएस अब्राहम लिकन की ओर 'अनावश्यक रूप से पैंतरेबाजी' की, जब विमानवाहक पोत ईरानी तट से लगभग 800 किलोमीटर दूर अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र से गुजर रहा था।

## जापान बांग्लादेश के बीच रक्षा उपकरण व प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर समझौता

**मास्को।** जापान और बंगलादेश ने रक्षा उपकरण एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी जापानी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को दी। मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि तीन फरवरी को बंगलादेश के ढाका में, जापान की राजदूत सैदा शिनिची और बंगलादेश के मुख्य सलाहकार कार्यालय के सशस्त्र बल प्रभाग के प्रधान स्टाफ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल एस एम कामरुल हसन ने जापान सरकार और बंगलादेश सरकार के बीच रक्षा उपकरण एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता तीन फरवरी से प्रभावी हो गया। बयान में कहा गया कि यह समझौता दोनों देशों के बीच हस्तांतरित किए जाने वाले रक्षा उपकरणों एवं प्रौद्योगिकी के प्रबंधन के लिए एक कानूनी संरचना स्थापित करता है जिसका उद्देश्य संयुक्त रूप से निर्धारित परियोजनाओं को लागू करना है, जिनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जो अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा में योगदान करती हैं। बयान में यह भी कहा गया कि यह समझौता रक्षा उपकरणों एवं प्रौद्योगिकी के तीसरे पक्षों को हस्तांतरण या उनके दुरुपयोग पर उचित नियंत्रण सुनिश्चित करेगा।

## इंडिगो बंद करेगी कोपनहेगन की उड़ान लंदन मांर्ग पर कटौती की घोषणा

**नई दिल्ली।** निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने परिचालन संबंधी सीमाओं और हवाई क्षेत्र के प्रतिबंधों का हवाला देते हुए कोप. नहेगन की उड़ान बंद करने और लंदन तथा मैनचेस्टर के लिए उड़ानों में कटौती की घोषणा की है। एयरलाइंस ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह उन मार्गों पर उड़ानों में कटौती करेगी जिन पर वाइडबॉडी विमान बोइंग 787-9 का इस्तेमाल किया जा रहा है।

उसने बोइंग 787-9 विमान नोर्स अटलांटिक एयरवेज से डैम्प लीज पर लिए हुए हैं। संभावना है कि कंपनी इनमें से कुछ विमान वापस भी लौटा सकती है। डैम्प लीज के तहत विमान के साथ कुछ क्रू सदस्यों की आपूर्ति विमान देने वाली कंपनी करती है जबकि कुछ क्रू विमान पट्टे पर लेने वाली कंपनी के होते हैं।इंडिगो ने बताया कि वह 17 फरवरी के डेनमार्क के कोप. नहेगन की उड़ानें बंद कर रही है। इसके अलावा 07 फरवरी से दिल्ली से ब्रिटेन के मैनचेस्टर के लिए उड़ानों की संख्या पांच से घटाकर चार करेगी। इसे 19 फरवरी से चार से घटाकर तीन किया जाएगा। मुंबई से मैनचेस्टर के लिए जाने वाली सप्ताह में चार उड़ानों में कोई कटौती नहीं की गई है। उसने बताया कि 09 फरवरी से दिल्ली से लंदन हीथ्रो के लिए जाने वाली उड़ानों की संख्या सप्ताह में पांच से घटाकर चार की जाएगी। एयरलाइंस का कहना है कि अन्य उड़ानों का निर्बाध परिचालन सुनिश्चित करने के लिए यह कटौती जरूरी है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उसके वाइडबॉडी परिचालन को हाल में बाहरी बाधाओं का सामना करना पड़ा है। साथ ही भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण हवाई क्षेत्रों संबंधी प्रतिबंध और भारत तथा विदेशों में हवाई अड्डों पर स्लॉट की समस्या के कारण वह ए उड़ानें रद्द कर रही है। इंडिगो ने लंबी दूरी के रूट पर परिचालन शुरू करने के लिए पिछले साल मार्च में अपने बेड़े में वाइडबॉडी विमानों को शामिल किया था। उसकी योजना फिलहाल चुनिदा मार्गों पर लंबी दूरी की सेवा शुरू करने की थी। कंपनी ने फ्रांस की कंपनी एयरबस को ए350-900 विमानों के ऑर्डर दिए हैं जिनकी डिलिवरी साल 2028 में शुरू हो जाएगी। उसके बाद कंपनी लंबी दूरी के मार्गों पर नेटवर्क का विस्तार करेगी।

## समंदर में 4 घंटे तैरता रहा 13 साल का बच्चा

**मां और भाई-बहन की जान बचाई, तूफान में बोट पलटने से 14 किमी दूर बहा परिवार**

**पर्थ।** आस्ट्रेलिया में 13 साल के एक बच्चे आस्टिन एपलबी ने समुद्र में करीब 4 घंटे तैरकर अपनी मां और दो छोटे भाई-बहनों की जान बचाई। वह परिवार के साथ समुद्र में गया था। अचानक लहरें तेज हो गईं। बोट पलटने से सभी बहते हुए समुद्र में 14 किमी दूर निकल गए थे।

जोआन एपलबे अपने बच्चों आस्टिन, ब्यू और ग्रेस के साथ पर्थ से करीब 200 किलोमीटर दूर क्विंडलप में छुट्टियां मना रही थीं। शुक्रवार दोपहर वे समुद्र के किनारे पैडलबोर्ड के साथ पानी में खेल रहे थे। शुरुआत में सब ठीक था, लेकिन बच्चे थोड़ा दूर चले गए और तभी तेज हवा चलने लगी। हवा के कारण उनके चप्पू गिर गए और वे सभी धीरे-धीरे समुद्र में बहने लगे। हालात बहुत जल्दी खराब हो गए। जोआन को लगा कि अब किसी को मदद लाने के लिए किनारे जाना होगा। उन्होंने अपने 13 साल के बेटे आस्टिन को चुना, क्योंकि उन्हें लगा वही सबसे मजबूत है। आस्टिन समुद्र में तैरकर मदद लाने निकल पड़ा। उस वक्त परिवार को लगा कि किनारा ज्यादा दूर नहीं है, लेकिन जैसे-जैसे आस्टिन आगे बढ़ता गया, मां और बाकी बच्चे और दूर समुद्र में बहते चले गए। कुछ ही देर में वे आस्टिन को देख भी नहीं पा रहे थे। अंधेरा हो गया और लहरें तेज होती चली गईं। मां और बच्चे लाइफ जैकेट पहने पैडलबोर्ड को पकड़कर किसी तरह खुद को संभाले हुए थे। जोआन को लगने लगा कि शायद आस्टिन समय पर नहीं पहुंच पाएगा। उधर आस्टिन लगातार तैरता रहा और करीब 4 किमी बाद किसी तरह किनारे पहुंचा। उसने बताया कि तैरते समय वह सिर्फ अपनी मां और भाई-बहन के बारे में सोच रहा था। किनारे पर पहुंचने के बाद वह 2 किमी दौड़कर फोन तक पहुंचा और शाम करीब 6 बजे इमरजेंसी सर्विस को काल किया। फोन करने के बाद वह थकान से बेहोश हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। उस समय उसे नहीं पता था कि उसकी मां और भाई-बहन जिंदा हैं या नहीं। समुद्र में मां और बच्चे अंधेरे, ठंड और ऊंची लहरों के बीच फंसे हुए थे। जोआन ने बताया कि उन्हें लगने लगा था कि आस्टिन शायद नहीं बचा और अब कोई मदद नहीं आने वाली है। काफी देर बाद बचाव दल ने परिवार को समुद्र में करीब 14 किलोमीटर दूर ढूंढ लिया। उस समय एक बड़ी लहर में बच्चे पानी में गिर गए थे।

# लीबिया के पूर्व तानाशाह गद्दाफी के बेटे की हत्या

## घर में घुसकर गोली मारी, राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी

**त्रिपोली।** लीबिया के पूर्व तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी के बेटे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। लीबियाई जिंटान शहर में उनके घर पर चार हमलावरों ने हमला किया और उन्हें मार डाला। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी के वकील खालिद अल-जैदी और राजनीतिक सलाहकार अब्दुल्ला ओथमान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनकी मौत की जानकारी दी। हालांकि शुरुआती बयानों में हत्या की वजह या हमलावरों की पहचान को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई।

सैफ अल-इस्लाम की मौत को लेकर उनकी बहन ने अलग ही दावा किया है। बीबीसी ने लीबियाई टीवी के हवाले से बताया कि सैफ अल-इस्लाम की मौत लीबिया-अल्जीरिया सीमा के पास हुई। सैफ अल-इस्लाम की उम्र 53 साल थी। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी को कभी अपने पिता का उत्तराधिकारी माना जाता था। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी (बाएं) ने 2021 के राष्ट्रपति चुनावों में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया था। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी को लंबे समय तक अपने पिता मुअम्मर गद्दाफी का राजनीतिक उत्तराधिक. ारी माना जाता रहा। उनका जन्म 25 जून 1972 को त्रिपोली में हुआ। गद्दाफी परिवार लीबिया में दशकों तक सत्ता में रहा और सैफ अल-इस्लाम उसी ताकतवर परिवार का सबसे पढ़ा-लिखा और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जाना-पहचाना चेहरा थे। उन्होंने लीबिया के बाहर भी पढ़ाई की और लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स से शिक्षा ली। 2000 के दशक में वे खुद को एक सुधारवादी नेता के रूप में पेश करते थे। वे पश्चिमी देशों से रिश्ते सुधारने, अर्थव्यवस्था और कुछ हद तक राजनीतिक बदलाव की बातें करते थे। इसी वजह से कई विदेशी नेता और मीडिया उन्हें गद्दाफी शासन का नरम और आधुनिक चेहरा मानने लगे थे। सैफ ने कभी कोई आधिकारिक पद नहीं संभाला, लेकिन वे लीबिया में अपने पिता के बाद सबसे ताकतवर व्यक्ति थे। 2000 के दशक में उन्होंने लीबिया के पश्चिमी देशों से रिश्ते सुधारने में बड़ी भूमिका निभाई। सैफ अल-इस्लाम के पिता मुअम्मर गद्दाफी को 2011 में हुए विद्रोह के बाद सत्ता से हटा दिया गया था और उनकी हत्या कर दी गई थी। 2011 में अरब स्प्रिंग (तानाशाही के खिलाफ विरोध प्रदर्शन) के दौरान लीबिया में विद्रोह हुआ, जो गद्दाफी शासन के खिलाफ था। सैफ अल-इस्लाम ने अपने पिता का साथ दिया और विद्रोहियों को कुचलने की कोशिश की। वे टीवी पर आए और लोगों को चेतावनी दी कि विरोध करने वालों को सजा मिलेगी। सैफ अल-इस्लाम विद्रोहियों को 'चूहे' कहकर बुलाते थे और कहते थे कि सरकार आखिरी गोली तक लड़ेगी। उन्होंने कहा था कि हम लीबिया में लड़ेंगे, यहीं मरेंगे। क्रांति के दौरान उनके पिता मारे गए और सैफ अल-इस्लाम भागने की कोशिश में पकड़े गए।

**शुरुआती बयानों में हत्या की वजह या हमलावरों की पहचान को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई**

# जिनपिंग ने हटाए अपने 23 भरोसेमंद जनरल

## जनरलों में से कई लापता, एक्सपर्ट बोले: चीनी राष्ट्रपति जरूरत से ज्यादा शक करने लगे हैं

**बीजिंग।** चीन की सेना में बीते तीन सालों में ऐसा बदलाव हुआ है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। 2023 की शुरुआत में चीन के पास कम से कम 30 जनरल और एडमिरल थे, जो अलग-अलग खास विभागों और थिएटर कमांड की कमान संभाल रहे थे।

इनमें से लगभग सभी को या तो बाहर कर दिया गया है या वे अचानक गायब हो गए हैं। जांच में केवल 7 ऐसे जनरल मिले हैं जो अब भी एक्टिव नजर आते हैं। कई अधिकारी सार्वजनिक रूप से दिखना ही बंद हो गए हैं। आधु. निक चीन के इतिहास में इतनी बड़ी उथल-पुथल पहले कभी नहीं देखी गई। इन सफाइयों की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी सेना के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का बड़ा खालीपन पैदा हो गया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के एक्सपर्ट्स का मानना है कि शी जिनपिंग जरूरत से ज्यादा शक करने लगे हैं। ये वे कमांडर थे जो 2023 में शी जिनपिंग के अधीन सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में कार्यरत थे। इस मंच पर मौजूद एक अधिकारी झांग शेंगमिन (बाएं से पहले) को छोड़कर बाकी सभी को पद से हटा दिया गया है। 2016 में शी जिनपिंग ने चीन की पूरी सैन्य व्यवस्था बदल दी। पहले चीन की सेना 7 मिलिट्री रीजन में बंटी थी। शी जिनपिंग ने इसे खत्म करके देश को 5 थिएटर कमांड में बांटा, ताकि अलग-अलग मोर्चों पर तेजी से फैसला लिया जा सके। सेना, नौसेना, वायुसेना और मिसाइल फोर्स मिलकर काम करें और जंग स्थिति में 'एक कमांड, एक जिम्मेदारी' तय हो। इसमें से साउदर्न थिएटर कमांड, वेस्टर्न थिएटर कमांड और नार्दर्न थिएटर कमांड में सबसे ज्यादा अफसर हटाए गए हैं। सेंट्रल थिएटर कमांड बस एक मिलिट्री रीजन है जहां पर कम अधिकारी निकाले गए हैं। ये सभी थिएटर कमांड सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) के आदेश पर काम करने वाली मिलिट्री यूनिट्स हैं। ये सेना, नौसेना, वायुसेना, मिसा. इल फोर्स को मिलाकर आपरेशन चलाती हैं। इसमें से 6 में से 5 जनरल अब हटाए जा चुके हैं। जिसने राष्ट्रपति बनने में मदद की उसे ही निकाला साल 2022 में सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में इन छह जनरलों को शी जिनपिंग ने खुद नियुक्त किया था।

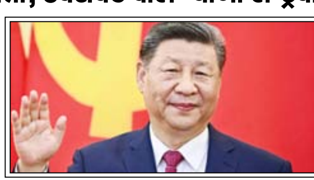

**आधुनिक चीन के इतिहास में इतनी बड़ी उथल-पुथल पहले कभी नहीं देखी गई**

## यूनान में तटरक्षक पोत से टकराई प्रवासियों की नाव, 15 की मौत

**एथेन्स।** यूनान के चियोस द्वीप पर एक तटरक्षक पोत से प्रवासियों की नाव टकराने के बाद 15 प्रवासियों की मौत हो गई है। यूनान के कथिमेरिनी अखबार ने एक रिपोर्ट में बताया कि यह नाव चियोस पहुंचने की कोशिश कर रही थी, ताकि प्रवासियों को यूनान में उतारा जा सके। स्थानीय तटरक्षक बलों ने उनका पीछा किया। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान दोनों नाव टकरा गईं और समंदर में डूबने से 15 लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। दो तटरक्षकों और सात बच्चों एवं दो महिलाओं सहित 25 प्रवासियों को दुर्घटना के बाद अस्पताल ले जाया गया। 14 प्रवासियों के शव पानी में मिले, जबकि एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।